3 | राजधानी
सरकार की लापरवाही का शिकार है आशा किरण होम

6 | अभिमत
कौशल व रोजगार को प्राथमिकता

11 | विदेश
नाइजीरिया में प्रदर्शन के दौरान 13 लोग मारे गए

12 | स्पोर्ट्स
मनु पूरी कर सकती हैं पदकों की तिकड़ी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 265
नई दिल्ली, शनिवार, 3 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

वायनाड की त्रासदी से अलग तरीके से निपटना होगा

राष्ट्रीय-10

कोचिंग सेंटर मौत मामले की सीबीआई करेगी जांच

दिल्ली हाईकोर्ट ने सौंपी, कहा-यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को इस पर संदेह न हो

पीटीआई। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की डूबने से हुई मौत के मामले की जांच शुक्रवार को दिल्ली पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच सीबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपी कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा की जाने वाली जांच की निगरानी के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को कहा। अदालत ने कहा, घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को जांच के संबंध में कोई संदेह न हो, यह अदालत मामले की जांच सीबीआई को सौंपती है। पीठ ने बेसमेंट में पानी भरने से तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा एक वाहन चालक को गिरफ्तार किए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, गनीमत है कि आपने बेसमेंट में घुसने वाले बारिश के पानी का चालान नहीं काटा। वाहन (शेष पेज 9)

नीट-यूजी में शुचिता का उल्लंघन नहीं

शीर्ष अदालत ने कहा, इसलिए परीक्षा रद्द नहीं की गई

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पेपर के आरोपों और परीक्षा में अन्य अनियमितताओं पर बढ़ते विवाद के बावजूद वर्ष 2024 (नीट यूजी 2024) के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा स्नातक परीक्षा को रद्द नहीं करने का विस्तृत कारण बताते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि कोई प्रणालीगत कमी नहीं थी। पेपर लीक केवल पटना और हज़ारीबाग़ तक ही सीमित था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया, इसलिए इस वर्ष की परीक्षा के संबंध में दोबारा परीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी। अपने 63 पन्नों के फैसले में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने कहा कि एनटीए को 'फ्लिप फ्लॉप' से बचना चाहिए, जो इस साल देखा गया क्योंकि यह छात्रों के हित में काम नहीं करता है। इसने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा के लिए गठित पूर्व भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में केंद्र द्वारा नियुक्त पैनल के दायरे का भी विस्तार किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि पैनल का दायरा बढ़ा दिया गया है, इसलिए समिति परीक्षा प्रणाली में कमियों को दूर करने के विभिन्न उपायों पर 30 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

पीठ ने कहा कि राधाकृष्णन पैनल को परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए तकनीकी प्रगति को अपनाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने पर विचार करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विवादों से घिरी नीट-यूजी 24 परीक्षा को रद्द करने से इनकार करने के अपने 23 जुलाई के आदेश के लिए विस्तृत कारण बताए।...वर्तमान में पर्याप्त सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं है जो इंगित करती है अन्य रूपों का एक प्रणालीगत लीक या प्रणालीगत कदाचार। वर्तमान में, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री इस आरोप की पुष्टि नहीं करती है कि व्यापक कदाचार हुआ है जिसने परीक्षा की अखंडता से समझौता किया है। इसके विपरीत, डेटा का आकलन यह दर्शाता है ऐसा कोई विचलन नहीं है जो यह दर्शाता हो कि प्रणालीगत धोखाधड़ी हुई है।

पीठ की ओर से लिखते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस स्तर पर अदालत के समक्ष दी गई जानकारी यह नहीं दिखाती है कि प्रश्न पत्र को (शेष पेज 9)

नीट से पहले चिकित्सा शिक्षा खुला व्यवसाय थी: नड्डा

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

हाल ही में हुए नीट पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने परीक्षा प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि नीट शुरू होने से पहले चिकित्सा शिक्षा एक खुला व्यवसाय बन गई थी और प्रत्येक पीजी सीटें 8 करोड़ रुपये से 13 करोड़ रुपये में बेची गईं। डीएमके के राज्यसभा सदस्य एम. मोहम्मद अब्दुल्ला के एक निजी सदस्य के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान चिंताओं को संबोधित करते हुए, नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा शिक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से निपटने के (शेष पेज 9)

एयर इंडिया ने इजराइल की उड़ानें आठ तक स्थगित की

पीटीआई। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एअर इंडिया ने शुक्रवार को तेल अवीव के लिए उड़ानें आठ अगस्त तक स्थगित करने की घोषणा की। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन राष्ट्रीय राजधानी से इजराइली शहर के लिए सप्ताह में पांच उड़ानें संचालित करती है।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हमने तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को तत्काल प्रभाव से आठ अगस्त 2024 तक स्थगित कर दिया है। एयरलाइन ने यह भी कहा कि वह इस अवधि के दौरान तेल अवीव से आने-जाने के लिए टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को सहायता प्रदान कर रही है तथा यात्रा पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट दे रही है। एअर इंडिया ने बृहस्पतिवार को अपनी तेल अवीव की उड़ान रद्द कर दी थी। इजराइल और हमास सहित विभिन्न समूहों के बीच संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में तनाव के हालात हैं। इस वर्ष की शुरुआत में भी, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण एअर इंडिया ने अलग-अलग समय पर तेल अवीव के लिए उड़ानें कुछ समय के लिए स्थगित कर दी थीं।

आशा किरण में हुई मौतों की जांच के आदेश

एलजी ने मुख्य सचिव को सभी आश्रयगृहों पर श्वेत पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

आशा किरण आश्रय गृह में मानसिक रूप से दिव्यांग कैदियों की मौतों में अचानक वृद्धि के बीच, केवल जुलाई में एक दर्जन से अधिक मौतें हुईं, उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को मुख्य सचिव को सभी आश्रय गृहों के संचालन पर एक श्वेत पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। दिल्ली सरकार तीन सप्ताह में प्रशासक के खिलाफ तुरंत कार्रवाई शुरू करेगी, जबकि मंत्री आतिशी ने राजस्व विभाग को मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

आशा किरण 'मानसिक रूप से दिव्यांगों' के लिए दिल्ली सरकार द्वारा संचालित सुविधा है और इसके समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आती है। राजकुमार आनंद के इस्तीफे के बाद विभाग फिलहाल बिना मुखिया के है। फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किसी भी मंत्री को विभाग का प्रभार (शेष पेज 9)

वायनाड के 13 गांवों समेत पश्चिम घाट के 56 हजार किमी के लिए मसौदा अधिसूचना जारी

पीटीआई। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड के 13 गांवों समेत छह राज्यों में फैले पश्चिमी घाट के 56,800 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित करने के लिए पांचवीं मसौदा अधिसूचना जारी की है तथा 60 दिन के भीतर सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं। यह अधिसूचना 31 जुलाई को जारी की गई थी।

मसौदा अधिसूचना में केरल के 9,993.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील घोषित करने का प्रस्ताव है, जिसमें भूस्खलन प्रभावित जिले के दो तालुका के 13 गांव शामिल हैं।अधिसूचना में प्रस्तावित ईएसए में गुजरात में 449 वर्ग किमी, महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किमी, गोवा में।,461 वर्ग किमी, कर्नाटक में 20,668 वर्ग किमी, तमिलनाडु में 6,914 वर्ग किमी और केरल में 9,993.7 वर्ग किमी क्षेत्र शामिल है। मसौदा अधिसूचना में रेत खनन समेत सभी तरह की खनन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया गया है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा खदानों को अंतिम अधिसूचना जारी होने की तारीख से पांच वर्षों के भीतर या मौजूदा खनन पट्टे की समाप्ति पर, जो भी पहले हो चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया जाएगा।

दुश्मनों ने गला दबाकर जिंदा गाड़ा, कुत्तों ने बचाई जान

पायनियर समाचार सेवा। आगरा/नई दिल्ली

आगरा में तीस के आसपास की उम्र के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि भूमि विवाद के सिलसिले में चार लोगों ने उसे पीटा, गला घोंटा और जिंदा दफना दिया, लेकिन बाद में आवारा कुत्तों द्वारा जमीन खोदने के बाद चमत्कारिक रूप से वह बच गया। आगरा पुलिस ने कहा कि एक शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 351 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पीड़ित रूप किशोर ने दावा किया कि 18 जुलाई को आगरा के अरटोनी इलाके में अंकित, गौरव, करण और आकाश नाम के चार लोगों ने उन पर हमला किया था। आरोपियों ने उसका भी गला घोंट दिया और फिर उसे मरा समझकर अपने खेत में दफना दिया। किशोर ने दावा किया कि वह इस इसलिए बच गया क्योंकि आवारा कुत्तों ने उस जगह को खोद डाला जहां उसे दफनाया गया था और उसके शरीर को नोंचने लगे, जिससे उसे होश आ गया। उसके बाद, किशोर ने कहा कि वह पास के एक गांव चला गया, जहां स्थानीय लोगों उसे अस्पताल ले गए। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। किशोर की मां के मुताबिक आरोपी उसके बेटे को जबरन घर से ले गए और बेरहमी से मारपीट कर उसका गला घोंट दिया. इसके बाद उन्होंने किशोर को अपने खेत में एक गड्ढे में दफना दिया।

सिकंदरा पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) नीरज शर्मा ने कहा कि चारों आरोपी लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में केस दर्ज कराने वाली रूप की मां रामवती ने कहा, (शेष पेज 9)

दिल्ली में इमारत गिरी, तीन की मौत

एनडीआरएफ व दमकल कर्मियों ने चार घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला, एक की हालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के जहांगीरपुरी में इमारत के गिरने के बाद राहत और बचाव कार्य चलाया गया। फोटो रंजन डिमरी

जहांगीरपुरी औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक इमारत भरभराकर गिर गई। मलबे में दबने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान फूलवती, मनोज के रूप में हुई है। एनडीआरएफ और दमकल कर्मियों ने चार घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भर्ती कराया। घायलों में एक की हालत गंभीर है। इन लोगों की पाहचान, निर्मला, हरिशंतर, ठामुर दास और जसीन के रूप में हुई हैं। दिल्ली नगर निगम ने कहा कि बचाव व राहत कार्य समाप्त हो गया है। मलबे में अब किसी के दबे होने की आशंका नहीं है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहांगीरपुरी इलाके में शुक्रवार दोपहर के वक्त सनसनी फैल गई जब औद्योगिक क्षेत्र की ई ब्लॉक स्थित फैक्ट्री का आगे का हिस्सा भाभरा कर गिर गया। इस इमारत का आगे का हिस्सा काफी समय से जर्जर हालत और 1 साल पहले भी इसका मरम्मत कराया गया था बावजूद इसके इस फैक्ट्री में तीनों फ्लोर, भूमिगत, प्रथम और द्वितीय पर अलग-अलग काम किया जा रहा था जिसमें गट्टे की फैक्ट्री, कपड़े की फैक्ट्री और गैस चूल्हे के बॉडी बनाने का काम चल रहा था। साथ ही साथ आगे के हिस्से में मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान अगला हिस्सा भरभरा कर गिरा और वहां काम कर रहे करीब 6 से 7 लोग इस मालवा के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस और दमकल को दी। सभी छह लोगों को एंबुलेंस की मदद से पहले बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया. यहां तीन लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि एक की एलएनजेपी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। महापौर शैली ओबेरॉय ने बताया कि हादसे में कुल तीन लोगों की मौत हुई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी का माहौल है। आसपास के लोगों का कहना है कि इमारत जर्जर और कमजोर हालत में थी तो इस बिल्डिंग में काम को क्यों नहीं रोका गया। इस घटना के जिम्मेदार विभाग और अधिकारियों के खिलाफ काईवाई की जाए।

52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में दी आस्ट्रेलिया को मात

पीटीआई। पेरिस

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पी आर श्रीजेश की अद्भुत गोलकीपिंग के दम पर भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक में आस्ट्रेलिया को हराते हुए आखिरी ग्रुप मैच में इस दिग्गज प्रतिद्वंद्वी पर 3 . 2 से जीत दर्ज की। भारत ने आखिरी बार पुरूष हॉकी में ओलंपिक में आस्ट्रेलिया को 1972 म्युनिख खेलों में हराया था। वहीं सिडनी ओलंपिक 2000 में आस्ट्रेलिया से 2 . 2 से ग्रुप मैच ड्रॉ रहा था। आस्ट्रेलिया ने तोक्यो ओलंपिक 2021 में ग्रुप मैच में भारत पर 7 . । से जीत दर्ज की थी।

तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत के लिए जहां श्रीजेश ने सही मायने में दीवार की तरह काम करते हुए असंख्य गोल बचाए तो हर मैच में गोल करते आए हरमनप्रीत ने उस सिलसिले को बरकरार रखा। वहीं पहली बार ओलंपिक खेल रहे डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह और फॉरवर्ड अभिषेक ने विरोधी के रसूख से विचलित हुए बिना बेखौफ हॉकी खेली। भारत के लिए अभिषेक ने 12वें, हरमनप्रीत ने 13वें और 32वें मिनट में गोल किए। आस्ट्रेलिया के लिए क्रेग थॉमस ने 25वें और ब्लैक गोवर्स ने 55वें मिनट में गोल दागा।

इस जीत से भारतीय हॉकीप्रेमियों के उन जख्मों पर मरहम जरूर लगा होगा जो दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल 2010 के फाइनल में 8 . 0 और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में 7 . 0 से मिली हार के बाद मिले थे। इस मैच से पहले ओलंपिक में भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 मैचों में से सिर्फ तीन (1960 रोम क्वार्टर फाइनल, 1964 तोक्यो सेमीफाइनल और 1972 म्युनिख ग्रुप मैच) मैच जीते थे जबकि आस्ट्रेलिया ने छह जीते और दो ड्रॉ खेले थे। भारतीय टीम पूल चरण में तीन जीत , एक ड्रॉ और एक हार के साथ बेल्जियम के बाद दूसरे स्थान पर रही और क्वार्टर फाइनल में उसका सामना पूल ए की तीसरे नंबर की टीम से होगा। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर से ही काफी आक्रामक खेल दिखाते हुए शुरूआती 15 मिनट में 2 . 0 की बढत बना ली।

भारत को पांचवें मिनट में ही गोल करने का मौका मिला जब जरमनप्रीत ने बाएं फ्लैंक से सुखजीत को गेंद सौंपी लेकिन वह उसे पकड़ नहीं पाए। आस्ट्रेलिया को 11वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर जेरेमी हैवर्ड का शॉट बाहर से निकल गया। इसके अगले मिनट भारत ने जवाबी हमला बोला और बेल्जियम के खिलाफ पिछले मैच में गोल करने वाले अभिषेक ने तूफानी शॉट पर गेंद सीधे गोल के भीतर डाल दी। आस्ट्रेलिया के गोलकीपर एंड्रयू चार्टर को समझने का समय ही नहीं मिला।

भारत ने अगले मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के शानदार गोल से बढत दुगुनी कर ली। हरमनप्रीत का पेरिस ओलंपिक में यह पांचवां गोल था। पहले क्वार्टर में भारत 2 . 0 से (शेष पेज 9)

पेरिस में ओलंपिक मैच के दौरान जीत दर्ज करने के बाद खुश दिख रहे भारतीय खिलाड़ी, दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया के थामस क्रेग बाएं से तीसरे तथा साथी खिलाड़ी जेक हार्वी के चेहरे साफ झलकती मायूसी।

बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठे शिवालय

● नोएडा में सुबह से मंदिरों में जलाभिषेक, पुलिस सुरक्षा के बीच कतार में लगे शिव भक्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के शिवालय में भगवान शिव का जलाभिषेक किया जा रहा है। मंदिरों के कपाट सुबह 4 बजे खोल दिए गए। सुबह आरती के बाद पहले कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया।

इसके बाद कतार में लगाकर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इस मौके पर मंदिरों के बाहर भारी पुलिस बल भी तैनात है। मंदिरों में अव्यवस्था न हो इसके लिए बैरिकेड लगाई गई। मंदिरों के बाहर ही पूजा सामग्री और प्रसाद की दुकान भी लगाई गई। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर के पुजारी हरेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि जलाभिषेक किया जा रहा है। सुबह मंदिर में आरती की गई इसके बाद पहले कांवड़ियों ने फिर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

पूरे दिन जलाभिषेक के बाद शाम को मंदिर में शाम साढ़े सात बजे आरती और उसके बाद रात में भी कांवड़िये जलाभिषेक करेंगे। पंडित प्रकाश जोशी ने बताया कि सावन शिवरात्रि पर चार प्रहर पूजा का मुहूर्त है। उन्होंने बताया कि सावन शिवरात्रि के दिन भोलेनाथ की पूजा रात में होती है। लेकिन इस वर्ष शिवरात्रि दो और तीन अगस्त दोनों दिन मनाई जाएगी। वहीं, आम श्रद्धालुओं को लिए दिन में दो अगस्त को दोपहर 12 बजकर 06 बजे से 12 बजकर 49 तक जलाभिषेक के लिए शुभ मुहूर्त है। कहते हैं इस दिन प्रदोष काल और रात्रि काल में शिवलिंग में महादेव का वास होता है।

सावन माह शिवरात्रि के मौके पर सेक्टर-11 शिव मंदिर, सर्फाबाद प्राचिन शिव मंदिर, सेक्टर-22 शिव मंदिर, सेक्टर-20 हनुमान मंदिर, सेक्टर-2 लाल मंदिर, सेक्टर-40 शिव शक्ति मंदिर, सेक्टर-56 लक्ष्मी नारायण में बड़े पैमाने पर तैयारियां की गई हैं।

यहां सुबह से ही शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया जा रहा है। इस मौके पर मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं कांवड़ शिविर से मंदिर तक जाने वाले कांवड़ियों के लिए लेन तय की गई है। ताकि रास्ते में कोई परेशानी न हो। लोनी कोतवाली के कोतवाल प्रवीण कुमार सिंह ने मानवता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जहां कांवड़ लेकर आने वाले भोलों की सेवा करते हुए उनकी मरहम पट्टी की वहीं उन्होंने व उनके सहयोगियों ने भोलों के ऊपर पुष्पवर्षा करके उनका हाल-चाल भी जाना। इस क्रम में सिंह ने कांवड़ियों को प्रसाद भी खिलाया।

दूधेश्वर मंदिर पर 24 घंटे जलाभिषेक

गाजियाबाद। शहर के प्राचीन दूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर पर 24 घंटे जलाभिषेक चल रहा है। दूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर के प्रमुख महंत नारायण गिरि ने बताया- इस बार करीब 10 लाख से ज्यादा कांवड़ियों के जलाभिषेक करने की उम्मीद है। जैसे-जैसे कांवड़िए पहुंच रहे हैं, वे हाजिरी का जल लगातार चढ़ा रहे हैं। दो अगस्त की दोपहर 3:36 बजे तक त्रयोदशी का जल चढ़ाया। इसके बाद से तीन अगस्त की दोपहर तीन बजे तक चतुर्दशी/शिवरात्रि का जल चढ़ाया जाएगा। ज्यादातर पैदल कांवड़िए अपने-अपने शिवालयों पर पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को सड़कों पर सिर्फ वहीं कांवड़िए होंगे, जो समय का टारगेट लेकर हरिद्वार से डाक कांवड़ लाते हैं। माना जा रहा है कि शाम के वक्त कुछ रास्ते खुलने शुरू हो जाएंगे, क्योंकि कांवड़ यात्रा की वजह से पुलिस ने ज्यादातर प्रमुख रास्ते बैरिकेडिंग करके बंद किए हुए थे।

ट्राली पलटने से दो युवकों की मौत

● 20 लोग गंभीर रूप से जख्मी, कांवड़ लेने ब्रजघाट जा रहे थे सभी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के मोदीनगर में हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर मार्ग पर बाबूगढ़ छावनी के पास देर रात डेढ़ बजे के आसपास ट्रैक्टर में लगी दो ट्राली पलटने से निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव डबाना निवासी दो युवकों की मौत हो गई।

सड़क हादसे में 20 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग कांवड़ लेकर गांव डबाना से ब्रजघाट जा रहे थे। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल बना हुआ है। निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव डबाना निवासी 50 से अधिक युवक ट्रैक्टर ट्राली से कांवड़ लेने के लिए गुरुवार रात को जिला हापुड के ब्रजघाट जा रहे थे। ट्रैक्टर में एक साथ तीन ट्राली जोड़ रखी थी। ट्रैक्टर को अमित कुमार चला रहे थे। बताया जा रहा है कि देर रात दो बजे के आसपास जब वह हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर मार्ग पर बाबूगढ़ के पास पहुंचे तो अचानक ट्रैक्टर के आगे कोई वाहन आ गया। जैसे चालक ने ट्रैक्टर में ब्रेक लगाए तो अचानक बेकाबू होकर पीछे लगी दो ट्राली पलट गई।

ट्रॉली पलटने से उस पर सवार युवक नीचे दब गए। हादसे के बाद वहां पर चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ट्राली के नीचे निकालकर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में गांव डबाना निवासी 19 वर्षीय चिराग चौधरी और 21 वर्षीय सौरभ चौधरी को मृतक घोषित कर दिया गया। हादसे में गांव डबाना निवासी सोनू ,लोकेन्द्र, रविन्द्र, सुबोध, जगत, मोनू, ब्रजपाल, रविन्द्र, बिजेन्द्र, सीटू, बहादूर, नितिन, प्रदीप, अनुज, अमित कुमार सहित 20 से अधिक घायल हो गए। पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल बना हुआ है।

नोएडा में थार से स्टंट करते हुए बनाई रील

नोएडा। नोएडा में हूटर लगी थार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार में बैठक लोगों ने इसका वीडियो बनाया और वायरल कर दिया।

ट्रैफिक पुलिस ने कार के नंबर के आधार पर 26 हजार का चालान किया। वहीं थार कार की तलाश की जा रही है। ये वीडियो नोएडा के सेक्टर-62 का है। थार में पुलिस का सायरन लगा है। वीडियो 11 सेकेंड का है।

रोड पर कभी हाई तो कभी लो स्पीड में थार को चला रहा है। इसके अलावा लाइट भी ब्लिंग कर रहा है। सेक्टर-62 की इस रोड पर हैवी ट्रैफिक भी है। जिससे आसपास निकल रहे वाहनों को काफी परेशानी हो रही है। सोशल मीडिया के इंस्टा और प्लेटफार्म पर वीडियो आने के बाद किसी ने पुलिस को एक्स पर टैग करके कार्रवाई की मांग की।

डीएनडी आज रात 11 बजे से रहेगा बंद

● महारानी बाग जंक्शन से जोड़ने का काम होगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा छह लेन एक्सेस कंट्रोल हाईवे को शनिवार को दिल्ली महारानी बाग जंक्शन से जोड़ने का काम होगा। इस कारण शनिवार रात 11 बजे से रविवार सुबह पांच बजे तक डीएनडी होकर आश्रम की ओर जाने वाली सड़क बंद रहेगी।

डीसीपी ट्रैफिक यमुना प्रसाद का कहना है कि डीएनडी होकर आश्रम की ओर जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट, अक्षरधाम, सराय काले खां होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। रजनी गंधा से डीएनडी होकर आश्रम की ओर जाने वाले वाहन डीएनडी टोल से यू-टर्न कर, चिल्ला रेड लाइट, अक्षर धाम, सराय काले खां होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। बता दे नोएडा को दिल्ली से डीएनडी जोड़ता है। यहां रोजाना दिन-रात करीब 1 लाख से ज्यादा वाहन आते जाते है। यातायात संबंधित परेशानी होने पर वाहन चालक 9971009001 से सम्पर्क कर सकते है।

इसके अलावा भी नोएडा के अन्य एंट्री पाइंट का प्रयोग वाहन चालक कर सकते है। लेकिन जो रास्ता डीएनडी से आश्रम की ओर जाएगा वो पूर्णता बंद रहेगा। डीएनडी दिल्ली को सीधे नोएडा से जोड़ता है। ये रोड नोएडा में एमपी-1 को जोड़ती है। रोजाना इस रोड पर 1 लाख से ज्यादा दिल्ली से नोएडा और नोएडा से दिल्ली आते जाते है। ऐसे में ये लाइफ लाइन भी है। इस रोड के कुछ घंटे के बंद होने से ही चिल्ला बार्डर पर यातायात का लोड बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीईओ लोकेश एम ने ग्राम बरौला, सलारपुर, भंगेल, हाजीपुर आदि ग्रामों दौरा कर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पिटबुल डॉग ने महिला को काटा

नोएडा। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके पड़ोसी के पिटबुल डॉग ने उसकी मां को काट लिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बीती रात को हरबीर गौतम ने थाना दादरी में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके घर के सामने सचिन पुत्र राधे रहते हैं। पीड़ित के अनुसार सचिन ने पिटबुल नस्ल का कुत्ता पाल रखा है, जो भारत में बैन है। पीड़ित का आरोप है कि सचिन के पिटबुल डॉग ने उसकी मां को काट लिया, जिसका उपचार उन्होंने सरकारी अस्पताल में करवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश के चलते चार लोगों ने की मारपीट

नोएडा। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अनुज भाटी पुत्र विनोद भाटी ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मुर्शीदपुर गांव के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार वह सुबह के समय अपने घर से अपने खेत पर जा रहे थे, तभी अर्जुन, करण भाटी तथा दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। पीड़ित के अनुसार उन्होंने उसके साथ मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि वे लोग उसे जबरन उठाकर महिपाल के घर पर ले गए। वहां पर भी उसके साथ मारपीट की गई थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित का आरोप है कि अर्जुन व करण से उसकी पुरानी रंजिश चल रही है। इसकी वजह से उसके साथ यह घटना कारित की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बैंक अधिकारी साइबर ठगी का शिकार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में स्थित एक बैंक में काम करने वाली महिला अधिकारी ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करवाने के नाम पर उन्हें अपने जाल में फंसाया तथा 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। थाना साइबर क्राइम के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गौतम ने बताया कि प्रीति यादव ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह केनरा बैंक ग्रेटर नोएडा में काम करती है। पीड़िता के अनुसार कुछ लोगों ने उनसे संपर्क किया तथा एक कंपनी के शेयर में इन्वेस्ट करने के नाम पर उनसे बातचीत शुरू की। आरोपियों ने उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से जोड़ा तथा विभिन्न कंपनियों के शेयर में पैसा लगाने के नाम पर उनसे 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। उन्होंने बताया कि शिकायत पर पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

गांजा सहित युवक गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ला ने बताया कि बीती रात को उप निरीक्षक अनूप प्रताप सिंह ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर 28 के पास से शिव शंकर पुत्र लाखन सिंह निवासी जनपद मैनपुरी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उसके पास से पुलिस ने एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताया है कि वह काफी दिनों से अवैध रूप से मादक पदार्थ बेचने के धंधे में संलिप्त है।

अकेले लिफ्ट में फंसी बच्ची, 20 मिनट तक अटकी रही सांसें

नोएडा। सेक्टर-79 स्थित एलीट गोल्फ ग्रीन सोसाइटी में गुरुवार शाम अचानक लिफ्ट रुकने से सात वर्ष की बच्ची अकेले लिफ्ट में फंस गई। वह कई मिनट तक अलार्म बजाती रही, लेकिन कोई सपोर्टिंग स्टाफ नहीं पहुंचा। वहीं, लिफ्ट के बाहर खड़े सुरक्षाकर्मी व लोग बच्ची को ढांढस देते रहे। जब काफी देर तक लिफ्ट नहीं खुली तो बच्ची मायूस होकर रोने लगी। बच्ची इतनी सहम गई कि उसकी सांस घुटने लगी। उसने बैग में रखी बोतल से चेहरे पर पानी डाला। बताया कि लगभग 20 मिनट बाद सोसायटी की मेंटीनेंस टीम का तकनीकी स्टाफ पहुंचा। तब बच्ची को बाहर निकाला गया। बच्ची के पिता पुनीत पाठक ने बताया कि उनका फ्लैट 15वें फ्लोर पर है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली उनकी बच्ची कोचिंग से लौट रही थी।

अस्पताल, नर्सिंग होम और स्कूल के लिए यीडा ने भूखंड योजना को किया लांच

नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग व संस्थागत श्रेणी के लिए भूखंड योजना बृहस्पतिवार को लांच कर दी। ग्रुप हाउसिंग योजना में 19 भूखंड हैं। इनका आवंटन ई-नीलामी से होगा। इसके अतिरिक्त संस्थागत श्रेणी में आठ भूखंड हैं। अस्पताल, नर्सिंग होम और स्कूल के लिए इनका आवंटन किया जाएगा। अस्पताल के लिए सेक्टर-22ई और 20 में 10 हजार वर्गमीटर के दो भूखंड का आवंटन होगा। आवंटी को 22770 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर पर आवंटन किया जाएगा।

पांच हजार वर्गमीटर का एक भूखंड चाइल्ड वेलफेयर और मैटरनिटी सेंटर के लिए आवंटित होगा। सेक्टर 17, 22डी और 18 में नर्सिंग होम के लिए तीन भूखंड योजना में शामिल किए गए हैं। यह भूखंड एक हजार वर्गमीटर से लेकर तीन हजार वर्गमीटर के हैं। सेक्टर 17 और 22डी में नर्सरी स्कूल के लिए भी 15020 वर्गमीटर के भूखंडों का आवंटन होगा। योजना में आवेदन के लिए तीस अगस्त तक मौका दिया गया है। ग्रुप हाउसिंग के भूखंड सेक्टर 17, 18 और 22डी में आवंटित किए जाएंगे। यीडा सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि 11 वर्ष बाद ग्रुप हाउसिंग की यह बड़ी भूखंड योजना निकाली गई है। इससे पहले दो भूखंड आवंटित किए गए थे।

इंडियन ओवरसीज बैंक
मौर्या एनक्लेव शाखा
केयू-8, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034, ईमेल: iob2260@iob.in

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना
(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों के नियम 8(6) के प्रावधानों के तहत)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) एवं जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि इंडियन ओवरसीज बैंक के पास बंधक प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां, जिस पर इण्डियन ओवरसीज बैंक के अधिकृत प्राधिकारी ने कब्जा कर लिया है, की बिक्री "जैसा है जहां है", "जो है यही है" तथा "जो कुछ भी है वहीं है" के आधार पर निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जायेगी:

क्र. सं.	कर्जदार का नाम	इंडियन ओवरसीज बैंक की बकाया राशि दिनांक 30.06.2024 तक	अचल सम्पत्ति का विवरण / ज्ञात भार, यदि कोई: ज्ञात नहीं	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य / जमा धरोहर राशि / बोली वृद्धि राशि	नीलामी की तिथि / ईएमडी जमा करने की अन्तिम तिथि / सम्पर्क व्यक्ति
1	1. ओम प्रकाश (उधारकर्ता/बंधककर्ता) पता (अंतिम ज्ञात): डी 237, ब्लॉक-डी, इंदर एन्क्लेव, फेज-2 किरारी सुलेमान नगर दिल्ली- 110086 2. शीतल कुमारी वशिष्ट (सह-कर्जदार) पता (अंतिम ज्ञात): डी 237, ब्लॉक-डी, इंदर एन्क्लेव, फेज-2 किरारी सुलेमान नगर दिल्ली- 110086	रु. 19,78,653.85 (रुपये उन्नीस लाख अठहत्तर हजार छह सौ तिरेपन और पैसे पिचासी मात्र) *संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष राशि के साथ, पूर्ण पुनर्भुगतान की तिथि तक खर्च/प्रभार इत्यादि	फ्लैट नं.: सम्पूर्ण भूतल, बिना छत के अधिकार के, की होल्ड निर्मित सम्पत्ति नं. 16 का भाग, क्षेत्रफल 28.00 वर्ग मी., पॉकेट 16, सैक्टर-22, रोहिणी, दिल्ली-110086 में स्थित, सम्पत्ति की चौहद्दी: पूरब में - सम्पत्ति नं. 17 पश्चिम में - मकान नं. 15 उत्तर में - मकान नं. 5 दक्षिण में - रोड़	सांकेतिक कब्जा	रु. 19,50,000/- रु. 1,95,000/- रु. 50,000/-	05.09.2024 (प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे के बीच, बिक्री पूर्ण होने तक प्रत्येक दस मिनट का स्वतः विस्तार के साथ) 04.09.2024 अप. 04.00 बजे तक या उससे पूर्व श्री नीरज यादव विशाल मो. 9714150512

*बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया ई-नीलामी सेवा प्रदाता पीएसबी एलायंस eBkray पोर्टल: https://ebkray.in देखें।
*इसे उपर्युक्त तिथि पर ई-नीलामी के आयोजन के विषय में वर्णित ऋण के कर्जदार/रों तथा जमानती/यों/बंधककर्ताओं के लिए प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6)/नियम 9(1) के तहत सूचना भी माना जाए।
*ई-नीलामी वेब पोर्टल पीएसबी एलायंस eBkray पोर्टल: https://ebkray.in के माध्यम से आयोजित की जाएगी।
*निरीक्षण की तिथि: 16.08.2024 (पूर्वा. 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक)।

दिनांक: 29.07.2024 स्थान: नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक
दिलशाद गार्डन शाखा
नई दिल्ली -110095, ईमेल: iob293@iob.in

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना
(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों के नियम 8(6) के प्रावधानों के तहत)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) एवं जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि इंडियन ओवरसीज बैंक के पास बंधक प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां, जिस पर इण्डियन ओवरसीज बैंक के अधिकृत प्राधिकारी ने कब्जा कर लिया है, की बिक्री "जैसा है जहां है", "जो है यही है" तथा "जो कुछ भी है वहीं है" के आधार पर निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जायेगी:

क्र. सं.	कर्जदार का नाम	इंडियन ओवरसीज बैंक की बकाया राशि दिनांक 28.07.2024 तक	अचल सम्पत्ति का विवरण / ज्ञात भार, यदि कोई: ज्ञात नहीं	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य / जमा धरोहर राशि / बोली वृद्धि राशि	नीलामी की तिथि / ईएमडी जमा करने की अन्तिम तिथि / सम्पर्क व्यक्ति
1	1. श्री रामगोपाल पुत्र श्री तुला राम (उधारकर्ता) पता: मकान नं. 548-बी रेलवे लाइन के पास, मानसरोवर पार्क, जीटी रोड, शाहदरा, पूर्वी दिल्ली- 110032 2. श्री विकास पुत्र श्री रामगोपाल (सह-उधारकर्ता), मकान नं. ए 244, शहीद नगर ब्लॉक ए, गाजियाबाद- 201001 उत्तर प्रदेश	रु. 21,44,740/- (रुपये इक्कीस लाख चौवालीस हजार सात सौ चालीस मात्र) *संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष राशि के साथ, पूर्ण पुनर्भुगतान की तिथि तक खर्च/प्रभार इत्यादि	आवासीय संपत्ति जोकि फ्लैट सं. 548-बी, खसरा सं. 337-340 में से, ग्राम चंद्रावली उर्फ, शाहदरा, जी.टी. रोड की आबादी में, रेलवे क्रॉसिंग के पास, मानसरोवर पार्क, इलाका, शाहदरा, दिल्ली-110032 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री रामगोपाल पुत्र तुला राम के नाम पर है। संपत्ति की चौहद्दी: उत्तर में - अन्य की संपत्ति, दक्षिण में - अन्य की संपत्ति, पूरब में - प्रवेश, पश्चिम में - अन्य की संपत्ति	सांकेतिक कब्जा	रु. 26,60,000/- रु. 2,66,000/- रु. 50,000/-	05.09.2024 (प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे के बीच, बिक्री पूर्ण होने तक प्रत्येक दस मिनट के स्वतः विस्तार के साथ) 04.09.2024 अप. 04.00 बजे तक जितेन्द्र मीणा मो. 9718100949
2	1. श्रीमती शन्नो पत्नी इरशाद खान, मकान नं. एलआईजी फ्लैट नं. एल-1ए, भूतल कृष्णा अपार्टमेंट-1, प्लॉट नं.-51, ब्लॉक ए, शालीमार गार्डन मेन, पसौंडा, तहसील और जिला- गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 2. श्री इरशाद खान (गारंटर) मकान नं. ए 244, शहीद नगर ब्लॉक ए, गाजियाबाद- 201001 उत्तर प्रदेश	रु. 24,34,716.11 (रुपये चौबीस लाख चौंतीस हजार सात सौ सोलह और पैसे ग्यारह मात्र) *संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष राशि के साथ, पूर्ण पुनर्भुगतान की तिथि तक खर्च/प्रभार इत्यादि	आवासीय संपत्ति जोकि मकान नं. एलआईजी फ्लैट नं. एल-1ए, भूतल कृष्णा अपार्टमेंट-1, प्लॉट नं. 51, ब्लॉक ए, शालीमार गार्डन मेन, पसौंडा, तहसील और जिला-गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में स्थित, संपत्ति की चौहद्दी: उत्तर में - फ्लैट नं. एल-3 और एल-4 पूरब में - फ्लैट नं. एल-2 और प्लॉट-50 पश्चिम में - फ्लैट नं. 52 दक्षिण में - रोड 40 फीट चौड़ी उपरोक्त संपत्ति श्रीमती शन्नो पत्नी इरशाद खान के आवास ऋण में बंधक है	सांकेतिक कब्जा	रु. 17,60,000/- रु. 1,76,000/- रु. 50,000/-	05.09.2024 (प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे के बीच, बिक्री पूर्ण होने तक प्रत्येक दस मिनट के स्वतः विस्तार के साथ) 04.09.2024 अप. 04.00 बजे तक जितेन्द्र मीणा मो. 9718100949

*बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया ई-नीलामी सेवा प्रदाता पीएसबी एलायंस eBkray पोर्टल: https://ebkray.in देखें।
*इसे उपर्युक्त तिथि पर ई-नीलामी के आयोजन के विषय में वर्णित ऋण के कर्जदार/रों तथा जमानती/यों/बंधककर्ताओं के लिए प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6)/नियम 9(1) के तहत सूचना भी मानी जाए।
*ई-नीलामी वेब पोर्टल पीएसबी एलायंस eBkray पोर्टल: https://ebkray.in के माध्यम से आयोजित की जाएगी।
*निरीक्षण की तिथि: 16.08.2024 (पूर्वा. 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक)।

दिनांक: 29.07.2024 स्थान: नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक

PUBLIC NOTICE
To be known to all that, We, **Shri Rahul Mehra son of Late Shri Madan Lal Mehra R/o EC-241, Maya Enclave, Maya Puri, New Delhi and Smt. Rohini Grewal wife of Brigadier (Retd) Daljit Singh Grewal resident of House No.06, Second Floor, G-7 Road, DLF Phase-1, Sector-26, VTC Sikanderpur, Gurgaon, Haryana, are owners and in physical possession of Flat No.EC-170, Cat.SFS-III, on Ground Floor, situated at G-8 Area Rajouri Garden, known as Maya Enclave, Hari Nagar,New Delhi.** The original Allocation Letter,5th and Final Demand -cum-Allotment Letter, Possession Letter, NOC for Water and Electricity and Site Possession Slip and other relevant Documents etc of the said Flat have been lost. An F.I.R./NCR to this effect has been lodged. Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write/contact with above named person at above address/Phone No.9811138275 within 15 days from the date of publication of this notice.The person claiming any right, interest, objections with respect to this Flat can personally inform or **write to Director-I (LAB-H), DDA, Vikas Sadan, INA, New Delhi.**

PUBLIC NOTICE
Re: Third Floor with roof rights (Hereinafter referred to as the "Said floor"), Built up on Property Bearing No. A-4/4, area measuring 50 sq. yds., Out of Khasra No. 283/2, situated at Village Ghonda Khadar, in the abadi of A Block, Gali No. 4, Bhajanpura, Illaqa Shahdara, Delhi. (Hereinafter referred to as the "Said Property").
Be it known to all that our clients, Mr. Sonu and Mrs. Ritu Kaur (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said floor of the said property from Mr. Joginder Singh alias Jogender Singh (hereinafter called the seller). In this connection, the seller has informed the purchaser that he is the sole and absolute owner of the said property vide Sale Deed registered as Document No. 247, Book No. 1,Vol No. 5563, pages 145-154, on 24.01.2003 executed by Mrs. Sohan Biri in respect of the said property. The seller has also informed the purchaser that the said property was owned by Sukhpal Singh vide POA docs viz., GPA, ATS and Will dated 26.12.1979 and after his death, the said property devolved on his legal heirs viz., Mr. Rajeev Kumar, Mr. Sanjeev Kumar, Mrs. Nirmal Phugat and Mrs. Sohan Biri. Later on, Mr. Rajeev Kumar, Mr. Sanjeev Kumar and Mrs. Nirmal Phugat executed a Relinquishment Deed in favour of Mrs. Sohan Biri in respect of their undivided share in the said property. The said Relinquishment Deed is registered as Document No. 2324 on 27.11.2013 (SRO IV, Seelampur). Thus, Mrs. Sohan Biri became the sole and absolute owner of the said property and executed a sale deed in favour of Mr. Joginder Singh alias Mr. Jogender Singh (the present seller). Thus, the seller became sole and absolute owner of the said property including the said floor. The seller has also informed the purchaser that the said floor is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said floor.
Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said floor is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the seller in respect of the said floor shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our client/Purchaser, in any manner whatsoever.
Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF, Defence Colony,
New Delhi-110024

PUBLIC NOTICE
Genera Public is hereby informed that my clients **Mrs. SANTOSH W/O LATE UMED SINGH R/O B-173, GALI NO. 13, HARIJAN BASTI, NASIRPUR, DELHI-110045**, have disowned & debarred **SURESH (son), KUSUM (daughter in law), KHUSHI, HEMLATA, DEEPAK** (Grand son & Daughter) from all moveable & immoveable properties of my client.. My client also severed all relations from them due to disobedience, misconduct and misbehavior. If anybody deals with them shall -be at its own risks, cost & consequences. My client shall not be responsible for the same.
Harender Kumar (Advocate) Seat No. 107, Gajanand Block, Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that S. Gurmukh Singh has acquired Entire Second Floor with roof rights, measuring 50 sq. yds., part of property no. A-153, having plot no.34, (L Shape Two Side open), out of Khasra no.7, village of Nangli Jalib, Colony known as Ganesh Nagar, New Delhi. vide regd. GPA dated 20.02.2009 executed by Mrs. Surinder Kaur Bahery, Now S. Gurmukh Singh is the undisputed owner of above said property.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that Mrs. Anita has acquired First Floor without roof rights, measuring 70 sq. yrds., property No. 172, out of Khasra No. 400, at Village Bindapur Delhi, Colony known as Block-V, Sector-A, Bhagwati Vihar, Uttam Nagar, New Delhi vide GPA dated 07.09.2023 executed by Mrs. Gayatri, Now Mrs. Anita is the undisputed owner of above said property.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given that my client Rifakat Ali is in process to purchase the Double storied built up property bearing municipal no. XV/7575/9A area measuring 40.944 sq. yards, situated in Tel Mill Street, near ice factory, Ram Nagar, New Delhi-110001 (taking loan from Piramal Capital & Housing Finance Limited) from Jagmohan Mittal son of late Kirpa ram, having acquired the same vide Will dated 20.08.1979 executed by Kirpa Ram in favour of Jagmohan Mittal (Doc. No. 8392) whereas kirpa ram acquired the same vide Sale Deed dated 16.03.1967 executed by Charan Das in favour of Kirpa Ram (Doc no. 2421)
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना
सूचित किया जाता है कि फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद, 1 जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2017, तक के मेडिकल रिकॉर्ड नष्ट करने जा रहा है। इस संदर्भ में जिस भी इच्छुक व्यक्ति को संबंधित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त करने हों वह एक महीने के अंदर नीचे दिए गए मेडिकल रिकार्ड डिपार्टमेंट के पते से प्राप्त कर सकता है। आप हमसे rahul.massey@fortishealthcare.com ईमेल पर भी संपर्क कर सकते है।
Fortis Escorts
फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल
नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद,
हरियाणा -121001
कॉल करे 0129 7116000

सांकेतिक कब्जे की सूचना
ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	अभिषेक मागु/अनिल कुमार मागु/ LBDEL00004416185/ LBDEL00005113005/ LBDEL00003145850	संपत्ति संख्या-जे-94, संपूर्ण द्वितीय तल (छत अधिकार के बिना), साकेत (मालवीय नगर एक्सटेंशन), नई दिल्ली- 110017/ जुलाई 31, 2024	अप्रैल 06, 2024 रु. 23,29,867/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : अगस्त 03, 2024 भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

खोड़ा कॉलोनी हादसे पर आरोप प्रत्यारोप तेज

जिस नाले में डूबने में मां-बेटे की मौत हुई वह एमसीडी के अंतर्गत आता है : एलजी

करीब 1000 मीटर नाले की न तो गाद निकाली गई है और न ही उसे ढका गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पिछले दिनों झमाझम बारशि में गाजीपुर इलाके में खोड़ा कॉलोनी की तरफ एक नाले में गिरने से मां और उसके बच्चे की डूबकर मौत हो गई थी। अब जिस जगह पर यह दुर्घटना हुई थी। उस जगह पर किस एजेंसी का अधिकार है। इसको लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी में आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए है। आम आदमी पार्टी का दावा है कि यह निर्माणधीन नाला दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आता है। आप ने हादसे के लिए एलजी को जिम्मेदार और उनका इस्तीफा मांगा है।

अब इस मामले में उपराज्यपाल कार्यालय ने पटलवार करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, विधायक कुलदीप कुमार, आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने बृहस्पतिवार को गलत, जानबूझकर भ्रामक और अनुचित बयान जारी कर, महिला और उसके बच्चे की डूबने से मौत के मामले में दिल्ली विकास प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया है और उपराज्यपाल से इस्तीफा देने की मांग की है। शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में फिर से वही झूठ, मंत्री गोपाल राय और विधायक कुलदीप कुमार ने दोहराया।

उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि नि:संदेह यह आम आदमी पार्टी और उसके नेतृत्व द्वारा आरोप लगाकर भाग जाने का एक और उदाहरण है। जबकि सच्चाई यह है कि खोड़ा कॉलोनी में, जिस नाले में डूबने की यह दुखद घटना हुई, वह दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आता है, जिस पर आम आदमी पार्टी का नियंत्रण है। करीब 1000 मीटर नाले से न तो गाद निकाली गई है और न ही उसे ढका गया है। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार इस नाले की कुल लंबाई 1350 मीटर है। 1000 मीटर नाला दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आता है, जो उसको 17 अप्रैल 2023 को सौंपा गया था वह भी तब जब दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के नियंत्रण में थी। नाले के कुल 350 मीटर का क्षेत्र, दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आता है। डीडीए ने अपने हिस्से में आने वाले नाले से गाद निकालने का काम हाल ही में किया है, जिसके बाद इस पूरे हिस्से को आरसीसी के स्लैब से ढक दिया गया है। कूड़े के प्रवाह को रोकने के लिए, डीडीए ने नाले के एमसीडी-डीडीए जंक्शन पर स्टील स्क्रीन भी लगाई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार यह दुखद घटना परसों शाम को घटी, जिसमें गोल्डन पैलेस के सामने एक मां और एक बच्चे की नाले में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। उनके शव एमसीडी और डीडीए ड्रेन के जंक्शन प्वांइट पर बरामद किए गए, जहां कचरा प्रवाह को रोकने के लिए डीडीए द्वारा स्टील स्क्रीन लगाई गई थी। यह प्वांइट गोल्डन पैलेस से लगभग 500 मीटर नीचे की ओर है। दिल्ली पुलिस ने मां-बच्चे के शवों को अस्पताल पहुंचाया। एमसीडी के अधिकार क्षेत्र के 1000 मीटर लंबे नाला न तो ढका हुआ है और न ही नाले से गाद निकाली गई है

यह कहना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आम आदमी पार्टी और उसके नेता लोगों की मौत से जुड़ी त्रासदियों के बावजूद भी आरोप-प्रत्यारोप में शामिल हैं। 10 वर्षों की निष्क्रियता, विकास की कमी और दिल्ली में हर स्तर पर नागरिक, बुनियादी ढांचे की बदतर स्थिति, जिसका विज्ञापनों और बयानों के माध्यम से प्रचार किया गया था, की सच्चाई अब दिल्ली वालों को दिखाई देने लगी है। यह स्पष्ट है कि दोष और जवाबदेही से बचने के लिए उन्होंने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए बहाने तलाशने का अपना पुराना खेल शुरू कर दिया है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं व मंत्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी विफलताओं और जिम्मेदारियों को स्वीकार करें और सुधारात्मक उपाय करें। उनके रिकॉर्ड और स्वभाव को देखते हुए उनसे माफी की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे का ऐलान करें उपराज्यपाल : प्रियंका कक्कड

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने मयूर विहार फेस तीन की दुखद घटना के बाद भाजपा और उपरज्यपाल पर तीखा ह मला बोला है। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि डीडीए की लापरवाही के चलते खुले नाले में गिरने से मां-बेटे की जान चली गई। एलजी और भाजपा के सांसद पीड़ित परिवार से मिलने नहीं गए। राजेंद्र नगर की घटना के बाद तो एलजी वहां राजनीति करने गए थे लेकिन छात्रों ने नारेबाजी कर उनको वापस भेज दिया था। आप की मांग है कि एलजी पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की घोषणा करें और नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दें। प्रियंका कक्कड़ ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में इस दुखत घटना पर भाजपा सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद से भाजपा सांसद दिखाई नहीं दे रहे हैं। क्या उनके लिए यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि डीडीए के 15 फीट नाले में गिरकर एक ढाई साल के बच्चे और उसकी मां की जान चली गई। डीडीए के अधिकारियों ने लापरवाही दिखाते हुए उस नाले को ढंका तक नहीं था। अपने छोटे बच्चे को बचाने के लिए एक मां डीडीए के उस नाले में कूद गई। आधा किलोमीटर तक बहने के बाद उन दोनों के शव मिले। दोनों का शव एक दूसरे से चिपका हुआ था। इन सबके बावजूद पुलिस मौके पर पहुंचकर मदद करने की बजाय इस बात पर लड़ रही थी कि वह इलाका किसके क्षेत्राधिकार में आता है।

डी-सिल्टिंग की शिकायत सीबीआई में कराई दर्ज : सचदेवा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा ने नालों की डी-सिल्टिंग की शिकायत सीबीआई में दर्ज कराई है। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि बारिश होने पर सड़कों पर पानी जमा होना सामान्य है, लेकिन इस साल दिल्ली में 15 से 30 मिनट की बारिश के बाद भी सड़कों पर घंटों जलभराव हो जाता है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गत गुरुवार को डी-सिल्टिंग घोटाले पर सवाल उठाए थे और बताया कि पार्टी द्वारा गठित एक आंतरिक टीम जिसमें विधानसभा के उप नेता मोहन सिंह बिष्ट और नगर निगम में विपक्ष के नेता सरदार राजा इकबाल सिंह शामिल हैं, ने स्थिति का अध्ययन किया और समझा कि 27 जून तक मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के साथ मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय यह दावा कर रहे थे कि नालों और सीवरों की 90 से 95फीसदी सफाई हो चुकी है, लेकिन 28 जून की पहली बारिश और उसके बाद की बारिश ने दिखाया कि कोई सफाई नहीं हुई है क्योंकि दिल्ली कुछ ही मिनटों में झील में तब्दील हो जाती है। कल पार्टी अध्यक्ष ने डी-सिल्टिंग घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की थी और आज पार्टी नेताओं ने शिकायत दर्ज कराई। बिष्ट और बृजेश राय ने कहा कि 10 मिनट की बारिश में दिल्ली को डूबते देखना शर्मनाक है और रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि दिल्ली सरकार के विभागों ने कोई भी नाले की गाद समर्पित लैंडफिल साइट पर नहीं भेजी है।

गोकुलपुरी रोडरेज मामले में महिला को गोली मारने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

- आरोपी मजीद चौधरी पर तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं, छह वर्ष की सजा भी काट चुका है

पुलिस मुठभेड़ मं घायल आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी में रोड रेज के दौरान महिला की हत्या के मामले दिल्ली में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी माजिद चौधरी के दोनों पैर में गोली लगी। चौधरी पर तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। वह पहले भी छह वर्ष की सजा भी काट चुका है। माजिद के कब्जे से एक 7.65 एमएम की पिस्तौल, जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं।

इसके अलावा गांधी नगर के पुराने सीलमपुर इलाके से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की के मुताबिक उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद के रहने वाले माजिद चौधरी का नाम तीन आपराधिक मामलों में दर्ज है। वर्ष 2015 में साहिबाबाद में हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और वह छह साल जेल में रहा। वह 2021 में जेल से बाहर आया। उसे 2022 में गाजियाबाद के ही शालीमार गार्डन में हत्या के प्रयास के मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया था। उसने पांच महीने जेल में बिताए। इसके बाद वह जमानत पर बाहर आया और 2022 में शालीमार गार्डन में हत्या के प्रयास के एक अन्य मामले में तीसरी बार गिरफ्तार कर लिया गया। उसके आपराधिक रिकार्ड की जांच की जा रही है। मालूम हो कि 31 जुलाई को गोकलपुरी इलाके में हुई रोड रेज की घटना में गोली लगने से सिमरनजीत कौर की मौत हुई थी। वह अपने पिता हीरा सिंह के साथ मौजपुर की ओर जा रही थी।

वारदात से पहले गोकलपुरी फ्लाईओवर के पास दोपहिया वाहन सवार एक व्यक्ति के साथ हीरा सिंह की कहासुनी हो गई थी क्योंकि उनके वाहन एक-दूसरे से टकराने वाले थे। इसके बाद, एक व्यक्ति ने फ्लाई ओवर पर एक गोली चलाई, जो सिमरनजीत के गर्दन के पास जा लगी। उसे जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सर्दियों में प्रदूषण से निपटने की तैयारी शुरू

- पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी और विकास विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार ने सर्दी के मौसम में प्रदूषण को नियंत्रित करने की तैयारी शुरू कर दी है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संबंधित विभागों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। राय ने बताया कि 21 अगस्त को पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ सेव एनवायरनमेंट राउंड टेबल कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। एक्सपर्ट्स की राय के आधार पर विंटर एक्शन प्लान बनाया जाएगा। इस वर्ष जन भागीदारी के द्वारा प्रदूषण को नियंत्रित करना सरकार का मुख्य उद्देश्य रहेगा।

गोपाल राय ने बताया कि बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव आए, जिनमें मुख्य तौर पर कुछ फोकस बिंदु चिंहित किए गए है। जिसको केंद्र बिंदु बनाकर काम किया जाएगा। जैसे धूल प्रदूषण, वाहनों से होने वाले प्रदूषण, पराली की समस्या है, जगह-जगह जलाए जाने वाला कूड़ा है। सर्दियों के मौसम में हर इलाके में जगह-जगह कूड़ा जलाया जाता हैं। इसके अलावा औद्योगिक प्रदूषण है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि दिल्ली के सभी पंजिकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में कंवर्ट कर दिया गया हो। ग्रीन वॉर रूम एवं ग्रीन दिल्ली एप बनाया गया है। इसको और अपग्रेड करने का फैसला लिया गया है, ताकि हम और बेहतर तरीके से लोगों के साथ संवाद कर पाएं और उनकी शिकायतों पर उचित समय में कार्रवाई हो सकें। राय ने कहा कि उनका अगला फोकस बिंदु हॉटस्पॉट है। यह दिल्ली के वो इलाके हैं, जहां लोगों को सबसे ज्यादा प्रदूषण का शिकार होना पड़ता है।

सिख दंगा में टाइटलर के खिलाफ 16 को तय हो सकता है आरोप

नई दिल्ली। अदालत 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पुल बंगश गुरुद्वारा के सामने तीन व्यक्तियों की कथित हत्या से संबंधित मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने के बारे में अपना आदेश 16 अगस्त को पारित कर सकती है। यह आदेश शुक्रवार को आने वाला था, लेकिन इसे टाल दिया गया, क्योंकि विशेष सीबीआई न्यायाधीश राकेश सियाल छुट्टी पर थे। न्यायाधीश ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। एक गवाह ने पहले आरोपपत्र में कहा था कि टाइटलर एक नवंबर 1984 को गुरुद्वारे के सामने एक सफेद एंबेसडर कार से बाहर निकले और भीड़ को यह कहकर उकसाया कि सिखों को मार डालो, उन्होंने हमारी मां को मार डाला है, जिसके कारण तीन लोगों की हत्या हुई। पिछले साल अगस्त में एक सत्र अदालत ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही रकम की जमानत राशि पर टाइटलर को अग्रिम जमानत दी थी।

मालीवाल मारपीट मामले में बिभव कुमार की याचिका खारिज

- हमले को लेकर हाईकोर्ट में गिरफ्तारी को चुनौती दी थी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल पर मुख्यमंत्री आवास पर कथित हमले के सिलसिले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा, याचिका खारिज की जाती है। कुमार वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। आरोप हैं कि उन्होंने 13 मई को केजरीवाल के सरकारी आवास पर मालीवाल पर हमला किया था। उन्हें 18 मई को गिरफ्तार किया गया था। कुमार ने याचिका में अपनी गिरफ्तारी को अवैध और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए (पुलिस अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का नोटिस) के प्रावधानों का घोर उल्लंघन तथा कानून के विरुद्ध घोषित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

दिल्ली पुलिस ने याचिका का विरोध किया था और कहा कि कुमार को जल्दबाजी में गिरफ्तार नहीं किया गया था, उन्हें कानून के अनुसार हिरासत में लिया गया था। कुमार के खिलाफ 16 मई को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें आपराधिक धमकी, महिला पर हमला या उसे निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक बल का प्रयोग और गैर इरादतन हत्या का प्रयास शामिल है।

कुमार की जमानत याचिका निचली अदालत और उच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं और अब यह उच्चतम न्यायालय में लंबित है।

पुलिस के जब्ती यार्ड में लगी आग

नई दिल्ली। वजीराबाद इलाके में स्थित दिल्ली पुलिस के एक जब्ती यार्ड में शुक्रवार को आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सात दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया है। मालखाने में आग लगने से आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया।

धुआं फैलने के चलते दूर-दूर तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। आग की वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है,।

संक्षिप्त समाचार

स्वाधीनता संग्राम में लोक की भूमिका पर संगोष्ठी

नई दिल्ली। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय स्वाधीनता संग्राम में लोक की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी दिल्ली परिसर के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्षा प्रो. कुमुद शर्मा, वरिष्ठ आलोचक प्रो. ओमप्रकाश सिंह, आईसीएचआर के उप निदेशक डॉ. नौशाद अली उपस्थित रहे। निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अनेक महान सेनानियों ने अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। आज उनके बलिदान और त्याग को स्मरण कर भारतीयता को जागृत करने की आवश्यकता है और इसमें लोक साहित्य बहुत अधिक माध्यम का कार्य करता है। कार्यक्रम में राजीव रंजन, प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया, बुद्धा चन्द्रशेखर, प्रो. संध्या सिंह, प्रो. संतोषा कुमार, परवीन रानी, प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, प्रो. पूनम कुमरिया ने अपने विचार रखें।

इंटरनेशनल कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित

नई दिल्ली। उत्तरी एवं उत्तरी पश्चिमी दिल्ली में उपभोक्ताओं को बिजली सप्लाई करने वाली पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने सेनेगलनेशनल इलेक्ट्रिसिटी एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए बैस्ट प्रेक्टिसेज इन स्मार्ट मीटरिंग पर एक विस्तृत ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया। प्रोग्राम का आयोजन बिजली वितरण के विभिन्न क्षेत्रों में,कंपनी की क्षमता निर्माण के विजन के अनुरूप किया गया था। गजानन एस काले, चीफ एग्जीक्युटिव ऑफिसर, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा, हमें स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी निपुणता शेयर करते हुए खुशी है। स्मार्ट मीटरिंग टेक्टनोलॉजी ने पावर सेक्टर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। यूटिलिटी को जरूरी जानकारी और कौशल प्रदान कर, हम अधिक सस्टेनेबिल तथा एफिशिएंट पावर इकोसिस्टम का निर्माण करने में योगदान करेंगे।

नगर निगम ने 25 बेसमेंट सील किए, 17 मालिकों को भेजा नोटिस

- राजेंद्र नगर हादसे के बाद सख्ती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नगर निगम ने राजधानी के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से कोचिंग सेंटर, कार्यालय या अन्य वाणिज्यिक संस्थाओं के तौर पर संचालित हो रहे 25 बेसमेंट को 28 जुलाई से 31 जुलाई के बीच सील कर दिया।

नगर निगम ने इस अवधि के दौरान 17 मकान मालिकों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। इसमें बताया गया कि मध्य दिल्ली के राजेंद्र नगर, पश्चिमी दिल्ली के पटेल नगर और रणजीत नगर इलाकों में स्थित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, ओल्ड राजेंद्र नगर में बड़ा बाजार मार्ग पर 18 बेसमेंट सील किए गए हैं। इसमें बताया गर्2399ा कि इन तीन क्षेत्रों में कुल 15 संपत्तियों पर कार्रवाई की गई, जिनमें से सात अकेले ओल्ड राजेंद्र नगर में स्थित हैं। एमसीडी ने इस अवधि के दौरान लगभग 185 संपत्तियों का निरीक्षण किया है। नगर निगम ने कहा कि कानून का उल्लंघन कर व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बेसमेंट को सील कर दिया गया है।

शिवरात्रि के अवसर पर राजधानी के मंदिरों में बम-बम भोले के जयकारों के बीच शिवलिंग पर जल चढ़ते भक्त। फोटोः रंजन डिमरी

आशा किरण में मौतों को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

- कर्मचारी को वेतन नहीं, आश्रम में फैली है अव्यवस्थाः विजेंद्र गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पत्रकारों के सवालों को जवाब देते विधायक विजेंद्र गुप्ता।

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने रोहिणी स्थित आशा किरण आश्रय गृह में लड़कियों की मौत के मामले में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की और आश्रय गृह में अनियमितता और लापरवाही का आरोप लगाया।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने रोहिणी स्थित आशा किरण आश्रय गृह में मौतों के लिए आप सरकार को जिम्मेदार ठहराया और दिल्ली की मंत्री आतिशी से घटना की जिम्मेदारी लेने की मांग की। भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता और अन्य पार्टी नेताओं ने आश्रय गृह का दौरा करने की कोशिश की और जब उनके लिए आश्रय गृह के द्वार नहीं खोले गए, तो उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। गुप्ता ने आरोप लगाया, यहां पूरी तरह अव्यवस्था है। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है और यहां रखे गए बच्चों की उचित देखभाल नहीं हो रही है। कई बच्चे कुपोषण से पीड्ति हैं। उन्होंने कहा कि 20 दिनों में एक नाबालिग समेत 13 लोगों की मौत कोई सामान्य बात नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन मामला उजागर होने के बाद अब जांच की बात कर रही है। गुप्ता ने कहा, इन मौतों के पीछे की वजह सरकार की लापरवाही है। वे घटना को दबाने की कोशिश कर रहे हैं और जवाब देने से इंकार कर रहे हैं।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि आशा किरण आश्रय गृह को वंचितों और शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों का खयाल रखना है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और चूक की वजह से मौत हो रही है। उन्होंने कहा, हमने आशा किरण के प्रबंधन से मौतों के बारे में बात करने की कोशिश की, लेकिन आश्रय गृह का द्वार तक नहीं खोला गया। इस बीच, एनसीडब्ल्यू ने आश्रय गृह का दौरा करने के लिए एक टीम तैनात की। आश्रय गृह के दौरे के बाद एनसीडब्ल्यू प्रमुख रेखा शर्मा ने पत्रकार वार्ता कर घटना के लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

यूपीएससी उम्मीदवारों के नाम पर बनेंगे पुस्तकालयः मेयर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महापौर शैली ओबेरॉय ने प्रस्ताव दिया है कि पिछले महीने एक हादसे में मारे गए सिविल सेवा अभ्यर्थियों के नाम पर 4 पुस्तकालय स्थापित किए जाएं।

राजेंद्र नगर इलाके में 27 जुलाई को एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थी डूब गए थे जबकि एक सप्ताह पहले मुखर्जी नगर में एक अन्य छात्र की करंट लगने से मौत हो गई थी। हालांकि, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि इन पुस्तकालयों का नाम क्या होगा। शैली ओबेरॉय द्वारा दिल्ली नगर निगम आयुक्त को लिखे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि इनका निर्माण दिल्ली में चार स्थानों -राजेंद्र नगर, मुखर्जी नगर, पटेल नगर और बेर सराय- में मृतक छात्रों के नाम पर एमसीडी द्वारा किया जा सकता है। ये क्षेत्र सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग हब हैं और बड़ी संख्या में छात्र इन इलाकों में छात्रावासों और पीजी आवासों में रहते हैं। बृहस्पतिवार को एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार को लिखे पत्र में महापौर ने कहा कि राजेंद्र नगर में कुछ दिन पहले हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बहुत से छात्रों ने सार्वजनिक और सरकारी पुस्तकालयों की कमी का मुद्दा उठाया है। एमसीडी पुस्तकालयों की स्थापना का प्रस्ताव रखा कि छात्रों ने पुस्तकालयों की मांग उठाई है क्योंकि बहुत से छात्र भारी सदस्यता शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते।

जलाभिषेक के दौरान आपस में भिड़े कांवड़िये

डीजे प्रतियोगिता को लेकर शुरू हुआ झगड़ा, दर्जनों गाड़ियों में की गई तोड़फोड़, सड़क पर लगाया जमा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में शुक्रवार को कांवड़ियों के दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना सेक्टर 12 की है जहां जलाभिषेक और डीजे प्रतियोगिता को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। झड़प के दौरान एक गुट ने दूसरे गुट के लोगों को तलवार से बेरहमी से घायल कर दिया, जिससे मौके पर मौजूद सभी लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग खुद को बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। लाठी-डंडों और हथौड़ों से एक दर्जन गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने भीषण मारपीट में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों ने दोनों ग्रुप के सदस्यों से बातचीत की और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

कहां और कैसे शुरू हुई लड़ाई ?: 27 जुलाई को कांवरियों के दोनों समूह गुरुग्राम के सेक्टर 12 से हरिद्वार कांवड़ लेने जा रहे थे। एक गुट ने दूसरे गुट के सामने डीजे वाली गाड़ी खड़ी कर दी और उसे उस इलाके से हटाने से मना कर दिया। इसी बीच दोनों गुटों के बीच हाथापाई हो गई और बाद में वे एक-दूसरे को धमकाते हुए हरिद्वार चले गए। लेकिन आज जब मंदिर में जलाभिषेक शुरू हुआ तो डीजे कंपटीशन और जलाभिषेक को लेकर कांवड़ियों के दो गुटों के बीच फिर से बहस शुरू हो गई।

पुलिस ने एक गुट के कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया। इस बीच हिरासत में लिए गए सदस्यों के समूह की महिलाओं ने जमकर हंगामा किया और नारेबाजी कर सड़कें जाम कर दीं। बाद में पुलिस ने सभी लोगों को समझा-बुझाकर रास्ता खुलवाया।

कांवड़ियों की भिड़ंत के बाद सड़क जाम करती महिलाएं व समझाने का प्रयास करती पुलिस।

पथराव में क्षतिग्रस्त हुई स्कॉर्पियो गाड़ी।

अतिरिक्त पर्यावरण अभियंता 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

फरीदाबाद। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने पलवल प्रदूषण विभाग में तैनात अतिरिक्त पर्यावरण अभियंता व एक ईंट भट्ठा प्रधान को साढ़े पांच लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी एक ईंट भट्टा मालिक पर भारी जुर्माने से बचाने की ऐवज में रकम मांग रहा था। भट्ठों का प्रधान इसमें अधिकारी की मदद कर रहा था। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पलवल निवासी शिवसिंह ने एसीबी को दी शिकायत में बताया उसके ईंट बनाने के भट्ठे हैं। प्रदूषण विभाग में तैनात अतिरिक्त पर्यावरण अभियंता रणदीप संधू उसपर भट्ठे पर मिट्टी के कारण प्रदूषण फैलाने का मामला बनाकर भारी जुर्माना लगाने की बात कह रहा था। इस बारे में उसने भट्ठा प्रधान योगेश से बात की तो योगेश ने बताया जुर्माना से बचने के लिए साढ़े पांच लाख रुपये रिश्वत देनी होगी। एसीबी इंस्पेक्टर श्योरण लाल की अगुआई में टीम का गठन किया गया था।

गिफ्ट कार्ड भेजने के नाम पर ठगी के 2 आरोपी दबोचे

- आरोपियों के कब्जे से एक मोबाइल फोन व एक सिम कार्ड बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

साइबर क्राइम पुलिस ने गिफ्ट कार्ड देने के नाम पर ठगी करने के दो आरोपियों को काबू किया है। पकड़े गए ठगों से एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड भी बरामद किया है।

साइबर क्राइम एसीपी प्रियांशु दीवान ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत मिली थी कि कुछ लोग गिफ्ट कार्ड भेजने के नाम पर क्यूआर कोड भेजकर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इस पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। जिसमें साइबर क्राइम टीम द्वारा तकनीकी सहायता से दो साइबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

साइबर क्राइम एसीपी प्रियांशु दीवान ने बताया कि पकड़े गए दोनों साइबर ठगों की पहचान राहुल कुमार मिश्रा निवासी कचोर जिला सीतामढ़ी (बिहार) वर्तमान निवासी खांडसा सेक्टर-37 व मनोज निवासी गांव हथौड़ा अवराही कलां जिला बलिया (उप्र) वर्तमान निवासी खांडसा सेक्टर-37 के रुप में हुई। पूछताछ में पता चला है कि वे गिफ्ट कार्ड भेजने के नाम पर क्यूआर कोड भेजकर पैसे लेकर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। ठगी के लिए प्रयोग किया गया बैंक खाता पकड़े गए आरोपी राहुल के नाम पर है, जिसका एटीएम कार्ड आरोपी मनोज के पास है। मनोज बैंक खाता से रुपए निकालकर अपने अन्य साथी आरोपियों को दे देता था।

गुरुग्राम में बनाए गए शिविरों में कांवड़ियों को फर्स्ट एड देते रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य।

रेड क्रॉस ने कांवड़ियों को दी फर्स्ट एड

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रेड क्रॉस हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव के कुशल मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त उपायुक्त एवं प्रधान हितेश कुमार के निर्देशन, सचिव विकास कुमार के कुशल नेतृत्व में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा कांवड़ियों को प्राथमिक चिकित्सा दी गई।

राजीव चौक के पास कांवड़ियों के लिए लगाए गए शिविर में रेड क्रॉस की ओर से प्राथमिक चिकित्सा सहायता की पोस्ट लगाई गई। जिसमें कावड़ियों को प्राथमिक चिकित्सा दी गई। रेड क्रॉस के सभी लेक्चर ट्रेनर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के वॉलिंटियर्स व कर्मचारी सभी ने जगह-जगह शिविरों में जाकर कांवड़ियों की फर्स्ट एड दी। लंबी दूर से चलकर आने के कारण कांवड़ियों के पांवों में छाले। पांवों में दर्द, चोट आदि के लिए दवाइयां दी गई। सचिव विकास कुमार ने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी समाज में हर क्षेत्र में अपनी पहुंच बनाकर काम कर रही है। इस बार कांवड़ियों को फर्स्ट एड देने का काम किया गया है, जो कि भविष्य में भी जारी रहेगा। हर साल इस तरह का काम करके रेड क्रॉस सेवा के काम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि हमें सेवा का काम करके खुशी होती है।

जागे तो भाजपा सांसद, पर क्या करा पाएंगे कार्रवाईः डावर

- बोले, राज बब्बर द्वारा कूड़े का मुद्दा उठाने के बाद राव इंद्रजीत ने कचरा प्लांट का दौरा तो किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कांग्रेस नेता पंकज डावर।

एक दिन पहले भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह द्वारा बंधवाड़ी स्थित कचरा प्लांट का दौरा किए जाने और गुरुग्राम में बन रहे कूड़े के पहाड़ को लेकर अपनी ही सरकार की कूड़ा निस्तारण योजना पर सवाल उठाए जाने को लेकर कांग्रेसी नेता पंकज डावर ने कहा कि सरकार में रहकर सरकार की सरकारी गलतियां बताना और आवाज उठाना यह सब राजनैतिक दांव-पेंच का हिस्सा मात्र दिखाई देता है।

पंकज डावर ने कहा कि बीते तीन माह से पूर्व सांसद राज बब्बर द्वारा गंदगी व कूड़े की समस्या को जोर-शोर से उठाया जा रहा है। अब तीन माह बाद जैसे जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं भाजपा के वरिष्ट नेता व मंत्री अपनी गलतियां सुधारने में जुट गए हैं। एक दिन पहले सांसद राव इंद्रजीत सिंह द्वारा कूड़े के पहाड़ को लेकर जिस तरह से सरकार को कटघरे में लिया और कूड़ा निस्तारण को लेकर अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया गया।

एनएचएआई अधिकारी व पुलिस ने लगाए पौधे

- जलवायु परिवर्तन के लिए एक पेड़ जीवन में अवश्य लगाएंः मो शफी

पायनियर समाचार सेवा। गुरूग्राम/फरीदाबाद

एक पेड़ मां के नाम, जिसके तहत पूरे देश मे पौधरोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह अभियान जलवायु परिवर्तन की समस्या का सबसे सटीक जवाब है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अभियान की शुरुआत की। इसे लेकर एनएचएआई के अधिकारी व पुलिसकर्मियों ने मिलकर सोहना के समीप घामडोज टोल प्लाजा पर पौधारोपण किया।

पौधरोपण करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय राजमार्ग से दिल्ली के क्षेत्रीय अधिकारी मोहमद शफी ने कहा कि आज अगर हमे जलवायु परिवर्तन लाना है तो एक पेड़ जीवन में अवश्य लगाना चाहिए साथ ही उन्होंने कहा कि पौधे के बड़े होने तक उसके बच्चे की तरह देखभाल करो, बाद में बड़ा होने पर बह आपकी माँ की तरह चिंता करेगा।

यह पौधरोपण घामडोज टॉल प्लाजा के के बराबर रिक्त पड़ी भूमि पर किया गया। इस अभियान के तहत लगभग 300 पौधे लगाए गए। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर योगेश तिलक ने बताया कि विश्व में जलवायु परिवर्तन को लेकर जो चिंताएं बढ़ी है। यह अभियान उसी का जवाब है। इस मानसून के सीजन में उन्होंने अपनी परयोजना इकाई के अंतर्गत आने वाली सभी परियोजनओं में 50000 हजार वृक्षों का लक्ष्य रखा है, जिसमे अभी तक उनके मार्गदर्शन में 20000 वृक्ष लगाये जा चुके हैं।

भोंडसी थानाध्यक्ष. नरेश यादव ने कहा कि यह अभियान बहुत ही सकारत्मक पहल है। पौधारोपण कार्य के आयोजक वैभव शर्मा ने कहा कि यदि हमे पर्यावरण को सुरक्षित रखना है तो पेड़ लगाने होंगे।

घामडोज टोल प्लाजा पर पौधरोपण करते एनएचएआई अधिकारी व पुलिसकर्मी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में समाधान शिविर में सुनवाई करते डीसी निशांत यादव।

निहाल कालोनी से अवैध कब्जे हटवाने के निर्देश

गुरुग्राम। लघु सचिवालय के सभागार में डीसी निशांत कुमार यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को इनका निवारण करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को समाधान शिविर में न्यू पालम विहार की निहाल कालोनी के निवासियों ने डीसी को बताया कि उनके घरों के समीप सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से कब्जे किए जा रहे हैं। गुरुग्राम नगर निगम को इस बारे में शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने डीसी से इन नाजायज कब्जों को हटवाने का अनुरोध किया। डीसी ने एमसीजी अधिकारियों को इस मामले में मौके का मुआयना कर सरकारी जमीन से कब्जे हटवाने के निर्देश दिए। गांव बसई निवासी अंकित ने बताया कि उनके घरों के आसपास बिजली की तारें अस्त-व्यस्त ढंग से लगी होने के कारण इनमें बार-बार शार्ट सर्किट होते रहते हैं। पिछले चार महीने से बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। डीसी ने बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को बसई गांव में बिजली की तारों को नए सिरे से लगवाने के निर्देश दिए।

कोरियन कंपनी के साथ कौशल विवि का करार

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ई व्हीकल निर्माण की तकनीक पर शोध के किर तत्पर है। इंडस्ट्री आधारित जरूरतों को शोध का हिस्सा बनाने और विद्यार्थियों को इंडस्ट्री में अनुभव करवाने के उद्देश्य से शुक्रवार को विश्वविद्यायल में एचएल मांडो सॉफ्टटेक के साथ समझौता किया है। कुलपति डॉ. राज नेहरू की उपस्थिति में कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने कंपनी के प्रबंध निदेशक डॉ. योंगसिक किम के साथ समझौता ज्ञापन का आदान- प्रदान किया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के अंतर्गत श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे अन्वेषण और नवाचार को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। एचएल मांडो सॉफ्टटेक ऑटो पार्ट्स और विशेषकर व्हीकल सेफ्टी के क्षेत्र में वैश्विक पहचान रखती है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि ऑटो इंडस्ट्री की दुनिया में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में निरंतर शोध एवं अध्ययन जारी हैं। इसी कड़ी में हमने एचएल मांडो सॉफ्टटेक कम्पनी के साथ हाथ मिलाया है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि ई-ड्राइव से लेकर कई अन्य आयामों पर तेजी से काम होगा।

ऑन्कोलॉजी रोगों पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित

फरीदाबाद। जागरूकता और जीवनशैली में बदलाव को प्रोत्साहित करने के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के चिकित्सा केंद्र द्वारा मेट्रो अस्पताल, सेक्टर-16 के सहयोग से एक ज्ञानवर्धक स्वास्थ्य सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें ऑन्कोलॉजी रोगों और जीवनशैली विकल्पों के महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में मेट्रो कैंसर संस्थान के प्रतिष्ठित ऑन्कोलॉजिस्ट और निदेशक डॉ. सुमंत गुप्ता और मेट्रो अस्पताल की वाइस प्रेजीडेंट साना तारिक ने शिरकत की। सत्र का संचालन विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर शर्मा ने कुशलतापूर्वक किया। इससे पहले, अतिथि वक्ताओं ने विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया।

5 वर्षीय बच्ची की रीढ़ की हड्डी की हुई सफल सर्जरी

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

अमृता अस्पताल में राजस्थान के कोटपुतली की पांच वर्षीय एक लड़की की जान बचाने के प्रयास में उसकी रीढ़ की हड्डी की महत्वपूर्ण सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। गंभीर जन्मजात स्कोलियोसिस से पीड़ित होने व उसकी रीढ़ की हड्डी में विकृति के कारण उसे न केवल काफी दर्द सहना पड़ रहा था, अपितु उसके हृदय और फेफड़ों के विकास को महत्वपूर्ण जोखिमों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन सर्जरी के बाद बच्ची को नया जीवन मिल गया।

राजस्थान के कपड़ा व्यापारी की बेटी जब लगभग तीन वर्ष की थी, तब शुरू में ही उसमें विकृत रीढ़ के लक्षण दिखाई दिए। जैसे-जैसे वह बड़ी होती गई यह तेजी से बढ़ने लगा। उसकी कमर के एक तरफ भी गंभीर दर्द होने लगा था क्योंकि रीढ़ की हड्डी में वक्रता के कारण उसकी पसली का पिंजरा उसकी पेल्विक हड्डी में धंसने लगा था। सामान्य काम और खेल के बाद रीढ़ की हड्डी के एक तरफ फेफड़ों के दबने के कारण उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। डिजिटल मीडिया और स्थानीय रेफरल से डॉ. तरुण सूरी के बारे में जानने के बाद, उनके माता-पिता ने अमृता अस्पताल, में सीनियर कंसल्टेंट और स्पाइन सर्जरी के प्रमुख के रूप में उनसे परामर्श किया।

डॉ. तरूण सूरी ने कहा, स्पाइन सर्जरी टीम द्वारा एक्सरे करने पर पता चला कि उसका स्कोलियोसिस वक्र लगभग 90 डिग्री था और तेजी से बढ़ रहा था। इससे रोगी की पसली का पिंजरा पेल्विक हड्डी में धंसने लगता है। गंभीर स्कोलियोसिस के कारण बाएं फेफड़े और हृदय के लिए मौजूद जगह भी काफी कम हो गई थी, जिससे यह सर्जरी बहुत महत्वपूर्ण हो गई थी। परिजनों को बताया कि अगर इलाज नहीं किया गया तो यह समस्या गंभीर बन सकती है। जिसका एकमात्र तरीका रीढ़ की सर्जरी थी।

सुरक्षित है ऐसी सर्जरी

डॉ. सूरी ने कहा, रोगी केवल पाँच साल की थी, थोरेसिक स्पाइन का एक्सटेंसिव फ्यूजन संभव नहीं था क्योंकि यह उसके थोरेसिक कैविटी के विकास में बाधा उत्पन्न करता, जो फेफड़ों के विकास के लिए महत्वपूर्ण था। इसलिए, उसे ग्रोइंग रॉड सर्जरी से गुजरना पड़ा। छह घंटे की सर्जरी में सेल सेवर उपकरण का उपयोग करके रक्त की हानि को कम किया गया, जो सर्जिकल साइट से रक्त को फिल्टर करके शरीर में वापस लौटाता है।

पांच हजार मीटर रेस में गुरुग्राम की मिलन ने बाजी मारी

- खेलो महाकुंभ के दौरान देवीलाल स्टेडियम में हुईं एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलो महाकुंभ प्रतियोगिता में दौड़ में भाग लेते खिलाड़ी।

यहां ताऊ देवीलाल स्टेडयम में चल रहे खेलो महाकुंभ प्रतियोगिता में खेल प्रेमियों को काफी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। शुक्रवार को यहां एथलेटिक्स के मुकाबले करवाए गए। खिलाड़ियों की हौंसला अफजाई के लिए बड़ी संख्या में यहां खेल प्रेमियों की भीड़ लगी हुई थी।

खेल विभाग के उपनिदेशक गिरिराज सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता के एथलेटिक्स मुकाबलों में आज लड़कियों की पांच हजार मीटर की दौड़ में गुरूग्राम की धावक मिलन विजयी रही। दूसरा स्थान फरीदाबाद की कीर्ति ने तथा तीसरा स्थान कुरूक्षेत्र की मुस्कान ने प्राप्त किया। लड़कियों की ही दस हजार मीटर की रेस में भिवानी की मंजू ने बाजी मारी व अंबाला की आराधना दूसरे एवं महेंद्रगढ़ की किरन तीसरे स्थान पर रही। गोला फेंक स्पर्धा में फरीदाबाद की मोनिका 13.20 मीटर गोला फेंक कर पहले स्थान पर रही। भिवानी की मुनेश ने 12.32 मीटर गोला फेंक कर दूसरा तथा भिवानी की ही पलक ने 10.75 मीटर गोला फेंक कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

ऊंची कूद स्पर्धा में रोहतक की किरन ने प्रथम, रोहतक की चैलेसी ने दूसरा व गुरुग्राम की निशा ने तीसरा स्थान हासिल किया। हेप्थालोन इवेंट में कुरूक्षेत्र की जोड़ी यूलेन कौर व रामसोध सिंह ने प्रथम, भिवानी के खिलाड़ी सोनिका- सतबीर ने दूसरा व रेवाड़ी की जोड़ी मुस्कान- नरेंद्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चक्का फेंक स्पर्धा में भिवानी की मुनेश ने 42.63 मीटर की दूरी पर चक्का फेंक कर पहला, भिवानी की पलक ने 35.96 मीटर दूर चक्का फेंक कर दूसरा एवं झज्जर की निधि ने 35.47 मीटर दूरी पर डिस्कस थ्रो कर तीसरा स्थान हासिल किया। लडक़ों की दस हजार मीटर रेस में सोनीपत के वंश ने प्रथम, जींद के नवजीत ने द्वितीय तथा महेंद्रगढ़ के सरजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हिसार के रितेश पूनिया ने जीता 110 मीटर रेसः 110 मीटर की बाधा दौड़ में हिसार के रितेश पूनिया ने सबसे तेज दौड़ते हुए 15.56 सैकेंड में यह दूरी पार की। दूसरे स्थान पर रहे गुरुग्राम के अभिषेक ने 15.82 सैंकेंड व सोनीपत के शिवदर्शन ने 15.98 सैंकेंड में इसे पार कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की मिक्स रिले रेस में फरीदाबाद की टीम पहले, हिसार की टीम दूसरे और कैथल की टीम तीसरे स्थान पर रही। पोल वॉल्ट में भिवानी के नितिन प्रथम, हिसार के सौरभ दलाल द्वितीय एवं भिवानी के प्रवीन तृतीय स्थान पर रहे। डेक्थालोन में पंचकुला के सचिन पहले, फतेहाबाद के मंजीत सिंह दूसरे व हिसार के अजय तीसरे स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो में भिवानी के पवन रांगी ने 50.70 मीटर दूर चक्का फेंक कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में सोनीपत के प्रतीक मान ने 50.56 मीटर दूर डिस्कस थ्रो कर दूसरा तथा भिवानी के सुमित ने 44.82 मीटर दूर चक्का फेंक कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

500 मीटर वॉक में भिवानी के संदीप ने प्रथमः 500 मीटर वॉक में भिवानी के संदीप ने प्रथम, सोनीपत के राहुल ने द्वितीय तथा महेंद्रगढ़ के प्रदीप कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शॉट पुट में रोहतक के सुमित ने पहला, सोनीपत के राहुल ने दूसरा व महेंद्रगढ़ के प्रदीप ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक स्पर्धा में झज्जर का मोहित पहले, मनीष दूसरे तथा सोनीपत का सनी तीसरे स्थान पर रहा। लड़कों की ऊंची कूद प्रतियोगिता में रोहतक के हर्ष को पहला, यमुनानगर के यश को दूसरा और हिसार के दिग्विजय को तीसरा स्थान मिला। लडक़ों की 500 मीटर रिले रेस में गुरूग्राम की टीम अव्वल स्थान पर रही।

पिज्जा बनाने वाली आंटी अनीता को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

- शादी के मात्र 5 दिन में ही दहेज के लिए परेशान होने पर छोड़ दी थी ससुराल

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

राष्ट्रपति भवन से मिला निमंत्रण पत्र दिखातीं अनीता सिंह।

जीवन की कठिनाइयों के बीच खुद को निखारकर समाज में एक बेहतर मुकाम पर पहुंची अनीता सिंह ने ना केवल खुद के लिए न्याय की लड़ाई की, बल्कि समाज में गरीब, जरूरतमंद महिलाओं के लिए वे हर समय खड़ी नजर आती हैं। अपने जज्बे से महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अनीता सिंह प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं। अब वे देश की राष्ट्रपति से सम्मानित होने जा रही हैं। आगामी 14 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए देश की राष्ट्रपति व भारत सरकार का आभार जताया है जो उन्हें सम्मान के लायक समझा।

अपने जीवन के झरोखे में झांकते हुए अनीता सिंह बताती हैं कि वे वर्तमान में सेक्टर-14 में पिज्जा की एक दुकान चलाती हैं। साल 2014 से वे यह काम कर रही हैं। इससे पहले वे अपना बुटिक चलाती थी। किसी कारणवश उनका वह काम बंद हो गया था। नूंह जिला के उजीना की रहने वाली अनीता सिंह बताती हैं कि उनकी शादी वर्ष 1996 में हुई थी। मगर शादी चल नहीं पाई। वर्ष 2010 में वे पति से अलग हो गईं। सिंगल लेडी होने के नाते उन्होंने अपने जीवन को चलाने के लिए ऐसा काम करने का मन बनाया, जो समाज में उन्हें पहचान दे। वे नगर निगम गुरुग्राम पंजीकृत पिज्जा वेंडर हैं।

मुस्लिम दंपत्ति की बेटी ले रखी है गोदः वर्ष 1984 में लखनऊ यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट अनीता सिंह समाज के लिए एक नहीं, बल्कि कई तरह से उदाहरण हैं। उनकी कोई संतान नहीं थी। इसलिए उन्होंने बच्चा गोद लेने की सोची। उनके पिता ने भी उनका साथ दिया। उनके बूटिक पर मुस्लिम लड़का, लड़की काम करते थे, जिनकी उन्होंने शादी करवाई। उनकी शादी के बाद अनीता सिंह ने कहा कि अगर उन्हें बेटी होती है तो वे गोद ले लेंगी। ऐसा ही हुआ। वर्ष 2004 में उन्हें बेटी हुई और उन्होंने गोद ले ली। बेटी का धर्म नहीं बदला, बल्कि उन्हें माता-पिता का असली नाम ही दिया। बेटी की परवरिश खुद की है। बेटी को अच्छी शिक्षा दी। आज उनकी गोद ली हुई बेटी 22 साल की हो चुकी है और इगनू से बीबीए कर रही है।

महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ती हैंः अनीता सिंह बताती हैं कि वे सच के लिए हमेशा खड़ी रहती हैं। सच के लिए लड़ती हैं। महिलाओं के अधिकारों के लिए कहीं भी जाने को तैयार रहती हैं। आज भले ही उनकी उम्र 62 साल की हो, लेकिन हिम्मत बहुत है। स्ट्रीट वेंडर्स के हकों के लिए लड़ती रहती हैं। दिनभर अपने घर से काम करती हैं। शाम को 4 बजे से रात 11 बजे तक सेक्टर-14 मार्केट में पिज्जा बनाती हैं। उन्होंने जीवन में किसी का सहारा नहीं मांगा।

खोखरा जोहड़ मंदिर में धूमधाम के साथ मनाया जायेगा महाशिवरात्रि पर्व

गुरुग्राम। सेक्टर-43 वजीराबाद के खोखरा जोहड़ पांच मंजिला मंदिर में धूमधाम से महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी मंयक शर्मा परिवार द्वारा पूजा अचर्ना करवाई गई। विद्वान ब्राह्मणों ने विधिवत रूप से भगवान भोलेनाथ का सवा सवा लाख मत्रों का जाप किया जा रहा है।

लगातार 8 दिन सवा सवा लाख मंत्रोच्चारण कर रहे। मयंक शर्मा ने बताया कि 22 जुलाई से लेकर 2 अगस्त तक लगातार हवन यज्ञ किए जाएंगे। दो अगस्त को विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उसी दिन जला अभिषेक किया जाएगा। महाशिवरात्रि को रात्रि के समय मंदिर परिसर में बहुत से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा हा है।

सीएम ने की नामदेव समाज के लिए कई घोषणाएं

संत कबीर कुटीर पर जयंती समारोह आयोजित, नामदेव के नाम पर होगा एक सरकारी संस्थान का नामकरण

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि नामदेव जी की जयंती के अवसर पर ऐलान किया है कि प्रदेश में किसी एक सरकारी संस्थान का नाम नामदेव महाराज के नाम पर रखने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को संत कबीर कुटीर पर आयोजित संत नामदेव जयंती के मौके पर पूरे प्रदेश से आए नामदेव समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी ने अपना पूरा जीवन समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में लगा दिया। उनका सम्पूर्ण जीवन मानव जाति के कल्याण को समर्पित रहा।

इस मौके पर नामदेव समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। वह इस पगड़ी के सम्मान को कभी कम नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे प्रदेश के हर समाज और हर वर्ग के लिए 24 घंटे खुले हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर संत नामदेव समाज के लोगों द्वारा रखी गई एक दर्जन से अधिक माँगों को भी जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में नौकरियों में पिछड़े वर्गों के आरक्षण में क्रीमीलेयर की वार्षिक आय सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये वार्षिक कर दी गई है। इसके अलावा, नौकरियों में पिछड़ा वर्ग-ए और बी के बैकलॉग को प्राथमिकता के आधार पर भरने के निर्देश दे दिए गए हैं।

इस मौके पर हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कर्णदेव कंबोज, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, उत्तर प्रदेश पिछड़ा आयोग के सदस्य राधेश्याम और कार्यक्रम के आयोजक सतबीर वर्मा मौजूद रहे।

चंडीगढ़ में अपने आवास पर एक कार्यक्रम में नामदेव समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

जल्द होंगे सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वोटर लिस्ट में अधिक से अधिक नाम दर्ज करवाए। प्रदेश सरकार द्वारा पहले नाम दर्ज करवाने के लिए ली जाने वाली 100 रुपये की फीस को अब खत्म कर दिया है। वोट बनवाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर कोई कानूनी अड़चन नहीं आई तो हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव शीघ्र ही करवाए जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने असंध को जिला बनाने का भी आश्वासन देते हुए कहा कि इसके लिए मंत्रिमण्डल की एक सब-कमेटी गठित की गई है। नियम पूरे होंगे तो असंध को जिला बनाया जाएगा।

सीएमओ पहुंची नर्सिंग ऑफिसर की मांगें

- सीपीएस के साथ हुई बैठक, सरकार जल्द जारी करेगी ड्राफ्ट पॉलिसी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा की नर्सिंग ऑफिसर्स की मांगों का मामला अब सीएमओ में पहुंच गया है। नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल की एक बैठक शुक्रवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री हरियाणा के चीफ प्रिंसिपल सेक्रेट्री राजेश खुल्लर के साथ हुई बैठक में एसोसिएशन को उन्होंने विश्वास दिलाया कि जल्द ही उनकी मांगें पूरी होंगीं।

ऑल नर्सिंग आफिसर वेलफेयर एसोसिएशन की संरक्षक निर्मल ढांडा, स्टेट प्रेसिडेंट सुनीता, महासचिव संतोष अहलावत, वाइस प्रेसिडेंट कमलेश सिवाच एवं एसोसिएशन के सदस्यों की टीम की सीएम के चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजेश खुल्लर से मिलने पहुंचीं। उन्होंने सीपीएस को जानकारी दी कि नर्सिंग ऑफिसर्स की केवल दो मुख्य मांगें हैं। पहली मांग केंद्र सरकार के अधीन नर्सिंग ऑफिसर्स के समय नर्सिंग अलाउंस 7200 रुपये दिया जाए। दूसरी मांग है कि उन्हें ग्रुप-सी से ग्रुप-बी में शामिल किया जाए। इन्हीं दो मांगों को लेकर नर्सिंग ऑफिसर्स वर्षों से सरकारों से आग्रह करती आ रही है। दूसरे विभागों के कर्मचारियों की मांगों को भी वर्तमान सरकार ने पूरा किया है। उनका आग्रह है कि नर्सिंग ऑफिसर्स की मांगों को भी चुनाव से पहले पूरा किया जाए। बैठक में चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजेश खुल्लर ने सभी बातों को सम्मानपूर्वक सुना। साथ ही ऑल नर्सिंग आफिसर वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को जल्द ही पूरा किया जाएगा। उनके आश्वासन के बाद ऑल नर्सिंग आफिसर वेलफेयर एसोसिएशन को यह उम्मीद बंधी है।

मुख्यमंत्री के चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी से मुलाकात करतीं नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा की पदाधिकारी व सदस्या।

पंचकूला की मतदाता सूचियों में मृतक भी वोटर

- विस स्पीकर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सामने उठाया मुद्दा
- कहीं मतदाताओं से छह किलोमीटर दूर हुआ बूथ तो कहीं पड़ोसी राज्यों के निवासी बने मतदाता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंचकूला की मतदाता सूचियों में खामियों के मुद्दे को लेकर विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता शुक्रवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल के पास पहुंच गए। विस अध्यक्ष ने 27 जुलाई को देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे गए पत्र की प्रति और मतदाता सूचियों की त्रुटियां दर्शाने वाले सर्वे दस्तावेज सुपुर्द किए। इस दौरान उन्होंने इन त्रुटियों को लेकर विस्तार से बात भी की।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में मृतकों और निर्वाचन क्षेत्र छोड ?र जा चुके व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। कुछ मतदाताओं के वोट एक से अधिक स्थानों पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश जारी कर मतदाता सूचियों को अपडेट करवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सूचियों में जिस प्रकार की गड़बड़ियां है, उससे लगता है कि ये किसी षड्यंत्र का भी हिस्सा हो सकती है।

गुप्ता ने कहा कि चंडीमंदिर छावनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए करीब 6 किलोमीटर दूर सेक्टर 6 स्थित स्कूल में मतदान केंद्र स्थापित किया गया। इस दूरी के कारण लोकसभा चुनाव में यहां मात्र 11 फीसदी मतदान हुआ था। इस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि चंडी मंदिर छावनी में अलग से मतदान केंद्र स्थापित कर दिया गया है।

विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित बूथ नंबर 48 में कुल 1376 मतदाताओं में से 38 मृत पाए गए और 257 मतदाता पड़ोसी राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। सर्वे में पाया गया है कि जो मतदाता पड़ोसी राज्यों में स्थानांतरित हो गए थे, उन्होंने पंचकूला में भी वोट डाला है। उन्होंने आशंका जताई कि हरियाणा विधानसभा के आगामी चुनावों में दूसरे राज्यों के मतदाता परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

विस अध्यक्ष ने कहा कि पंचकूला के सीमावर्ती इलाकों में स्थित लेबर कॉलोनियों में डबल वोट हैं। इसलिए मतदाता सूचियों को अपडेट करने की जरूरत है। इसके लिए संबंधित बीएलओ को सख्त निर्देश जारी करने होंगे।

एक कार्यकारी अभियंता होगा सस्पेंड, दूसरे को नोटिस

- परिवहन मंत्री ने लिया एक्शन, बिजली विभाग के अधिकारियों पर की जाएगी कार्रवाई

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के परिवहन, महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल ने हाउस में शिकायतकर्ताओं के साथ ठीक व्यवहार ना करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग के कार्यकारी अभियंता को सस्पेंड करने के आदेश दिए है। इसके साथ ही जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में बिना अनुमति गैर हाजिर रहने पर बिजली विभाग के ही एक दूसरे कार्यकारी अभियंता तथा आबकारी विभाग के डीईटीसी को शो कॉज नोटिस जारी करने के आदेश दिए है।

हरियाणा के परिवहन मंत्री असीम गोयल शुक्रवार को न्यू लघु सचिवालय के सभागार में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस कष्ट निवारण समिति की बैठक में सबसे पहले उपायुक्त सुशील सारवान ने परिवहन मंत्री असीम गोयल, राज्य मंत्री सुभाष सुधा का स्वागत किया और एजेंडे की शिकायतों पर प्रकाश डाला। इस बैठक में परिवहन मंत्री असीम गोयल ने 14 में से 9 शिकायतों का मौके पर समाधान किया और लंबित 5 शिकायतों पर अधिकारियों को कार्रवाई करने के उपरांत आगामी बैठक से पहले रिपोर्ट भेजन के आदेश दिए। इस एजेंडे के अलावा परिवहन मंत्री ने 28 शिकायतों पर सुनवाई की और इनमें से भी अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया।

परिवहन मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिए कि सभी अधिकारी एजेंडे की शिकायतों पर पूरी तैयारी करके पहुंचना सुनिश्चित करें, अगर आगामी बैठक में किसी अधिकारी ने जवाब नहीं दिया तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सभी मंत्री और विधायकगण फील्ड में जाकर आमजन की शिकायतों का समाधान कर रहे है। इस सरकार ने आमजन की सेवा करने के संकल्प के साथ कार्य किया है।

इस मौके पर हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त सुशील सारवान, एसपी जेएस रंधावा, एडीसी डा. वैशाली शर्मा, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुशील राणा, जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, डीएसपी मुख्यालय सुभाष चंद, डीएसपी ओमप्रकाश आदि अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूलों में सात अगस्त को होगा तीज का अवकाश

चंडीगढ़। हरियाणा के स्कूलों में अब तीज के उपलक्ष्य में होने वाला सरकारी अवकाश छह की बजाए सात अगस्त होगा। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार पहले तीज के अवसर पर छह अगस्त को सरकारी अवकाश की घोषणा की गई थी। शुक्रवार को जारी बदले हुए कार्यक्रम के अनुसार अब सात अगस्त को स्कूलों में अवकाश होगा। निदेशालय की और इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

तीज महोत्सव कार्यक्रम में 45 व 75 वर्ष आयु वर्ग के लोग मचाएंगे खूब धमाल

कुरुक्षेत्र। भारतीय संस्कृति के अनुरूप त्यौहारों के साथ कलाकारों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाली कुरुक्षेत्र की प्रमुख संस्था कला सृष्टि मंच द्वारा हर वर्ष की भांति तीज उत्सव भी बड़ी ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस तीज उत्सव कार्यक्रम के लिए निर्देशन एवं आयोजन में प्रमुख अंतर्राष्टीय कलाकार बृज शर्मा का विशेष योगदान है। उल्लेखनीय है कि गत 7 वर्षो से कला सृष्टि मंच भारतीय परंपराओं, त्यौहारों और हरियाणवी संस्कृति को कला के माध्यम से उजागर करता आया है।

PUBLIC NOTICE

I, Harneet Kaur Sabharwal w/o Guneet Singh Sabharwal R/o 2281 IInd floor Hudson lane, Kingsway Camp, GTB Nagar Delhi-110009, have changed the name of my daughter Maira D/o Guneet Singh Sabharwal to Maira Kaur Sabharwal and in future she will be known and called as Maira Kaur Sabharwal for all intents and purposes.

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Kamlesh and Mrs. Sweety has acquired Property Bearing No 639/2, area measuring 100 sq. yds., out of Khasra No 639/2 Situated in Lal Dora Abadi of Village Mundka Delhi vide Sale Deed dated 26.05.2012 executed by Mr. Sunil Kumar and Mr. Sanjay Chawla and Mrs. Sanjana Devi. Now Mrs. Kamlesh and Mrs. Sweety are the undisputed owners of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल श्रीमती चंपा देवी पत्नी स्व. सूरज लाल पूरी पहली मंजिल के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 33.45 वर्ग मीटर है। भूमि के आनुपातिक हिस्से के साथ 11.15 वर्ग मीटर। एवं प्लिंथ क्षेत्रफल 33.45 वर्ग. मीटर, जिसमें छत के अधिकार के बिना एक फ्लैट शामिल है, संपत्ति जिसका नाम नगरपालिका संख्या-2558 है। वार्ड नं. XII, पंजाबी बस्ती, सब्जी मंडी दिल्ली-110007 में स्थित है। पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 12.10.2007 के माध्यम से श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री रमेश चन्द्र राठौड़ द्वारा श्रीमती चंपा देवी पत्नी स्व. सूरज लाल के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत संख्या 5756 के तहत SR-I दिल्ली में। उपरोक्त संपत्ति फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी/ **एडवोकेट विशाल मेहन**, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। **एडवोकेट विशाल मेहन,** ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092, मोबाइल - 9811215181

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Shiva S/o Shri Ratanpal R/o H. No. 53, Kahiya Mohalla, Tower wala Ghar, Fatehpur Beri, South Delhi-110074, have changed my name to Shiva Tanwar for all purposes.

PD(640)C

LOST & FOUND

Preeti Chandra W/o Madhav Chandra R/o E-12 , IFS, (CGHS ltd), Mayur Vihar, New Delhi have lost my property document original conveyance deed unregistered issued by DDA in 2012 and its File No: F9(5845)2012/GH/DDA of E-12, IFS,(CGHS), Mayur Vihar, Ph-1, New Delhi. **expertvision company@gmail.com** Finder contact:- 9560765314

PD(641)A

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल (1) श्री सुजन कुमार घोष पुत्र श्री मथुरेश घोष और (2) श्रीमती सुदीप्त घोष पत्नी श्री सुजन कुमार घोष एक निर्मित संपत्ति के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है। यानी 41.80 वर्ग मीटर. असर संपत्ति संख्या जे-295-डी, खसरा नंबर 768, से बाहर ग्राम घोंडा गुजरान खादर में स्थित, गली नंबर 11, जगजीत नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली- 110053 की आबादी में श्रीमती सुपर्णा दास पत्नी श्री लखी कांत दास द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 21.03.2024 के माध्यम से पंजीकृत संख्या 2024/12/I/949, SR-IV Delhi के माध्यम से उपरोक्त संपत्ति फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी/**एडवोकेट विशाल मेहन**, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। **एडवोकेट विशाल मेहन,** ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092, मोबाइल - 9811215181

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री अदीब एन. शाह पुत्र स्व. नईमुद्दीन एक निर्मित दूसरी मंजिल संपत्ति संख्या ए-196/ए, माप 60 वर्ग गज यानी 50.16 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का मालिक है, जो खसरा नंबर 265 और पुराना खसरा नं. 399/265, ग्राम चिल्ला सरौंदा बांगर की आबादी में ब्लॉक-ए, गली नंबर 25, न्यू अशोक नगर इलाका शाहदरा दिल्ली-110096 पर स्थित है। श्रीमती संगीता पत्नी श्री बी.एस. कुँवर द्वारा निष्पादित पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.05.2024 के माध्यम से श्री अदीब एन. शाह पुत्र स्व. नईमुद्दीन के पक्ष में पंजीकृत संख्या 2024/4/I/4439 के माध्यम से SR-VIII DELHI में। उपरोक्त संपत्ति फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी/**एडवोकेट विशाल मेहन**, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा।

एडवोकेट विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092, मोबाइल - 9811215181

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल एक्सिस बैंक लिमिटेड, जिसकी शाखा प्रथम तल, हिमालय हाउस, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001 पर है। जो 250 वर्ग गज भूमि क्षेत्रफल वाले प्लॉट नंबर 26 पर श्री हिमांशु भाटिया को ऋण सुविधा देने का इच्छुक है। यानी 209.025 वर्ग. मीटरर्स, चक संख्या 626 पुराना खसरा संख्या 16 और 30 से संबंधित ग्राम जगनपुर अफजलपुर, परगना दनकौर, तहसील और जिला गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) के क्षेत्र में स्थित। (इसके बाद इसे "उक्त संपत्ति" कहा जाएगा)। इसके अलावा, श्री ओम प्रकाश दिनांक 19.02.2007 के बिक्री विलेख के आधार पर उक्त संपत्ति के दर्ज मालिक थे, और श्री ओम प्रकाश के निधन के बाद उक्त संपत्ति श्री संजीव कुमार गुप्ता के पक्ष में परिवर्तित/स्थानांतरित कर दी गई थी। श्री संजीव कुमार गुप्ता पुत्र स्व. स्वर्गीय ओम प्रकाश गुप्ता ने शेयर प्रमाणपत्र संख्या 122 और स्थानांतरण/म्यूटेशन पत्र दोनों दिनांक 20.02.2024 के माध्यम से सोसायटी के रिकॉर्ड में दर्ज किया। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार, स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें, अन्यथा जिसके लिए मेरा मुवक्किल यानी एक्सिस बैंक लिमिटेड किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा।

हिमांशु आहूजा (अधिवक्ता)
संपर्क नंबर: 9810310373, 011-41830049
ई-मेल पता: alolegals@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लि. (दीवान हाउसिंग फाइनेंस लि. द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को सौंपे गए अंतर्निहित पूल पर) द्वारा डीएचएफएल और निम्नलिखित उधारकर्ता(यों) के बीच हुए ऋण समझौते के अनुसरण में दी गई आवास ऋण सुविधा से संबंधित प्रतिभूति के प्रवर्तन के संबंध में नोटिस जारी किया जा रहा है, जिन्होंने सुरक्षित ऋणदाता से प्राप्त ऋण सुविधा(यों) के लिए मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है। ऋणों को गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पतों पर नोटिस जारी किया गया था, हालांकि, यह बिना तामिल के वापस आ गया है और इसलिए, उन्हें इस सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से अधिसूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता / सह-उधारकर्ता / गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों / संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि / नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	पंकज कुमार भदानी/किरणचंद चंपालाल/ त्रिलोक चंद भदानी, 970/43, 11वीं मेन, 2वां क्रॉस राघवेंद्र ब्लॉक, बैंगलोर श्रीनगर- 560002 एवं ऋण सं. 06100002686 / खाता सं. QZBKR00005021867	सम्पत्ति जोकि ब्राह्मणों का मोहल्ला, गोलछो का बास, गाँव-भिनसार, बीकानेर, राजस्थान- 334001 में स्थित	03/07/2024 रु. 20,40,673/-	09/04/ 2024

नोटिस की प्रतिस्थापन सेवा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ता(ओं) औरध्या ऋण के गारंटर(ओं) (जैसा लागू हो) को सलाह दी जाती है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया राशि का भुगतान करें अन्यथा, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अगस्त 03, 2024
स्थानः दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी
टीम आई सी आई सी आई बैंक

Yaari Digital Integrated Services Limited
(CIN: L51101HR2007PLC077999)

Extract of Consolidated Unaudited Financial Results for the quarter ended 30 June 2024

(Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-24	Quarter ended 31-Mar-24	Quarter ended 30-Jun-23	Year ended 31-Mar-24
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income from Operations	0.50	0.28	0.24	3.15
Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate, Exceptional and/or Extraordinary items)	(5.28)	(6.70)	(5.50)	(21.61)
Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate (after Exceptional and/or Extraordinary items))	(5.28)	(6.70)	(5.50)	(21.61)
Net Profit / (Loss) for the period after Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(5.28)	(6.70)	(5.50)	(21.61)
Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	4.34	(7.34)	(0.19)	(12.31)
Equity Share Capital	19.74	19.74	19.74	19.74
Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the audited Balance Sheet				(253.50)
Earnings per Share (EPS) before extraordinary items				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.53)	(0.67)	(0.55)	(2.15)
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.53)	(0.67)	(0.55)	(2.15)
Earnings per Share (EPS) after extraordinary items				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.53)	(0.67)	(0.55)	(2.15)
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.53)	(0.67)	(0.55)	(2.15)

Notes:

1) The above results have been reviewed by the Audit Committee and subsequently approved at the meeting of the Board of Directors held on 02 August 2024.

2) **Key Standalone Financial Information:** (Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-24	Quarter ended 31-Mar-24	Quarter ended 30-Jun-23	Year ended 31-Mar-24
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income	0.59	0.37	0.18	3.57
Profit/(Loss) before Tax	(11.22)	(14.36)	(10.32)	(43.37)
Net Profit/(Loss) after Tax	(11.22)	(14.36)	(10.32)	(43.37)

3) Figures for the quarter ended 31 March 2024 represent the balancing figures between the audited figures for the full financial year and published reviewed year to date figures upto third quarter of the respective financial year.

4) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Company's website (https://www.yaari.com) and on the website of BSE (https://www.bseindia.com) and NSE (https://www.nseindia.com).

Registered Office: 5th Floor, Plot No. 108, IT Park, Udyog Vihar, Phase-1 Gurugram, Haryana 122016

For and on behalf of the Board of Directors

Place : Gurugram
Date : 02 August 2024

Kubeir Khera
Executive Director & CEO

Indiabulls Enterprises Limited
(CIN: U71290HR2019PLC077579)

Extract of Consolidated Unaudited Financial Results for the quarter ended 30 June 2024

(Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-24	Quarter ended 31-Mar-24	Quarter ended 30-Jun-23	Year ended 31-Mar-24
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income from Operations	15.55	14.67	16.30	58.76
Net (Loss)/Profit for the period (before Tax, minority interest and Share of Profit / (Loss) of associates, Exceptional and/or Extraordinary items)	(2.97)	(18.81)	(0.00)	(25.20)
Net (Loss)/Profit for the period (before Tax, minority interest and Share of Profit / (Loss) of associates (after Exceptional and/or Extraordinary items))	(2.97)	(18.81)	(0.00)	(25.20)
Net (Loss)/Profit for the period (after Tax, minority interest and Share of Profit / (Loss) of associates (after Exceptional and/or Extraordinary items))	(3.37)	(18.84)	(0.76)	(27.15)
Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(3.39)	(18.92)	(1.12)	(25.33)
Equity Share Capital	39.67	39.67	39.67	39.67
Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the audited Balance Sheet				206.07
Earnings per Share (EPS) of Rs.2 each from continuing operations				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.17)	(0.95)	(0.04)	(1.37)
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.17)	(0.95)	(0.04)	(1.37)
Earnings per Share (EPS) of Rs.2 each from discontinued operations				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.00)	0.02	(0.02)	0.10
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.00)	0.02	(0.02)	0.10

Notes:

1. The above results have been reviewed by the Audit Committee and subsequently approved at the meeting of the Board of Directors held on 02 August 2024.

2. **Key Standalone Financial Information:** (Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-24	Quarter ended 31-Mar-24	Quarter ended 30-Jun-23	Year ended 31-Mar-24
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income	13.50	12.43	12.09	48.43
Profit/(Loss) before Tax	(5.17)	(17.88)	(4.50)	(33.00)
Net Profit/(Loss) after Tax	(5.17)	(17.31)	(4.50)	(32.43)

3. Figures for the quarter ended 31 March 2024 represents the balancing figures between the audited figures for the full financial year ended 31 March 2024 and published reviewed year to date figures upto 31 December 2023.

4. The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Company's website (https://www.indiabullsenterprises.com) and on the website of BSE (https://www.bseindia.com) and NSE (https://www.nseindia.com).

Registered Office: 5th Floor, Plot No. 108, IT Park, Udyog Vihar, Phase-1 Gurugram, Haryana 122016

For and on behalf of Board of Directors

Place : Gurugram
Date : 02 August 2024

Vijay Kumar Agarwal
Executive Director

प्रपत्र-3
[विनियम -15(1)(क)]/16(2) देखें
ऋण वसूली न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ (डीआरटी-2)
प्रथम तल, एससीओ 33-34-35, सेक्टर-17ए, चंडीगढ़, (तृतीय और चतुर्थ तल पर भी अतिरिक्त स्थान आवंटित)
वाद सं. ओए/204/2024
Exh. No. 22513

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के साथ पठित ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमावली, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2क) के तहत सम्मन

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
कल्पना जैन

सेवा में,
(1) कल्पना जैन पुत्री/पत्नी/पुत्र विवेक जैन कल्पना जैन पत्नी श्री विवेक जैन, निवासी फ्लैट नं. 701, 7वीं मंजिल, टावर पी, सुपरटेक ह्यूज, गांव बादशाहपुर, सेक्टर 68, गुरुग्राम, हरियाणा- 122001
दूसरा पता:- मकान नंबर 10, रोजवुड सिटी, सेक्टर 49-50, गुरुग्राम हरियाणा- 122001
तीसरा पताः सी/ओ प्लेनेट नीड्स, दुकान नंबर 6, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिसपाल विहार, सेक्टर 49, गुरुग्राम, हरियाणा- 122001, गुड़गांव, हरियाणा
और: मकान नं. 10, रोजवुड सिटी, सेक्टर 49 50, गुरुग्राम, हरियाणा गुड़गांव, हरियाणा -122001
और:
प्लेनेट नीड्स, दुकान नं. 6, शॅपिंग कॉम्प्लेक्स, सिसपाल विहार, सेक्टर 49, गुरुग्राम, हरियाणा, गुड़गांव, हरियाणा- 122 001
(2) उत्कर्ष जैन, मकान नं. 10, रोजवुड सिटी, सेक्टर 49 50, गुरुग्राम, हरियाणा गुड़गांव, हरियाणा- 122001
(3) विवेक जैन, डी 10, तीसरी मंजिल, रोजवुड सिटी, सेक्टर 49, 50, साउथ सिटी ।।, गुरुग्राम, हरियाणा गुड़गांव, हरियाणा - 122001

सम्मन

जबकि, ओए/204/2024 माननीय पीठासीन अधिकारी/रजिस्ट्रार के समक्ष **20.04.2024** को प्रस्तुत किया गया था।

जबकि, यह माननीय न्यायाधिकरण रू. **58,29,635.50** के ऋण की वसूली के लिए आपके विरुद्ध दाखिल किए गए (ओ.ए.) के संबंध में, अधिनियम की धारा 19(4) के तहत, उक्त आवेदन पर सम्मन/नोटिस जारी करने का अनुग्रह कर रहा है। (दस्तावेजों आदि की प्रतियों के साथ आवेदन संलग्न)

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के अनुसार आप प्रतिवादियों को निम्न निर्देश दिया जाता है:-

(i) सम्मन की तामील के तीस दिन के भीतर कारण बताएं कि प्रार्थित राहत क्यों मंजूर नहीं की जाए;

(ii) मूल आवेदन के क्रमांक 3A के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के अतिरिक्त सम्पत्तियों अथवा आस्तियों का विवरण, प्रस्तुत करें;

(iii) आप को, सम्पत्ति की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई तथा आवेदन के निस्तारण के दौरान, प्रत्याभूत आस्तियों अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3A के तहत विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के संबंध में संव्यवहार अथवा निपटान करने की मनाही की जाती है;

(iv) आप किसी भी आस्ति जिस पर कोई प्रतिभूति हित सृजित किया गया है तथा/अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3A के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट अथवा खुलासा की गई सम्पत्तियों तथा आस्तियों का अंतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से, आपके व्यवसाय के साधारण कोर्स को छोड़कर, न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, नहीं करेंगे;

(v) आप व्यवसाय के साधारण कोर्स में प्रत्याभूत आस्तियों अथवा अन्य आस्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का हिसाब रखने तथा ऐसी बिक्री प्राप्तियां इन आस्तियों पर प्रतिभूति हित धारक बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं में अनुरक्षित खाते में जमा करने हेतु जिम्मेदार होंगे।

आपको लिखित बयान दाखिल करने, उसकी प्रति आवेदक को मुहैया कराने तथा दिनांक **24/07/2024 को पूर्वा. 10.30 बजे** रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हाने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर लगाकर **22.04.2024** को दिया गया।

सम्मन जारी करने हेतु
अधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

वायनाड त्रासदी

पर्यावरणीय चेतावनी

वायनाड त्रासदी पर्यावरणीय चेतावनी अनदेखा करने के खतरनाक नतीजे प्रदर्शित करती है। लेकिन भारत में दुर्भाग्य से त्योहारों से लेकर त्रासदी तक हर चीज के 'राजनीतीकरण' की बुरी आदत विकसित हुई है और इसका प्रयोग विरोधियों के खिलाफ अवसर के रूप में किया जाता है। केरल के वायनाड में त्रासद भूस्खलन से 170 से अधिक लोगों की जानें गई हैं, लेकिन इसका भी राजनीतिक प्रयोग हो रहा है। इसने राज्य और केन्द्र सरकार के नेताओं के बीच गर्मागर्म बहस को जन्म दिया है। इस त्रासदी में जीवन और संपत्ति का भारी विनाश हुआ है और इसने आपदा के लिए तैयारी तथा पर्यावरणीय अनदेखी जैसे मुद्दों को सामने ला दिया है। भूस्खलन के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य सरकार को जल्दी चेतावनी मिल गई थी, पर वह आवश्यक बचाव के उपाय करने में विफल रही। उन्होंने लापरवाही के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए संकेत किया कि यदि समय पर कार्रवाई की गई होती तो अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता था। इस पर केरल के मुख्यमंत्री पिनारई विजयन ने फौरन शाह के दावों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी उपलब्ध चेतावनियों पर कार्रवाई की और उसने संभावित प्राकृतिक आपदा का प्रभाव कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए थे। विजयन ने जोर दिया कि भूस्खलन की अभूतपूर्व विकरालता शीघ्र चेतावनियों के अनुमान से बहुत अधिक थी और राज्य के आपदा प्रबंधन बलों ने अथक रूप से स्थिति से निपटने के प्रयास किए। इस टकराव से कुछ हासिल नहीं हुआ। इससे न घायल लोगों को राहत मिली और न भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किसी कार्ययोजना पर विचार हुआ। लेकिन इस प्रकार की बयानबाजी से केन्द्र और राज्य सरकारों ने स्वयं को 'क्लीन चिट' देने का प्रयास जरूर किया।

यह त्रासदी आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को उजागर करते हुए राज्य और केन्द्र सरकारों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता रेखांकित करती है। वायनाड त्रासदी ने पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति की अनदेखी पर व्यापक विमर्श की आवश्यकता भी उजागर की है। केरल सरकार इस बात की दोषी है कि उसने 'पश्चिमी घाटों' पर बेलगाम विकास की अनुमति दी है, जबकि यह देश का एक सर्वाधिक संवेदनशील परिस्थितिकी तंत्र है। बार-बार आने वाली विभीषिकाओं के बावजूद केरल सरकार 'विकास' के नाम पर गैर-टिकाऊ गतिविधियां जारी रखे है। इसके कारण भूमि प्रयोग बदलने से घना वृक्षाच्छादन नष्ट हुआ है। इसने सदाबहार जलधाराओं व नदियों को मौसमी बना दिया है तथा मानसून के मौसम में बाढ़ आने का खतरा बढ़ा है। वायनाड भूस्खलन पर्यावरणीय संकेतों की अनदेखी करने के खतरनाक परिणामों की चेतावनी है। निर्वनीकरण व अनियोजित निर्माण ने वायनाड जैसे क्षेत्रों में प्राकृतिक विभीषिकाओं का खतरा पैदा कर दिया है। वायनाड भूस्खलन आपदा प्रबंधन में जवाबदेही तथा सक्रिय कदमों का महत्व भी उजागर करता है। ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से यह हमारे पर्यावरण के सम्मान और देखभाल की आवश्यकता उजागर करता है। जंगल मिट्टी को स्थिर रखने तथा जल-चक्र को नियमित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। निर्वनीकरण से परिस्थितिकी तंत्र बाधित होते हैं जिनसे भूस्खलन जैसी घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। वायनाड त्रासदी सरकारों, समुदायों और आम जनता का आह्वान करती है कि वे हम सबका अस्तित्व बनाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता प्रदान करें।

कौशल व रोजगार को प्राथमिकता

युवा सशक्तीकरण के लिए सरकार ने तीन परिवर्तनकारी योजनाओं की घोषणा की है। इनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में कौशल का विकास करना है।

दिनेश सूद
(लेखक, कौशल संवर्धन क्षेत्र से संबद्ध हैं)

केंद्रीय बजट की नौ सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इस दृष्टिकोण से कौशल विकास के लिए तीन योजनाओं की घोषणा की गई है। पहली योजना में उच्च कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए अधिकतम कर्ज प्रदान करना है। इसके लिए संशोधित 'आदर्श कौशल कर्ज योजना' लाई गई है जिसमें प्रति वर्ष 1.5 प्रतिशत के ब्याज पर 1.5 लाख से लेकर 7.5 लाख रुपये तक कर्ज का प्राविधान किया गया है। इस योजना से युवाओं के सशक्तीकरण की उम्मीद है। इससे उनको उत्कृष्ट स्तर के कौशल पाठ्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाई जाएगी। इससे योग्य छात्रों के सामने आने वाली वित्तीय बाधायें काफी सीमा तक हटाने तथा उम्मीदवारों को भविष्योन्मुखी और उद्योगों में वांछित कौशल प्रदान करने में सहायता मिलेगी। इससे भविष्य के लिए तैयार और सशक्त कार्यबल तैयार होगा।

कौशल संवर्धन कर्ज बाजार में गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों-एनबीएफसी व माइक्रो-फाइनेंस संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए कौशल विकास एवं रोजगार मंत्रालय-एमएसडीई ने योजना में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। इस योजना में एनबीएफसी, माइक्रो फाइनेंस संस्थानों तथा छोटे फाइनेंस बैंकों को शामिल कर गारंटी के आधार पर कर्जों की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत कर्ज का 75 प्रतिशत हर साल 25,000 उम्मीदवारों को 7.5 लाख तक का कर्ज बिना किसी गारंटी के दिया जाएगा। इसका अर्थ है कि सरकार अपनी ओर से ऐसे कर्जों की गारंटी लेगी। सरकार ने यह तथ्य स्वीकार किया है कि बिना जीवन्त कौशल कर्ज बाजार के अनेक नौजवान तथा इच्छुक उम्मीदवारों को आवश्यक वित्तीय समर्थन नहीं मिल पाता है जिसके कारण वे अपना कौशल संवर्धन तथा कौशल प्रशिक्षण नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

कुशल क्षेत्र को कर्ज का निरंतर व सहज प्रवाह सुनिश्चित करने तथा कम आय वाले नौजवानों को विशेष कौशल पाठ्यक्रमों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एमएसडीई ने पहले जुलाई, 2015 में क्रेडिट गारंटी फंड योजना शुरू की थी, लेकिन यह योजना अपनी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

पिछले दशक में इस योजना के अंतर्गत पैसे का कम प्रयोग कर्ज का 1.5 लाख रुपये तक सीमित आकार था, हालांकि मुद्रास्फीति के कारण पाठ्यक्रमों का खर्च और फीस बढ़ी थी। इसके कारण बहुत से अधिक खर्च वाले पाठ्यक्रमों को योजना से बाहर रखना पड़ा था। इसके साथ ही सरकार-प्रायोजित योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए निजी बैंकों में इच्छाशक्ति जगाना जरूरी था। 31 मार्च, 2024 तक पिछले दशक में इस योजना के अंतर्गत 10,077 कर्ज लेने वालों को केवल 115.75 करोड़ रुपये कर्ज ही दिया जा सका था। लेकिन नई माडल कौशल कर्ज योजना से सरकार की इस मुद्दे के प्रति अडिग प्रतिबद्धता प्रकट होती है जिसका उद्देश्य तेज गति से होने वाले तकनीकी परिवर्तनों को देखते हुए उच्च कौशल वाला कार्यबल तैयार करना है।

वर्तमान समय में मांग किए जाने वाले प्रासांगिक कौशलों को प्राप्त करने का खर्च काफी अधिक है। तथाकथित कुशल कार्यबल का केवल 5 प्रतिशत ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है। इससे कौशल की कमी व्यापक रूप से सामने आती है जिसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए। हालांकि, हर साल स्कूलों में 26.5 करोड़ बच्चे प्रवेश लेते हैं, पर उच्च शिक्षा तक पहुंचने पर उनकी संख्या घट कर केवल 4.3 करोड़ रह जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-एनईपी 2020 के अनुसार स्कूली शिक्षा पास करने वाले अतिरिक्त पांच करोड़ बच्चों को उच्च शिक्षा के दायरे में लाया जाना चाहिए। इसके लिए न केवल प्रत्येक व्यक्ति की कौशल शिक्षा तक पहुंच होनी चाहिए, बल्कि ग्रामीण भारत के छात्रों की बड़ी संख्या को इसके दायरे में लाना होगा।

इस कमी को दूर करने के लिए आदर्श कौशल कर्ज योजना न केवल एक समाधान है, बल्कि यह आवश्यकता और तात्कालिक कदम है। कौशल अर्थव्यवस्था लगातार बाजार-संचालित होती जा रही है जिनमें नए युग के शिक्षण को कौशल विकास परिस्थितिकी से जोड़ा जाता है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के नौजवान कौशल संवर्धन एवं आजीविका में सुधार के अवसरों की पहचान करते हैं। ऐसे में आदर्श कौशल कर्ज योजना जैसी पहल अपने दरवाजे अनेक कौशल पाठ्यक्रमों के लिए खोलती है जिसमें स्वास्थ्यरक्षा, सौंदर्य-बेहतरी, आईटी, एआई-डेटा साइंस, क्लाउड प्रयोग, डिजिटल मार्केटिंग, अतिथि सत्कार क्षेत्र, एनीमेशन, गेमिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग तथा ड्रोन टेक्नोलोजी शामिल हैं। उद्योगों की बदलती गतिशीलता से संचालित ये पाठ्यक्रम बड़ी संख्या में नौकरियों के अवसर प्रदान करते हैं तथा वैश्विक स्तर पर नौकरियों की संभावनायें खोलते हैं। इससे नौजवानों को भविष्य के दरवाजे खोलने तथा अंतरराष्ट्रीय कॅरियर विकल्प खोजने में सहायता मिलती है।

दूसरी योजना का लक्ष्य अगले पांच साल में 20 लाख नौजवानों का कौशल संवर्धन करना है। कुल 60,000 करोड़ रुपये के आबंटन वाली इस योजना का लक्ष्य इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों-आईटीआई का 'हब एंड स्पोक' व्यवस्था के अंतर्गत उच्चीकरण करना है जिससे उन्मुखीकरण में सुधार होगा। यह एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका लक्ष्य नौजवानों को विशिष्ट-उद्योग कौशलों से समृद्ध कर उनको ज्यादा रोजगारों के उपयुक्त बनाना है। इसके लिए पाठ्यक्रम की विषयवस्तु व डिजाइन को उद्योगों की कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप उच्चीकृत करना होगा। उदाहरण के लिए, उभरते आईटी क्षेत्र को साइबर सुरक्षा या डेटा विश्लेषण कौशलों की आवश्यकता है जिनको पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। बजट में शामिल तीसरी योजना का उद्देश्य युवाओं को समग्र रूप से कौशल प्रदान करना है ताकि नौजवानों को सर्वोच्च 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर मिल सकें। इस प्रकार की पहली योजना में अगले पांच साल में एक करोड़ नौजवानों को शामिल किया जाएगा। यह नौजवानों में बेरोजगारी समस्या का समाधान करने में गेमचेंजर हो सकती है। इस इंटर्नशिप योजना का खोजी दृष्टिकोण और संभावित प्रभाव इसे युवा जनसंख्या को भावी रोजगार दिलाने में प्रकाश की किरण जैसा है। इससे युवा बेरोजगारी दरों में काफी कमी आने की उम्मीद है। लेकिन इंटर्नशिप करना कठिन है क्योंकि इससे निराशा और हताशा का दुष्चक्र पैदा हो सकता है। एमबीए, इंजीनियरिंग, आदि पेशेवर डिग्री वाले छात्रों को स्नातक के बाद अच्छी नौकरियां व इंटर्नशिप प्राप्त करने में आसानी होगी। लेकिन यह परिदृश्य उन स्नातकों के लिए ज्यादा कठिन होगा और उनको नौकरियों के अयोग्य बनाएगा जो मानविकी विषयों से स्नातक होंगे और उनके पास बाजार के उपयुक्त तत्काल कोई कौशल उपलब्ध नहीं होगा।

प्रमुख कंपनियों में विभिन्न विषयों में शिक्षित युवा स्नातकों को इंटर्नशिप प्रदान करने वाली यह योजना एक 'गेम चेंजर' साबित हो सकती है। लेकिन इसके लिए योजना का समुचित व प्रभावी क्रियान्वयन बहुत जरूरी होगा। इसके लिए बड़ी कंपनियों को मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी और सरकार को इसके लिए उनको प्रेरित करना होगा। शायद भविष्य में सरकार इस योजना का दायरा बढ़ाने और कंपनियों के लिए इंटर्नशिप देना अनिवार्य करने पर विचार कर सकती है। कम से कम यह एक आकार से बड़ी कंपनियों के लिए अनिवार्य किया जा सकता है। सरकार इस उद्देश्य से कुछ विशिष्ट मानक भी निर्धारित कर सकती है।

कपंनियां अपने कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड-सीएसआर के अंतर्गत हर साल निश्चित संख्या में इंटर्न लेने की व्यवस्था कर सकती हैं। इस फंड से वे इंटर्नशिप के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की फंडिंग कर सकती हैं। ये फंड कंपनियों की पहल पर पर्यावरणीय व सामाजिक बेहतरी के लिए खर्च किए जाते हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से इस योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली इंटर्नशिप से नौजवानों में नौकरियां प्राप्त करने की क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान प्राप्त अपने सटीक अनुभव के आधार पर वे रोजगार प्राप्त करने में सफल होंगे। लेकिन रोजगार व नौकरी योग्य कौशल प्रदान करने में योजना का क्रियान्वयन, प्रभावशीलता व जवाबदेही सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगी।

भारत का संतुलनकारी राजनय

भारत सरकार पिछले महीने राष्ट्रपति पुतिन के साथ पीएम मोदी की बैठक के बारे में अमेरिका और यूरोपीय चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रही है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

एक तरह से संतुलन बनाने की कोशिश में, भारत सरकार पिछले महीने राष्ट्रपति पुतिन के साथ पीएम मोदी की बैठक के बारे में अमेरिका और यूरोपीय चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रही है, जब कई नेता नाटो शिखर सम्मेलन के लिए वाशिंगटन में एकत्रित थे। राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को में पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए एक अतिरिक्त कदम उठाया, जो भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के बारे में अमेरिका को एक मजबूत संदेश देता है।

अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों ने पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा में शामिल दिखावे पर गहरी चिंता व्यक्त की, जबकि उन्होंने दोहराया कि कुछ भी महत्वपूर्ण हासिल नहीं हुआ। रूस के साथ द्विपक्षीय संबंध एक कठिन रस्सी है, जिस पर भारत पिछले दशकों में अमेरिका के साथ अपने बढ़ते जुड़ाव के बावजूद सावधानी से चलने में कामयाब रहा है। इसलिए, इस सप्ताह टोक्यो में क्वाड विदेश मंत्रियों का सम्मेलन, जिसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्ष एंथनी ब्लिंकन से मुलाकात की, महत्वपूर्ण था। संयुक्त बयान में स्पष्ट शब्दों में यूक्रेन में रूस की कार्रवाई की निंदा की गई, शायद पहली बार इस तरह के बहुपक्षीय आधिकारिक संचार में शामिल हुआ।

संयुक्त बयान में कहा गया, हम यूक्रेन में चल रहे युद्ध और उसके भयानक और दुखद मानवीय परिणामों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप व्यापक, न्यायसंगत और स्थायी शांति की आवश्यकता को दोहराते हैं, जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान सहित संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और

सिद्धांतों के अनुरूप हो। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों और बाद में सार्वजनिक संदेशों में भी युद्ध के मैदान से दूर यूक्रेन संकट का स्थायी समाधान खोजने की आवश्यकता का उल्लेख किया था, साथ ही रूस द्वारा बच्चों के अस्पताल सहित लगभग 41 लोगों की हत्या करने वाले हमले की निंदा की थी। पीएम मोदी ने कहा, चाहे युद्ध हो, संघर्ष हो या आतंकवादी हमला हो, मानवता में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति जान गंवाने पर दुखी होता है। लेकिन उसमें भी जब मासूम बच्चों की हत्या होती है, तो दिल दुखता है और वह दर्द बहुत भयानक होता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने पीएम मोदी की रूस यात्रा की निंदा की है। सरकारी अधिकारियों ने अब संकेत दिया है कि पीएम भू-राजनीतिक गतिशीलता को संतुलित करने और भारत और यूरोप के संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए अगस्त में यूक्रेन की यात्रा कर सकते हैं। इस बीच, क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में गाजा संकट और लाल सागर क्षेत्र में इसके फैलाव पर ध्यान केंद्रित करना जारी रहा, जिससे लोगों के जीवन पर असर पड़ रहा है और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है।

विदेश मंत्रियों ने संयुक्त रूप से संवाद किया, हम सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून भी शामिल है, का पालन करने का आग्रह करते हैं। हम यूएनएससी संकल्प का स्वागत करते हैं और सभी संबंधित पक्षों से सभी बंधकों की रिहाई और तत्काल युद्धविराम की दिशा में तुरंत और लगातार काम करने का आग्रह करते हैं।

हम सभी पक्षों से सहायता कर्मियों सहित नागरिकों के जीवन की रक्षा करने और मानवीय राहत के तेजी से परिवहन की सुविधा के लिए हर संभव कदम उठाने का आह्वान करते हैं। हम इंडो-पैसिफिक सहित अन्य देशों को भी प्रोत्साहित करते हैं कि वे जमीन पर गंभीर मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाएं। हम इस बात पर जोर देते हैं कि गाजा पट्टी के भविष्य की बहाली और पुनर्निर्माण को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा समर्थन दिया जाना चाहिए। हम दो-राज्य समाधान के हिस्से के रूप में इजरायल की वैध सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए एक संप्रभु, व्यवहार्य और स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इजरायल और फिलिस्तीनियों दोनों को न्यायपूर्ण, स्थायी और सुरक्षित शांति में रहने में सक्षम बनाता है।

भारत इस साल होने वाले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा, हालांकि, नवंबर में होने वाले महत्वपूर्ण अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव इस समय के प्रमुख निर्धारक होंगे। राष्ट्रपति बिडेन जिन्होंने अतीत में ज्यादातर क्वाड कथा को आकार दिया है, वे चार के इस समूह पर एक स्थायी छाप छोड़ना चाहेंगे।

आप की बात

कोटे के भीतर कोटा

सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपश्रेणियां बनाने, यानी कोटे के भीतर कोटा बनाने की अनुमति राज्यों को दे दी ताकि इन वर्गों में अधिक पिछड़ी जातियों को लाभ मिले। यह फैसला आरक्षण व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ में 6:1 के बहुमत से दिए गए फैसले से जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी ने असहमति व्यक्त करते हुए राज्यों को यह अधिकार देना गलत माना। एससी-एसटी में भी ओबीसी की तरह क्रीमी लेयर लागू करने और आरक्षण को एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे अलग-अलग सुझाव दर्ज भी बहुमत से फैसला देने वाले न्यायाधीशों द्वारा दर्ज कराए गए। क्रीमी लेयर व आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे सुझावों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए। आरक्षण का यही सबसे स्याह पहलू है कि आजादी के बाद से ही आरक्षण का फायदा उठाने वाले अब भी आरक्षण को यथावत जारी रखना चाहते हैं। इसी वजह से आरक्षण का 75 प्रतिशत से अधिक फायदा आरक्षित वर्गों के ही गरीबों तक नहीं पहुंच पा रहा है। हालांकि, वोटबैंक राजनीति के चलते अब भी अधिक संख्या वाली दलित जातियों को पहले की तरह अधिक लाभ मिलने तथा कम संख्या वाली दलित जातियों को वंचित रहने की आशंका बनी हुई है।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

कमला हैरिस को बढ़त

एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, डेमोक्रेटिक अमेरिकी राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस ने सात स्विंग राज्यों में से छह में रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बढ़त हासिल की है। कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद से ट्रम्प एक तरह से बचाव की मुद्रा में आ गए हैं। उन्होंने हैरिस पर व्यक्तिगत व नस्ली हमला करते हुए उनको बाइडेन से भी खराब उम्मीदवार तथा उनसे भी अधिक वामपंथी बता दिया है। उन्होंने कहा कि हैरिस पहले स्वयं को भारतीय मूल की महिला के रूप में पेश करती थीं, पर अब वे अश्वेत के रूप में सामने आ रही हैं। कमला हैरिस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ट्रंप को जो कुछ कहना हो, हमारे सामने कहें और राष्ट्रीय बहस में हिस्सा लें। मजेदार बात है कि जो ट्रंप पहले बाइडेन को बहस के लिए चुनौती देते थे, अब इससे कन्नी काट रहे हैं। उनको अहसास हो गया है कि भावी प्रथम अमेरिकी अश्वेत महिला के रूप में कमला हैरिस का पलड़ा उनसे लगातार भारी होता जा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी की गर्भपात-विरोधी और आप्रवासी-विरोधी नीतियों के कारण अमेरिकी जनता का वही वर्ग और ज्यादा मजबूती के साथ कमला हैरिस के साथ आ रहा है जिसने जो बाइडेन को विजय दिलाई थी।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

आरक्षण की सीमा

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पंकज मिथल का विचार है कि आरक्षण केवल पहली पीढ़ी तक ही मिलना चाहिए। अगर कोई पहली पीढ़ी आरक्षण लेकर उच्च स्तर पर पहुँच गई है तो उसको इसका हकदार नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह बात एससी-एसटी आरक्षण के कोटे में कोटा पर सुप्रीम कोर्ट में जजों के पेनल में हिस्सा लेने के दौरान कही। उनकी बात सही और तार्किक भी है। जिन्हें आरक्षण का लाभ मिल चुका है और वे व उनका परिवार उसे पाकर सक्षम हो चुका है और यह लाभ अब उनकी ही जाति के दूसरे वंचित लोगों को मिलना चाहिए। ऐसा न होने पर सक्षम लोग ही अपने लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। आरक्षण नीति में कुछ ऐसे परिवर्तन होने चाहिए जिसमें अधिक से अधिक लोगों को आरक्षण का लाभ देकर सक्षम बनाया जा सके। संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर ने भी आरक्षण के जरिये अधिक से अधिक लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठाने की बात कही थी। उन्होंने कुछ मामलों में आरक्षण 10 वर्षों तक रखने का सुझाव दिया था। लेकिन अब आरक्षण वोटबैंक व चुनावी लाभ का हथकंडा बन गया है और भविष्य में इसकी सीमा और बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति समाज कल्याण के बजाय निहित स्वार्थों को बढ़ावा देगी।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

योगी का कठोर कदम

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुछ अराजक युवाओं द्वारा स्कूटर सवार व्यक्ति व महिला पर गंदा पानी फेंकने और महिला के साथ छेड़खानी करने की घटना सामने आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कठोर कदम उठाया है। उन्होंने क्षेत्र के डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी का ट्रांसफर करने के साथ थाना इंचार्ज और पुलिस चौकी के सभी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। कैमरों में दिखने वाले सभी अराजक व बेलगाम युवाओं को गिरफ्तार किया गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री और यूपी पुलिस प्रशासन की सराहना की जानी चाहिए। यूपी पुलिस की कार्रवाई अपनी जिम्मेदारी न निभाने वाले पुलिस कर्मियों तथा अराजक शहरी युवाओं के लिए सबक है। योगी आदित्यनाथ का यह कठोर कदम उन विपक्षी राजनेताओं के लिए भी सबक है जो युवाओं को बहका कर प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब कर मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार की छवि खराब करना चाहते हैं। विपक्षी दलों को ऐसी घटिया हरकतों से बचना चाहिए, नहीं तो 2027 में उनका फिर पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

गांवों के ओपन जिम साकार करेंगे 'कैच देम यंग' का सपना

अनुपूरक बजट में भी जिम के लिए किया गया 100 करोड़ का प्रावधान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खेलों में भी उत्तर प्रदेश सिरमौर बने। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की मंशा है। इसके लिए सबसे प्रभावी फॉर्मूला है, 'कैच देम यंग'। मसलन बचपन से होनहार प्रतिभाओं को पहचानकर उनको उसी तरह की बुनियादी सुविधाएं, प्रशिक्षण और एक्सपोजर दिलाना। इसमें गांव गांव में खुलने वाले ओपन जिम की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसीलिए अनुपूरक बजट में भी सरकार में ग्रामीण क्षेत्रों में ओपन जिम खोलने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। ओपन जिम में ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाएं निखरेंगीं वहीं सरकार द्वारा संचालित खेलो इंडिया सेंटर और सभी सुविधाओं से आवासीय स्पोर्ट्स कॉलेज में इंटरनेशनल स्तर के कोच के प्रशिक्षण से इनको और निखारा जाएगा। सरकार एक जिला एक खेल (वन डिस्ट्रिक्स,वन स्पोर्ट्स) पर भी गंभीरता से काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि हर जिले में कुछ खास खेल अपेक्षाकृत अधिक प्रचलित होते हैं। संबंधित जिले में उन खेलों को खास प्रोत्साहन देने और उसी अनुसार बेहतरीन बुनियादी सुविधाएं और प्रशिक्षण देने की भी योजना है। मेरठ में युद्ध स्तर पर बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी योगी सरकार की खेल प्रतिभाओं को निखारने में मील का पत्थर बनेगी। सच तो यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खेलों के प्रति निजी रुचि के कारण पिछले सात वर्षों में खेल जगत का पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। आज प्रदेश में कानपुर , लखनऊ, वाराणसी, गाजियाबाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम हैं। कानपुर और लखनऊ में तो लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच भी होते हैं। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश का एकमात्र स्टेडियम होगा। कुछ दिनों पहले गोरखपुर में भी इंटरनेशनल स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की घोषणा मुख्यमंत्री कर चुके हैं।

युवा खिलाड़ी नामचीन खिलाड़ियों से प्रेरणा ले सकें इसलिए उनका भी सम्मान किया जा रहा है। हाकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यान चंद के नाम से बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के बाद मुख्यमंत्री ने अनुपूरक बजट में बाराबंकी स्थित पद्म श्री बाबू केडी सिंह के बाराबंकी स्थित पैतृक निवास को संग्रहालय घोषित करना भी एक ऐसा ही प्रयास है। इस बाबत सरकार ने अनुपूरक बजट में 19.34 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। गोरखपुर के रामगढ़ झील में नौकायन प्रतियोगिता के लिए पूरी सुविधा मौजूद है। राष्ट्रीय स्तर की एक सफल प्रतियोगिता वहां हो भी चुकी है। खेलो इंडिया के तहत उत्तर प्रदेश इंटर यूनिवर्सिटी गेम, नोएडा में मोटो जीपी के तहत पहली बार इंटरनेशनल बाइक रेस का आयोजन इस बात का सबूत है कि उत्तर प्रदेश में खेल संबंधी सुविधाओं के विस्तार के साथ यहां का पूरा परिदृश्य बदल चुका है। बदलाव की यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इसके नतीजे भी दूरगामी और बहुआयामी होंगे।

मसलन राष्टीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से हास्पिटलिटी और इससे संबंधित सेक्टर्स को लाभ होगा। खेल सामग्री की मांग बढ़ने से संबंधित इंडस्ट्री को भी लाभ होगा। स्थानीय स्तर पर रोजी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। युवाओं में जीत का जज्बा और अनुशासन का बढ़ना बोनस होगा।

यूपी में मनरेगा श्रमिकों के लिए सरकार का खुला खजाना

● केंद्र से 3600 करोड़ से भी ज्यादा धनराशि की गई जारी

सामग्री मद मे भी मिले 1,100 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि मनरेगा श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान शीघ्र ही किया जायेगा, उनके प्रयासों से भारत सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि उत्तर प्रदेश के लिए जारी की गयी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के मजदूरों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों के लिए एक राहत भरी खबर है। इन लोगों के बकाये का अब बहुत जल्द ही भुगतान होगा। सरकार ने उत्तर प्रदेश मनरेगा के लिए अपना खजाना खोल दिया है। श्रमांश, सामग्री और प्रशासनिक मद की बात करें, तो केंद्र सरकार से करीब 3,667 करोड़ से भी ज्यादा की धनराशि जारी कर दी गई है। इसमें श्रमांश की बात करें, तो करीब 2,517 करोड़ रुपए जारी किये गये हैं, सामग्री मद में 1,100 करोड़ की धनराशि जारी कर दी गई है, इसके अलावा प्रशासनिक मद हेतु भी करीब 50.41 करोड़ की धनराशि केंद्र ने जारी की है। जारी धनराशि से बकायेदारी भी दूर होगी। अब बहुत जल्द ही श्रमिकों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों तक यह धनराशि पहुंचेगी।

जारी धनराशि से जहां मजदूरों को उनका श्रमांश मिलेगा, वहीं मनरेगा में निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों को भी उनका बकाया भुगतान किया जा सकेगा। इस धनराशि के मिलने से मनरेगा कार्यों में भी तेजी आएगी। ऐसे में आपूर्तिकर्ता एजेंसियों के साथ-साथ मजदूर भी पूरी ऊर्जा के साथ मनरेगा कार्यों में अपना योगदान देंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार काम कर रही है। श्रमिकों की मजदूरी उनके खाते में समय से पहुंचे, इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। मनरेगा के लिए जारी धनराशि के लिए केंद्र सरकार का भी श्रमिकों की ओर से आभार भी जताया है। आपको बताते चलें कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 26 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक प्रदेश द्वारा 13.50 करोड़ से ज्यादा मानव दिवस सृजित कर लिये गये हैं।

ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना के लिए मांग के अनुरूप केंद्र द्वारा श्रमांश, सामग्री एवं प्रशानिक मद हेतु करीब 3,667 करोड़ ,जिसमें श्रमांश करीब 2,517 करोड़, सामग्री मद में 1,100 करोड़, और प्रशासनिक मद हेतु भी करीब 50.41 करोड़ की धनराशि केंद्र ने निर्गत की है। इस धनराशि से श्रमिकों का बकाया भुगतान किया जा सकेगा। बहुत जल्द ही यह धनराशि श्रमिकों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों तक पहुंचेगी।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि के पावन अवसर पर शुक्रवार को काशी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव जी के ज्योतिर्लिंग का दर्शन-पूजन व जलाभिषेक किया व बाबा विश्वनाथ से समस्त देश व प्रदेशवासियों के सर्वकल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने वाराणसी में काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव के दर्शन व पूजन भी किया। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने उसके बाद वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की और शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़ें विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

एससी, एसटी व ओबीसी के प्रति कांग्रेस-बीजेपी का रवैया नही रहा सुधारवादी: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आरक्षण पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया देते हुए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति में सब कैटेगरी बनाने के फैसले का विरोध किया है। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल पूछा है कि सरकार ने इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को मिलने वाले आरक्षण पर गुरुवार को दिए फैसले में कहा था कि एससी-एसटी की सूची में सब कैटेगरी बनाने को लेकर कोई संवैधानिक रोक नहीं है। शुक्रवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के खासकर करोड़ों दलितों और आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित? आगे उन्होंने लिखा कि देश के एससी, एसटी और ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टियों और सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। वे इनके सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के पक्षधर नहीं वरना इन लोगों के आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालकर इसकी सुरक्षा जरूर की गई होती।

बाढ़ से 1,57, 444 किसानों की फसलें हुई प्रभावित, पोर्टल पर डाटा किया गया फीड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● योगी सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों को जारी कर चुकी है अब तक 150 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि

अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि के साथ ही किसी आपदा में उन्हे होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भी योगी सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश में बाढ़ की वजह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए योगी सरकार ने अब तक 150 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जारी की गई है। यह धनराशि क्षतिग्रस्त फसलों को मुआवजा देने के लिए जिलों की डिमांड पर जारी की गई है। वहीं अब तक सवा लाख से अधिक किसानों को उनकी क्षतिग्रस्त फसलों के लिए 71 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा दिया जा चुका है। इसमें सबसे अधिक लखीमपुर खीरी के 70 हजार से अधिक किसानों को 47 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के बाढ़ग्रस्त इलाकों में लगातार क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय से मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि नेपाल और पहाड़ी क्षेत्रों से छोड़े गये पानी से प्रदेश के 18 जिलों की 82126.50 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। वहीं सर्वे के दौरान वास्तविक क्षतिग्रस्त फसल 29,243.74 हेक्टेयर पायी गयी। बता दें कि सरकार की ओर से बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और बाढ़ से क्षतिग्रस्त 33 प्रतिशत से अधिक फसल के नुकसान पर ही मुआवजा दिया जाता है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से 1,57,444 किसानों की फसल प्रभावित हुई जबकि लेखपाल द्वारा अब तक 1,56,952 किसानों को सहायता धनराशि देने के लिए पोर्टल पर फीड किया जा चुका है। इसके सापेक्ष अब तक 1,25,521 किसानों को 71.01 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चका है। वहीं बचे हुए किसानों की फीडिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। सबसे अधिक लखीमपुर के 88546 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई है। इसके सापेक्ष भुगतान के लिए अब तक 88544 किसानों की फीडिंग पोर्टल पर की जा चुकी है।

वहीं 70,691 किसानों को 47 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसी तरह सिद्धार्थनगर 19805 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई है। सभी किसानों की फीडिंग पोर्टल पर की जा चुकी है जबकि 15478 किसानों को 7.70 करोड़ का भुगतान किया जा चुकी है।

लगातार तीसरे दिन मेरठ व बागपत में शिवभक्तों पर हुई पुष्प वर्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/मेरठ/बागपत

योगी सरकार के निर्देश पर लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को मेरठ और बागपत में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की गई। गुरुवार को मेरठ में जहां डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए थे तो वहीं शुक्रवार को श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर मेरठ मंडल की मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे और आईजी नचिकेता झा ने मेरठ में बाबा औघड़नाथ मंदिर और बागपत में पुरा महादेव मंदिर में कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। दोनों अधिकारियों ने पुष्प वर्षा के साथ ही मंदिर परिसर का सर्वेक्षण भी किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होते देख कावंडिये खुशी से झूम उठे और बोल बम बोल बम के नारे लगाने लगे। इससे पूर्व गुरुवार को मेरठ के डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा ने भी मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्टीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की थी। बुधवार को भी मेरठ में कांवड़ियों पर बुलडोजर से पुष्प वर्षा की गई थी। पुष्प वर्षा के साथ समूचे कांवड़ यात्रा मार्ग पर योगी सरकार के द्वारा की गई व्यवस्था पर कांवड़ियों ने खुशी जताई और सीएम योगी का धन्यवाद भी दिया।

गरीबों को बेघर करने का षंडयंत्र रच रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार गरीबों की जमीनों को छीनकर उन्हें बेघर करने का षडयंत्र रच रही है। भाजपा सरकार गरीब विरोधी है। समाजवादी पार्टी और समस्त विपक्ष के विरोध के बाद भी सत्ता के अहंकार में चूर भाजपा सरकार नजूल जमीन विधेयक बीजेपी के कुछ लोगों के फायदे के लिए लायी है। ये लोग अपने आसपास की गरीब जनता की जमीने हड़पना चाहते हैं। सात साल से सरकार में रहकर बजट की लूट करने के बाद भी सश्रा में बैठे लोगों का पेट नहीं भरा है। अब ये नया कानून बनाकर जमीनें लूटना चाहते है।

अखिलेश यादव ने कहा कि नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से 'घर उजाड़ने' का फ़ैसला है क्योंकि बुलडोज़र हर घर पर नहीं चल सकता है। भाजपा घर-परिवार वालों के ख़िलाफ है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी ख़ुशी मानती है। जबसे भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोज़गार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। कुछ लोगों के पास दो जगह का विकल्प है, पर हर एक उनके जैसा नहीं है। बसे बसाये घर उजाड़कर भाजपा वालों को क्या मिलेगा। क्या भू-माफ़ियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अखिलेश यादव ने कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फ़ैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है। समाजवादी पार्टी की यही मांग है कि अमानवीय 'नजूल ज़मीन बिल' हमेशा के लिए वापस हो। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ये बिल अपने निजी फायदे के लिए लाकर गरीबों की जमीनें हड़पना चाहते है। इस बिल का जनहित और विकास से कोई वास्ता नहीं है। गोरखपुर में नजूल के अन्तर्गत आने वाली बेशकीमती जमीनों पर सीएम की नज़र है। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी जी ने सोचा कि सत्ता का फायदा उठाकर उन जमीनों पर कब्जाकर लिया जाए इसलिए ये बिल लाया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की पहले गोरखपुर, अयोध्या फिर लखनऊ और धीरे-धीरे पूरे यूपी की बेशकीमती नजूल भूमि पर कुदृष्टि है और गरीब जनता पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। ये जमीनें जनता से छीन कर बिल्डर्स, उद्योगपतियों को देने की साजिश है चूंकि लेकिन तमाम भाजपाई दिग्गजों की कोठियां, मकान, प्रतिष्ठान, बंगले भी नजूल में आ रहे हैं इसीलिए भाजपा के अंदर भी उसका विरोध हो रहा है।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज को आज 55 करोड़ रुपए की सौगात देंगे सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज को 55 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों और सुविधाओं की सौगात देंगे। मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में दोपहर बाद 3.30 बजे से प्रस्तावित कार्यक्रम में सीएम योगी कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ ही जनहित में विभिन्न नई सुविधाओं का शुभारंभ करेंगे। लोकार्पण, शिलान्यास और सुविधाओं के शुभारंभ समारोह के मंच से मुख्यमंत्री स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण के तहत एमबीबीएस और पैरामेडिकल छात्रों को 483 टैबलेट-स्मार्टफोन का वितरण भी करेंगे।

बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों जिन प्रमुख सुविधाओं का शुभारंभ होगा उनमें 7 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन और 11.25 लाख रुपये की लागत वाली लिथोट्रिप्सी मशीन का लोकार्पण प्रमुख है। इसके अलावा सीएम जेनेटिक मेडिसिन और पीडियाट्रिक्स आर्थोपेडिक्स ओपीडी तथा मिल्क बैंक का भी शुभारंभ करेंगे। मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री द्वारा माइक्रोबायोलॉजी विभाग में सैम्पल कलेक्शन सेन्टर की स्थापना, पैथालॉजी विभाग में फुली आटोमेटिक टिशु प्रोसेसर, फुली आटोमेटिक यूरिन एनालाइजर, 5 पार्ट सिमेक्स सीबीसी एनलाइजर तथा न्यू एडवांस टेक्नोलॉजी का हारमोन ट्यूमर मेकर डिडक्शन की एलाइनिटी मशीन की स्थापना का शुभारम्भ और आईएचसी पैनल के रेंज की वृद्धि कार्य का शुभारम्भ किया जाएगा। साथ ही वह फार्मेसी कालेज के विस्तार निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। इस पर 8 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत आई है। सीएम योगी मेडिकल कॉलेज में 6 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से स्थापित बर्न यूनिट, 2 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से स्थापित नेशनल इमरजेन्सी लाइफ सपोर्ट लैब और 98 लाख रुपये से बनी स्टेडियम की चहारदीवारी का लोकार्पण करने के अलावा सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल में कार्यरत उपचारिकाओं के लिए 100 सीटेड मैरिड छात्रावास के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इस छात्रावास के निर्माण पर 30 करोड़ 31 लाख रुपये की लागत आएगी।

प्रदेश के सभी प्रमुख मार्गों के किनारे 1001 ढाबों पर पर्यटकों को मिलेंगी मनपसंद सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग की नई रणनीति

ढाबों की तैयार की गई सूची

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और राज्य राजमार्ग (एसएच) सहित अन्य प्रमुख मार्गों के किनारे स्थित 1001 ढाबों की सूची बनाई है। यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन विभाग की ओर से 25 से 30 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा, ढाबों का बड़ी कंपनियों के साथ कोलैबोरेशन कराया जाएगा। ताकि, पर्यटकों को इन कंपनियों के प्रोडक्ट भी ढाबों पर आसानी से मिल सकें। ढाबों पर काम करने वाले कर्मचारियों को अच्छे आतिथ्य-सत्कार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास करने वाला राज्य है। यहां वर्ष 2023 में 48 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया था। प्रतिदिन देश-दुनिया से लाखों लोग अयोध्या, काशी, मथुरा, बौद्ध स्थल सहित अन्य स्थानों पर पहुंच रहे हैं। राज्य में पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि पर्यटकों को गंतव्य स्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। पर्यटक कहीं घूमने जा रहे हैं तो सफर में ऐसे स्थल की आवश्यकता होगी, जहां आराम करने के साथ-साथ खाने-पीने सहित अन्य सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध हों। पर्यटन विभाग इसी जरूरत को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में एनएच, एसएच सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर स्थित ढाबों को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करने की तैयारी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि पूरे प्रदेश के 1001 ढाबों की सूची तैयार की गई है। पर्यटन विभाग में उनका पंजीकरण किया जा रहा है। इसके बाद ढाबा संचालकों द्वारा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022 के तहत कुल खर्च का 25 से 30 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा, यहां काम करने वाले कर्मचारियों को एमकेआईटीएम द्वारा साफ-सफाई और आतिथ्य-सत्कार की ट्रेनिंग दी जाएगी। कर्मियों को बताया जाएगा कि, जो भी पर्यटक यहां आते हैं वह हमारे अतिथि हैं। अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। इसलिए उनके साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए।

रालोद के जिलाध्यक्ष 31 अक्टूबर तक घोषित होंगे

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय की अध्यक्षता में प्रकोष्ठ के अध्यक्षों एवं क्षेत्रीय अध्यक्षों की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी मौजूद रहे। बैठक में किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलजीत सिंह बिटटू उपस्थित रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों व क्षेत्रीय अध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी प्रकोष्ठों 31 अगस्त तक क्षेत्रीय कमेटी एवं 31 अक्टूबर तक जिलाध्यक्ष घोषित कर दिये जाय, 15 सितंबर से समीक्षा की शुरुआत होगी। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि संगठन किसी भी राजनैतिक दल की रीढ़ होती है एवं संगठन की मजबूती पर ही राजनैतिक दल की सफलता निर्भर करती है।

वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मास्टर प्लान तैयार

सरकार 10 सेक्टरों के जरिए साधेगी देश की सबसे बड़े अर्थव्यवस्था वाले राज्य का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अनुपूरक बजट के बाद प्रदेश को इस साल ऐतिहासिक साढ़े सात लाख करोड़ के बजट की सौगात देने के बाद अब योगी सरकार का लक्ष्य अगले चार कुछ साल में सूबे को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में स्थापित करने का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए 'दस का दम' लगाने पर जोर देते हुए विस्तार से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। एक दिन पहले ही सदन में प्रदेश के अनुपूरक बजट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए 10 सेक्टर में कार्य किये जाने की चर्चा की थी। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के बड़े लक्ष्य को साधने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन 10 सेक्टरों पर विशेष जोर देने के निर्देश सभी अधिकारियों को पहले ही दे दिये हैं। बीते फरवरी माह में आयोजित हुए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के जरिए प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश धरातल पर उतरने से योगी सरकार का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए योगी सरकार ने पूरी ताकत झोंकते हुए 10 सेक्टरों को चिह्नित किया है। इसमें प्रदेश के आर्थिक विकास से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों के बीच समन्वय कायम करते हुए कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। जिन 10 सेक्टर पर मुख्यमंत्री ने सबसे अधिक फोकस करने के निर्देश दिये हैं उनमें कानून व्यवस्था, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, नगरीय विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति और राजस्व संग्रह को लेकर अगले तीन साल तक मिशन मोड में कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। इन प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी एक-एक कैबिनेट मंत्री को दी गई है, जिन्हे अपर मुख्य सचिव स्तर के अनुभवी अधिकारी संभालेंगे। मुख्यमंत्री की ओर से निर्देश दिये गये हैं कि प्रत्येक सेक्टर के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं मॉनीटरिंग होगी। योगी सरकार अपना 7 साल का कार्यकाल पूरा कर चुकी है। बीते 7 वर्षों में प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर, कानून व्यवस्था, यातायात कनेक्टिविटी और रोजगार के मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली योगी सरकार ने अब आगामी तीन साल के लिए बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के विशाल लक्ष्य के लिए योगी सरकार के पास बड़ा आधार भी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के रूप में देखा जा सकता है, जोकि बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ रुपए रहा है। जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह 22.58 लाख करोड़ रुपए था। वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। राज्य सरकार के विगत सात वर्षों के नियोजित प्रयासों के परिणामस्वरूप इसमें और वृद्धि की संभावना है। इसके अलावा देश में सबसे उर्वर भूमि, प्रचुर जल संसाधन, युवा आबादी, देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता और श्रम बाजार होने के साथ ही उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है। यही नहीं देश की कुल 12 प्रतिशत कृषि भूमि और खाद्यान उत्पादन में यूपी करीब 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में भारत अगर आज दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो यूपी भारत के ग्रोथ को ड्राइव करने में एक अहम रोल निभाने जा रहा है।

इन 10 सेक्टर पर है फोकस

कानून व्यवस्था, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, नगरीय विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति, राजस्व संग्रह

कांवड़ यात्रा ले जा रहे युवक की हादसे में मौत दो गंभीर रूप से घायल

● पुलिस अधीक्षक ने किया घटनास्थल का दौरा

मोहम्मदी खीरी। सीतापुर के महोली से मोटरसाइकिल पर सवार होकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए कावड़ यात्रा लेकर निकले एक युवक की पिकअप से टक्कर में घटना स्थल पर मौत हो गई है वहीं पीछे बैठे दो लोगों के गंभीर चोटे आई हैं। पुलिस उपाध्यक्ष दलबल के साथ मौके पर पहुंचे तथा उसके उपरांत पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक ने परिवार वालों से वार्ता की, तथा शव को मोहम्मदी सीएचसी पहुचाया जहा से पोस्टमार्टम हेतु लखीमपुर भेजा गया, प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चौकी अमीरनगर के अंतर्गत विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप से मोटरसाइकिल सवार आकाश कश्यप पुत्र राजकुमार 22 वर्ष की मौके पर मौत हो गई वही पीछे बैठे शिवा व रितिक कश्यप गंभीर रूप से घायल हो गए मटका आकाश का पंचनामा वर्कर पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर भेजा गया है दोनों घायलों को समुचित इलाज के लिए मोहम्मदी से लखीमपुर रेफर किया गया है, तीनों सीतापुर के महोली के निवासी हैं पिकअप को कब्जे में ले लिया है।

बेतवा नदी के स्लैब मरम्मत का कार्य झूल रहा है लोनिवि व सेतु निगम के बीच

● मरम्मत नही हुई तो कभी भी हो सकता है बड़ी घटना,एसई ने कहा कि करेगे बातचीत

हमीरपुर। सरीला तहसील के बेतवा नदी में बना जलालपुर पथरेड़ा गांव के पुल की खुली स्लैव की मरम्मत का कार्य लोनिवि व सेतु निगम के मध्य इधर उधर झूल रहा है दोनो विभाग के अभियंता इसके लिये एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे है, लिहाजा दो दिन से मरम्मत न होने से कभी कभी कोई दुर्घटना हो सकती है। तहसील सरीला के जलालपुर गांव के पास बेतवा नदी पर बने पुल की स्लैब के सरिया निकल आने से आने जाने वाले वाहनों के लिए तो खतरा उत्पन्न हो ही गया है साथ ही पुल के भी दरकने की आशंका बढ़ गई है यह पुल करीब पंद्रह साल पहले सेतु निगम ने निर्माण कराया था। पुल की

लंबाई एक किलोमीटर से अधिक है। करोड़ो रुपये की लागत से यह पुल बनाया गया था। पुल की जगह जगह स्लैब खुलने लगी है। पुल की स्लैव पिछले साल भी खुल गयी थी मगर किसी तरह जद्दोजेहाद के बाद सेतुनिगम ने मरम्मत करा दी थी। इधर दो दिन पहले पुल की स्लैब फिर से खुल गयीहै। लोनिवि निर्माण खंड दो के सहायक अभियंता राधेश्याम गुप्ता का कहना है कि पुल की मरम्मत का काम सेतुनिगम द्वारा कराया जायेगा। लोनिवि के अधिशासी अभियंता ने दो मर्तवा पत्र भी सेतु निगम को लिखा है। जोरदेकर कहा कि मरम्मत का काम सेतु निगम ही करायेगे। सेतु निमग के परियोजना प्रबंधक आफ्ताब रसूल का कहना हैकि उनका काम पुल बनाकर संबंधित विभाग को हैंडओवर करना है।

एआरपी के गोली मारने में आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। एआरपी को गोली मारनें के आरोपी को पुलिस नें गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा आदि सामान भी पुलिस नें बरामद किया है। पता चला की आरोपी बीते लगभग दो सालों से एआरपी विश्राम सिंह को रास्ते से हटानें की योजना बना रहा था। थाना जहानगंज के रूनी चुरसई निवासी विश्राम सिंह को कमालगंज खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पेट में एक महिला के कपड़े पहने आरोपी नें गोली मार दी थी। विश्राम सिंह के भाई विजय सिंह नें घायल के साथी वीरेंद्र सिंह राजपूत निवासी गीतापुरम कालोनी फतेहगढ़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस कई पहलुओं पर जाँच कर रही थी। पुलिस लाइन में एसपी आलोक प्रियदर्शी नें प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी वीरेंद्र राजपूत को पुलिस नें गिरफ्तार किया है।

आरोपी की निशानदेही पर 2 तमंचा 315 बोर, 5 जिंदा कारतूस 315 बोर, 1 मिस कारतूस 315 बोर, 2 दुपट्टा, 1 कुर्ती, 1 लैगी, अंडर

गारमेंट्स 2, 1 हेयर बिग, 1 जोड़ी हाथों के दस्ताने, 1 जोड़ी जूता, 1 काला चश्मा बरामद हुआ है।

विश्राम के चक्कर में आरोपी व पत्नी में होता था विवाद

आरोपी वीरेंद्र राजपूत नें पुलिस को बताया कि एआरपी विश्राम सिंह राजपूत के चक्कर में वीरेंद्र और उसकी पत्नी में नही बनती थी। दोनों का आपस में विवाद हो जाता था। परेशान होकर वीरेंद्र नें गोली मारनें की योजना को अमली जामा पहनाया।

2 साल से बना रहा था योजना

एसपी आलोक प्रियदर्शी नें बताया कि आरोपी पत्नी से आये दिन विवाद के चलते बीते लगभग दो सालों से विश्राम सिंह को रास्ते से हटानें की योजना बना रहा था। एक बार उसने मार्ग दुर्घटना की योजना बनायी, कामयाबी नही मिली। उसने फिल्मी अंदाज में विश्राम सिंह को महिला बनकर गोली मार दी।

ऐमजॉन से 2022 में खरीदा था महिलाओं का बिग

आरोपी नें 18 अक्टूबर 2022 को महिलाओं का बिग ऐमजॉन से 3,999 में खरीदा था। जिसकी फोन डिटेल भी पुलिस को आरोपी के मोबाइल से मिली है। आरोपी नें यूट्यूब पर पुलिस कैसे चेक करती है लोकेशन यह भी 12 जुलाई को खोजा था। पुलिस ने मोबाइल में रिकार्ड बरामद किया है। खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी साक्ष्यों के आधार पर की गयी। पुलिस अभिरक्षा में आरोपी नें अपने जुर्म का इकबाल किया है।

सीडीओ ने की काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस कार्यक्रम के संबंध में बैठक

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. की अध्यक्षता में काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस से संबंधित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक मुख्य विकास अधिकारी कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी समारोह अंतर्गत कार्यक्रम आयोजन के संबंध में शासन से दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं।

तत्क्रम में 9 अगस्त को जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जनपद स्तरीय कार्यक्रम शहीद स्मारकएइको पार्क में आयोजित किया जाएगा। जिसके अंतर्गत शहीद स्मारक पर माल्यार्पण/पुष्पांजलि, शहीद स्मृति यात्रा, वृक्षारोपण, शहीद परिवारों का सम्मान व अन्य संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि समय अंतर्गत

सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। काकोरी ट्रेन एक्शन कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे भाषण, पेंटिंग, लोगो डिजाइन, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाय।

मुख्य विकास अधिकारी ने डीपीआरओ व जिला परियोजना निदेशक को निर्देशित किया की जनपद के सभी शिलाफलकम पर भी माल्यार्पण कराया जाय। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमित कुमार राठौर, जिला परियोजना निदेशक वीरेंद्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जूनियर शिक्षकों का स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस प्रशिक्षण

पुखरायां, कानपुर देहात। आयुष्मान भारत के अंतर्गत विकासखंड अमरौधा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरौधा में आयोजित पांच दिवसीय स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिसके पांचवें दिन शुक्रवार को मास्टर ट्रेनर दिनेश बाबू ने किशोरावस्था में शारीरिक परिवर्तन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किशोरावस्था में बच्चे असहज महसूस करते हैं। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि प्रत्येक जूनियर एवं माध्यमिक विद्यालय से दो हेल्थ एवं वैलनेस एम्बेसडर प्रशिक्षित किए जाएंगे। प्रशिक्षित एम्बेसडर अपने विद्यालय के प्रत्येक कक्षा से दो मैसेंजर एक बालक और बालिका की नियुक्ति करेंगे। सप्ताह में एक बार स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि कराई जाएगी। बताया गया कि बच्चों को धूम्रपान से बचाएं। बच्चे सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करें। कम से कम प्रयोग करें योग और व्यायाम के माध्यम से बच्चों के अंदर स्वस्थ जीवन की शैली को बढ़ाने का प्रयास किया

प्रशिक्षार्थी शिक्षक एवं प्रशिक्षक

जाए। मास्टर ट्रेनर डॉक्टर गिरिराज सिंह ने बताया गया कि बच्चों के अंदर व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। उन्हें प्रेरित किया जाए कि जंक फूड का सेवन न करें। बच्चों को बैलेंस डाइट के बारे में बताया जाए। जिससे बच्चे स्वस्थ और निरोगी हो सकें। परिषदीय विद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली आयरन फोलिक एसिड की गोली बच्चों को सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से खिलाई जाए। और उसका विफ्स रजिस्टर में अंकन किया जाए। एल्बेंडाजोल की गोली 6 महीने में एक बार अगस्त और फरवरी माह में अनिवार्य रूप से खिलाई जाए। प्रशिक्षण के प्रभारी डॉक्टर अमित निरंजन के ने शिक्षको को टी.शर्ट कैप बैच एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया। प्रशिक्षण में उपस्थित जयपाल सिंह यादव, संजय सचान, प्रभा श्रीवास्तव, मालती यादव, शिखा यादव, विकास पोरवाल, अशोक कुमार, मनोज कुमार गुप्ता अंकिता सचान अर्चना यादव शैलेंद्र कुमार, जगभान सिंह, अनुराग दिक्षित, मुजफ्फर हुसैन, अलका शर्मा, संदीप कुमारए मोहम्मद साबिरए अब्दुल वाजिद अंसारी उपस्थित रहे।

किसान अब 10 अगस्त तक करा सकते हैं फसलों का बीमा

लखीमपुर खीरी। सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अगस्त कर दी है। पहले यह तिथि 31 जुलाई थी। अब जिले के ऋणी एवम गैर ऋणी किसान भाई 10 अगस्त तक फसलों का बीमा करवा सकते हैं। यह जानकारी सीडीओ ने दी। सीडीओ ने किसान भाइयों से अनुरोध करते हुए कहा कि अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुये योजना का लाभ लें। ऋणी किसान अपने बैंक शाखा से संपर्क कर यह सुनिश्चित कर लें कि बैंक शाखा द्वारा उनकी फसल का बीमा किया गया है अथवा नहीं। बैंक शाखा को सूचित कर दे तथा गैर ऋणी कृषक आधार कार्ड, स्व प्रमाणित फसल बुवाई का घोषणा पत्र, खतौनी की नकल, पासबुक की छायाप्रति (आईएफएससी कोड) के साथ कामन सर्विस सेंटर, बैंक शाखा से फसल पर देय प्रीमियम अंश को जमा करते हुये अधिसूचित फसल धान, मक्का, मूंगफली एवं उर्द आदि का बीमा करा सकते हैं।

क्विक न्यूज

पंचायत उप निर्वाचन हेतु मतदान कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर देहात। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में सहायक निर्वाचन अधिकारी अजीत पांडेय की अध्यक्षता में पंचायत उप निर्वाचन मैथा विकासखंड के ग्राम पंचायत अरिमल न्यायी एवं रसूलाबाद के ग्राम पंचायत इटैली में प्रधान पद हेतु दिनांक 6 अगस्त को होने वाले निर्वाचन हेतु मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों के अनुसार मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी को निर्देशित किया गया। सभी मतदान कार्मिक प्रशिक्षण में दिये गये निर्देशों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। पोलिंग पार्टियां 5 अगस्त को रवाना होगी। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर सहित मतदान कार्मिक आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ के औचक निरीक्षण ने चार अधिकारी

हमीरपुर। आज सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने विकास भवन की औचक निरीक्षण किया जिसमे चार अधिकारी व चौदह कर्मचारी गायब पाये गये सभी का अग्रिम आदेशो तक बेतन रोकने की कार्यवाही की गयी है।जानकारी के मुताबिक सीडीओ ने दस बजकर दस मिनट के बाद विकास भवन का निरीक्षण किया जिसमे जिला कृषि अधिकारी डा.हरीशंकर,डीओ पीआरडी सिद्धार्थ,कृषि रक्षा अधिकारी,अपर जिला कृषि अधिकारी गैर हाजिर पाये गये इसी प्रकार चौदह कर्मचारी भी गायब पाये गये हैसभी का बेतन रोकने की संस्तुति कर दी गयी है। बताया जाता है कि विकास भवन से अधिकांश अधिकारी गायब रहतेहै यहा तक कि तीन बजे तक ज्यादातर आफिस खाली हो जाते है। कर्मचारी तो अधिकारी से पहले ही चले जाते है जिससे दूर दराज से आने वाली जनता निराश होकर वापस लौट जाती है। अधिकारियों के न रहने से शासन की छबि खराब हो रही है। हालाकि कई मर्तवा उच्चाधिकारी छापा मारा है मगर कोई सुधार नही हो पा रहा है।

परिवार रजिस्टर में फर्जी नाम दर्ज करने पर सचिव निलंबित

सुमेरपुर। परिवार रजिस्टर में हेराफेरी करके फर्जी नाम दर्ज कर नकल जारी करने के आरोप में जांच के बाद जिला विकास अधिकारी ने टेढ़ा के ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया है। जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत टेढ़ा में तैनाती के दौरान ग्राम विकास अधिकारी रामसेवक द्वारा पंचायत के परिवार रजिस्टर में कटिंग करके फर्जी ढंग से नाम दर्ज कर परिवार रजिस्टर की नकल जारी कर देने पर जांच के बाद निलंबित करके कुरारा विकासखंड में संबद्ध किया है। बताते हैं कि पंचायत सचिव ने जिसे फर्जी ढंग से परिवार रजिस्टर की नकल जारी की है। उसने फर्जी ढंग से वरासत कराकर करोड़ों रुपए की भूमि हड़प ली है। इसकी जांच कराई जा रही है। इस प्रकरण में राजस्व कर्मी भी संलिप्त बताए जा रहे हैं। बताते हैं कि 2022 में पंचायत सचिव ने परिवार रजिस्टर में फर्जीवाडा करके गांव निवासी सतीश श्रीवास्तव की जमीन पर कब्जा कराने का प्रयास किया था। इसकी शिकायत सतीश श्रीवास्तवए मानसिंह यादवए देवीदीन प्रजापतिए दीपू तिवारीए शत्रुघ्न तिवारी आदि ने जिलाधिकारी से की थी जांच के बाद मामला सही पाए जाने पर अब कार्यवाही का सिलसिला शुरू हुआ है।

शराब की दुकान से किशोरी, युवक व संचालक धर दबोचे गए

फर्रुखाबाद। पुलिस नें कथित हुक्का बार से किशोरी व युवक के साथ ही दुकान मालिक को उठाया है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।शहर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड़ स्थित एक कथित हुक्का बार से एक किशोरी व उसके साथी युवक के साथ पकड़ा। पुलिस नें दुकान मालिक को भी उठाया है। पुलिस के पंहुचने पर हड़कंप मच गया। तीन माह पूर्व भी पुलिस नें दी थी दबिश शहर कोतवाली नें मोहल्ला अमेठी कोहना इसी कथित हुक्का बार में दबिश देकर कई युवकों को हुक्का गुड़गुड़ाते पकड़ा था। पुलिस को यहीं से ही एक बोरी में हुक्का बार से सम्बन्धित सामान भी बरामद हुआ था। रेलवे रोड़ चौकी प्रभारी राजेश गौतम नें बताया कि बालिका और युवक को पकड़ा गया है। दुकान संचालक भी पुलिस के कब्जे में है। पुलिस जाँच कर रही है। शहर कोतवाल जेपी शर्मा नें बताया कि जाँच की जा रही है। जाँच के बाद कार्यवाही पर विचार होगा।

जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में जिला सेवायोजन कार्यालय कानपुर देहात द्वारा केन्द्रीय विद्यालय माती अकबरपुरए कानपुर देहात में छात्र.छात्रओं के लिए ऑन लाइन कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। काउन्सलर भारतीय वायु सेना के विंग कमाण्डर ए. गुणशेकर कमांडिंग ऑफीसर, 3 वायु सैनिक चयन केन्द्र वायु सेना स्टेशन चकेरी कानपुर द्वारा भारतीय वायु सेना की अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु के रूप में भर्ती किये जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन कैरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सीज डंपो से हो रही मौरंग की चोरी, प्रशासन को नहीं लग पाती भनक

फतेहपुर। खखरेरू थाना क्षेत्र के अंतर्गत कई स्थानों पर सीज पड़े मौरंग के डंपो से आए दिन मौरंग चोरी हो रही है। जिसकी भनक प्रशासन को भी नहीं लग पाती है। जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और रात भर चोरी का सिलसिला चलता है। बताते चलें कि बारिश के मौसम में मौरंग खदानों के बंद होने से पहले मौरंग माफियाओं द्वारा बड़ी मात्रा में जगह-जगह मौरंग के डंप लगाए जाते हैं। जिनका खनन विभाग की ओर से चालान व कार्रवाई की जाती है। तहसील क्षेत्र के कबरे, घरवासीपुर, मोईउद्दीनपुर मोड़ समेत अन्य स्थानों पर लगे मौरंग डंपों पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज कर दिया था। सूत्रों के अनुसार सीज मौरंग को भी माफिया नहीं छोड़ रहे हैं और प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में वाहन सहित जेसीबी मौरंग डंप स्थल पहुंच जाती है और रात भर मौरंग चोरी का सिलसिला जारी रहता है। शायद अब तक खनन समेत पुलिस विभाग को इनकी भनक नहीं लग सकी है।

जिलाधिकारी ने खरीफ गोष्ठी व तिलहन मेले का किया शुभारंभ

● मिलेट्स, तिलहन व दलहन फसलों के मिनीकिट व मृदा स्वास्थ्य कार्ड का कराया वितरण

फतेहपुर। शुक्रवार को प्रेक्षागृह सभागार में जनपद स्तरीय खरीफगोष्ठी के साथ कृषि सूचना तंत्र के सुदृणीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय किसान मेला, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खरीफ गोष्ठी व नेशनल मिशन आन एडिबिल आयल योजना के अंतर्गत खरीफ तिलहन मेले का आयोजन डीएम सी. इन्दुमती की अध्यक्षता में किया गया। डीएम के अलावा सीडीओ, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी ईईसी सहित तमाम अधिकारियों व प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। गोष्ठी में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए। डीएम ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उप कृषि निदेशक राम मिलन सिंह परिहार ने संचालन करते हुए कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कर अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। डीएम ने कृषकों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए अवगत कराया कि फसल क्राप कैलेंडर को कृषकों की मांग के अनुसार 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक शासन द्वारा विस्तार कर दिया गया है। कृषकों की उर्वरक की अधिक मांग के दृष्टिगत जनपद में अधिक केले के उत्पादन को देखते हुए केले की फसलों के क्षेत्रफल में जोड़कर शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। जिससे कृषकों की मांग के अनुसार गत वर्ष की अपेक्षा वर्तमान वर्ष में अधिक उर्वरक जनपद को उपलब्ध होगा। डीएम ने विद्युत समस्या के निदान हेतु अवगत कराया कि 11 केवी नया फीडर तैयार किया जा रहा है। जो तीन माह में बनकर तैयार हो जाएगा।

कीचड़ युक्त गलियों से निकलना हुआ दुश्वार

● ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन डीएम से की विकास कार्यों की मांग ● गंगागंज गुरौली में गौशाला में गायों की स्थिति हुई दयनीय, भूख प्यास से हो रही बीमार

गुरसहायगंज (कन्नौज)। गंगागंज गुरौली स्थित गौशाला में भूख प्यास तड़प रही गायों का बुरा हाल है। वही सिंहपुर में विकास कार्यो के अभाव में कीचड़ युक्त गलियों से ग्रामीणों का निकलना दुश्वार हो गया है। विकास कार्यों के नाम पर प्रधानों एवं सचिवों द्वारा गोलमाल का आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाया गया है। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन से जांच करवाए जाने एवं विकास कार्य करवाने की मांग की है। विडंबना है कि प्रदेश सरकार गौशालाओं में गायों की सुरक्षा हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं योजनाएं चला रही है। समय-समय पर अधिकारियों को गाइडलाइन भी दी

गौशाला में बीमार पड़ी गाय, कीचड़ युक्त पानी से निकलते एवं प्रदर्शन करते ग्रामीण।

जाती है। इसके बावजूद भी अधिकारी एवं जिम्मेदार ध्यान नहीं देते हैं। क्षेत्र के ग्राम गंगागंज गुरौली स्थित गौशाला में लगभग एक दर्जन पालतू गायों में एक गाय गंभीर रूप से घायल है और दूसरी गाय गाय भी बीमार होकर तड़प रही है। केयरटेकर मौके से गायब था उसके स्थान पर उसका उसका बच्चा गौशाला की सफाई कर रहा था। चारा के स्थान पर सूखा भूसा भी नहीं था। पूंछे जाने पर सचिव विमल दुबे ने कहा कि निरीक्षण किया जा चुका है। गायों का इलाज चल रहा है उधर तालग्राम ब्लाक के ग्राम सिंगपुर में विकास कार्यों एवं सफाई के अभाव में गलियां कीचड़ पानी से भरी है। कीचड़ युक्त गलियों से निकलना ग्रामीणों की मजबूरी है। ग्राम प्रधान पुष्पेंद्र एवं सचिव लगातार अनदेखी कर रहे हैं। अमृत सरोवर की सफाई का ध्यान नहीं रखा गया है। कूड़े के ढेर गांव की हर गली में लगे हुए हैं। इसके विरोध में ग्रामीण ओम प्रकाश, बांकेलाल, पूरन, राकेश चंद्र, सतीश, सावित्री, रेखा, डॉ. रामकेश सहित तमाम लोगों ने प्रधान एवं सचिन के विरुद्ध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने जिम्मेदारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए आने वाले बजट का बंदरबाट हो रहा है। ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से एक टीम भेज कर निरीक्षण करवाने एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

पुलिस नें अंतर्जनपदीय गिरोह के चार बदमाशों को दबोचा

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं क्षेत्राधिकारी छिबरामऊ ओमकार नाथ शर्मा के पर्यवेक्षण मे थाना छिबरामऊ पुलिस द्वारा घरों का ताला तोडकर चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के चार शातिर अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार कर चोरी हुए जेवरात व हजारों रूपये की नगदी बरामद की। शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुये बताया कि विगत 27 जुलाई को अरविन्द कुमार दुबे निवासी मोहल्ला नयी वस्ती भैनपुरा थाना छिबरामऊ ने अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोड़कर पॉच लाख रुपये के जेवरात, 54,600 की नगदी 12 कारतूस 12 बोर, कपड़े व अन्य सामान चोरी कर लिये थे। अज्ञात चोर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के क्रम में व साक्ष्य के आधार पर अभियुक्तगण अजीत जाटव पुत्र धनपाल जाटव निवासी ग्राम भारापुर थाना छिबरामऊ, शीलेश यादव पुत्र

चोरी की घटना का खुलासा करते एसपी व छिबरामऊ सीओ।

कालीचरन यादव निवासी गढी मदारी थाना पचोखरा फिरोजाबाद, सुशील जाटव पुत्र लल्लू सिंह निवासी ग्राम किनावर थाना विछवा मैनपुरी, दीपक जाटव पुत्र स्व. रामनरेश निवासी हलपुरा थाना दन्नाहार मैनपुरी को छिबरामऊ फर्रुखाबाद मार्ग पर स्थित इण्डियन आयल पैट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से अरविन्द कुमार दुबे (रिटायर्ड सैनिक) के घर से चोरी किये गये जेवरात व नगदी तथा 12 कारतूस 12 बोर व घटना में प्रयुक्त औजार व एक तमंचा 315 बोर व एक कारतूस बरामद हुआ। धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी अभियुक्तगण ने करीब एक 5 माह पूर्व चौकी सिकंदरपुर थाना छिबरामऊ क्षेत्र के ग्राम शाहजहांपुर में पंचायत घर से चोरी की घटना को अंजाम दिया था जिसके सम्बन्ध में थाना छिबरामऊ पर मुकदमा पंजीकृत है। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढोत्तरी कर अजीत जाटव व शीलेश यादव को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

नि:शुल्क लगवाएं स्मार्ट मीटर गलत बिलों से पाएं छुटकारा

फतेहपुर। दोआबा के बिजली उपभोक्ताओं को अब स्मार्ट मीटर से बिजली आपूर्ति देने की तैयारी तेजी पर है। पूरे जिले के बिजली उपभोक्ताओं के घरों में लगे डिजिटल मीटर को पहले हटाया जा रहा है। इसके बाद स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को मीटर रीडिंग की गड़बड़ी और गलत बिलों से छुटकारा मिल जाएगा, वहीं अधिकारी किसी भी मीटर का ऑनलाइन जायजा भी ले सकेंगे।

सदर एसडीओ इंजी. एमएम सिद्दीकी ने बताया कि स्मार्ट मीटर पूरे जिले के बिजली उपभोक्ताओं के यहां नि:शुल्क लगाए जाएंगे। पहले चरण में शहरी क्षेत्र को लिया गया है। शहर के अंदर सिविल लाइन में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरू हो चुका है, अभी तक करीब 600 से ऊपर उपभोक्ताओं के परिसर पर स्मार्ट मीटर स्थापित किया जा चुका है। बताया कि इस व्यवस्था से बिजली का लाइनलॉस काफी हद तक घटेगा। अभी तक डिजीटल मीटर से बिजली आपूर्ति दी जा रही हैं। इससे मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी, रीडिंग स्टोर करने के मामले थमने का नाम नहीं ले रही है। इस समस्या से निजात पाने को अब उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से आपूर्ति देने की तैयारी तेजी पर है। इसकी कवायद शुरू हो गई है, सभी डिजिटल मीटर को हटाया जाएगा, जिसके स्थान पर स्मार्ट मीटर से आपूर्ति मिलेगी।

स्मार्ट मीटर की ये हैं खूबियां: उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर पर लगी डिस्प्ले स्क्रीन के माध्यम से वर्तमान शेष बिजली बिल, बिजली की वर्तमान शेष राशि, पिछले महीने खपत बिजली की स्थिति का पता चल सकेगा। इसके जरिए उपभोक्ता बिजली की खपत को नियंत्रण में रख सकेंगे। फिलहाल अभी उपभोक्ताओं के लिए पोस्टपेड रीचार्ज की व्यवस्था दी जा रही है, बाद में इच्छुक लोगों को प्री-पेड व्यवस्था भी दी जाएगी।

जिला अस्पताल पहुंचे पूर्व केंद्रीय गृहराज्यमंत्री जनरल सर्जरी वार्ड सहित ओपीडी व ब्लड बैंक का किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। जिला अस्पताल एमसीएच विंग ओयल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी करने पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टैनी शुक्रवार को अस्पताल पहुचें। जहां उन्होनें अल्ट्रा साउण्ड रूम, एक्सरे रूम व पैथोलोजी सहित जनरल सर्जरी वार्ड, ओपीडी व बल्ड बैंक का भ्रमण कर मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी करी। इस दौरान सीएमओ डॉ सन्तोष गुप्ता, सीएमएस डॉ आरके कोली व सीएमएस एमसीएच विंग डॉ ज्योति मेहरोत्रा भी मौजूद रहीं।

शुक्रवार को करीब 11 बजे पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी जिला अस्पताल पहुचें, जहां सीएमएस डॉ ज्योति मेहरोत्रा द्वारा बुके देकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वह सीधे एक्स रे व अल्ट्रासाउण्ड कक्ष में पहुचें। जहां पर बैठे हुये मरीजों से उन्होनें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी की, उन्होनें एक महिला

मरीज से पूछा कि आप कहां रहती है, तो महिला मरीज ने अपने जिले का नाम सीतापुर बताया। इसके बाद वह पैथोलोजी पहुंचे जहां पर जांच कराने वाले मरीजों की भारी भीड़ दिखी। इस पर उन्होनें सीएमएस डॉ आरके कोली से मरीजों की संख्या के बारे में जानकारी की जिस पर उन्होनें बताया कि सिर्फखीरी जिले के ही नही बल्कि सीतापुर के मरीज भी बड़ी संख्या में चिकित्सालय में आकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते है। इसके बाद वह जरनल सर्जरी वार्ड पहुंचें यहां भी उन्होनें आपरेशन करा चुके मरीजों व उनके तीमारदारों से बात की और दवाओं के बारे में पूंछा जिस पर सभी ने अस्पताल से ही दवाएं मिलने की बात कही। इसके बाद वह डेंगू वार्ड पहुंचें। यहां की व्यवस्थाएं देखी, मरीजों के लगी मच्छरदानी के बारे में पूंछा जिस पर सीएमओ डॉ सन्तोष गुप्ता ने बताया कि डेंगू से पीड़ित मरीज को अगर मच्छर काटे और वह मच्छर दुबारा किसी सामान्य व्यक्ति को काट ले तो उसे भी डेंगू होने का खतरा बढ जाता है, इसीलिए इन मरीजों के लिए अलग वार्ड है और इन्हें मच्छरदानी में रखा जाता है।

देश में निर्माण होने पर जनहित याचिकाएं क्यों दायर की जाती हैं: शीर्ष अदालत हैरान

नई दिल्ली। विकास और पारिस्थितिकी संतुलन को महत्वपूर्ण बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस बात पर हैरानी जताई कि जब राजमार्ग जैसी ढांचागत परियोजनाएं शुरू की जाती हैं तो जनहित याचिकाएं (पीआईएल) क्यों दायर की जाती हैं? शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी गोवा में तिनैघाट-वास्को डी गामा मार्ग के वास्को डी गामा-कुलेम खंड पर रेलवे पटरियों के दोहरीकरण से जुड़े निर्माण कार्य पर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, हम केवल यह सोच रहे हैं कि ऐसा केवल इस देश में ही क्यों होता है कि जब आप हिमाचल प्रदेश में सड़क बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। जब आप राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, आप हमें एक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बताएं जहां रेलवे की सुविधा नहीं है। पीठ ने कहा, आल्प्स पर्वत पर जाएं और वे आपको ट्रेन में बर्फ के बीच से ले जाएंगे।

शीर्ष अदालत बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के अगस्त 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने रेलवे पटरी के दोहरीकरण के निर्माण से संबंधित एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में आरोप लगाया था कि निर्माण कार्य वर्ष 2011 के तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना, गोवा सिंचाई अधिनियम-1973, गोवा पंचायत राज अधिनियम-1994 और गोवा शहर एवं नगर नियोजन कानून के तहत पूर्व अनुमति प्राप्त करने के वैधानिक आदेश का उल्लंघन करके किया जा रहा था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह परियोजना गोवा में रेलवे नेटवर्क को मजबूत करेगी और सड़क परिवहन पर बोझ को कम करने में मदद करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने अनियोजित विकास के खतरों पर प्रकाश डालते हुए केरल के वायनाड जिले की हालिया घटना का जिक्र किया जहां भूस्खलन ने 195 लोगों की जान ले ली। गोवा में रेलवे लाइन परियोजना पर पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ हैं जो हर चीज की जांच करेंगे।

वकील ने कहा कि रेलवे लाइन पारिस्थितिकीय रूप से नाजुक क्षेत्र से होकर गुजरती है और याचिका को विकास विरोधी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पीठ ने कहा, विकास और पारिस्थितिकी संतुलन साथ-साथ चलने चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है। कोई भी अंधाधुंध विकास की इजाजत नहीं दे सकता। आखिरकार हम कानून के शासन द्वारा शासित हैं। पीठ ने वकील से कहा कि किसी बात को लेकर कोई अस्तित्वहीन या भ्रामक आशंका नहीं होनी चाहिए।

जब वकील ने तर्क दिया कि गोवा की तटरेखा पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र है तो पीठ ने कहा, आपका अंतिम तर्क यह है कि वहां रेलवे लाइन नहीं होनी चाहिए... जब शानदार वाहनों में लोग वहां जाते हैं तो आपको कोई समस्या नहीं होती। उनके पास आलीशान बंगले हैं, उनके पास बहुत सारी गाड़ियां हैं, लेकिन आपको कोई दिक्कत नहीं है। शीर्ष अदालत ने इसके बाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया।

दहेज हत्या मामले में पति को दस साल और सास व ससुर को सात-सात साल की सजा

बलिया। बलिया की एक स्थानीय अदालत ने दहेज हत्या के एक मामले में बृहस्पतिवार को मृतका के पति, सास और ससुर को दोषी करार देते हुए उन्हें क्रमश: दस साल औरसात - सात साल के कारावास की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने शुक्रवार को बताया कि अपर जिला जज रवि किरण सिंह की अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद पति धर्मेन्द्र वर्मा , ससुर बेचन प्रसाद वर्मा और सास मंजू देवी को दोषी करार देते हुए पति को दस साल और सास व ससुर को सात - सात साल के कारावास और प्रत्एक को तीन - तीन हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि बिहार राज्य के बक्सर जिले के काली नगर सोहनी के रहने वाले कृष्ण सिंह ने अपनी पुत्री शशि कला की शादी गत फरवरी 2012 में फेफना थाना क्षेत्र के कोपवा बहादुरपुर गांव के धर्मेन्द्र वर्मा के साथ की थी।

महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहिन योजना के खिलाफ याचिका, अदालत ने जल्द सुनवाई से इंकार किया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की महिलाओं के लिए नकद लाभ योजना मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिन योजना के खिलाफ एक चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि इससे करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। याचिकाकर्ता ने नौ जुलाई को इस योजना को शुरू करने वाले सरकारी प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की, जिसके तहत 21 से 65 आयु वर्ग की उन महिलाओं के बैंक खातों में 1,500 रुपए का मासिक भत्ता स्थानांतरित किया जाएगा, जिनकी पारिवारिक आय सालाना 2.5 लाख रुपए से कम है। इस योजना की घोषणा राज्य के बजट में की गई थी।

याचिकाकर्ता के वकील ओवैस पेचकर ने शुक्रवार को याचिका पर तत्काल सुनवाई और योजना के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश का अनुरोध किया, क्योंकि इस महीने के अंत में लाभार्थियों को राशि वितरित की जाएगी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि याचिका पर नियमित प्रक्रिया के अनुसार सुनवाई की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय ने कहा, नियमित प्रक्रिया की प्रणाली को निरर्थक न बनाएं। कहीं तोड़फोड़ की कार्वाई हो रही है या किसी को फांसी पर लटकाया जा रहा हो..तब अत्यावश्यक कार्यवाही होती है।

उच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, जनहित याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है। याचिकाकर्ता नवीद अब्दुल सईद मुल्ला ने दावा किया कि संबंधित सरकारी योजना के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करदाताओंराजकोष पर अतिरिक्त बोझ डाला जाता है, क्योंकि करों को अवसंरचना विकास के लिए एकत्र किया जाता है, न कि बेतुकी नकद योजनाओं के लिए।

उन्होंने कहा, ऐसी नकद लाभ योजनाएं, आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में मौजूदा गठबंधन सरकार में शामिल दलों की ओर से किसी खास वर्ग के मतदाताओं को किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में वोट के लिए रिश्वत या उपहार देने के समान हैं। याचिका में कहा गया कि ऐसी योजना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के विरुद्ध है और भ्रष्ट आचरण के समान है। याचिका में दावा किया गया कि महिलाओं के लिए इस योजना पर लगभग 4,600 करोड़ रुपए खर्च होंगे और यह महाराष्ट्र पर बहुत बड़ा बोझ है, जिस पर पहले से ही 7.8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने घाटल लोकसभा सीट के सभी कागजात, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया

कोलकाता।(भाषा) कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल के घाटल लोकसभा क्षेत्र में चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज और सीसीटीवी फुटेज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हिरण्मय चट्टोपाध्याय द्वारा दायर चुनाव याचिका के निपटारे तक सुरक्षित रखे जाएं। घाटल से तृणमूल कांग्रेस के दीपक अधिकारी को विजेता घोषित किया गया, जहां 25 मई को चुनाव हुए थे। अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव याचिका पर निर्णय होने तक, घाटल निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज, उपकरण, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) को ऐसे दस्तावेजों के संरक्षक प्राधिकारी द्वारा संरक्षित रखा जाए। न्यायमूर्ति बिवास पटनायक ने उच्च न्यायालय के संबंधित रजिस्ट्रार को इस आदेश की एक प्रति मुख्य निर्वाचन आयुक्त को देने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए याचिकाकर्ता के वकील के अनुरोध पर छह सितंबर को अगली सुनवाई में फैसला किया जाएगा।

भाजपा के हिरण्मय चट्टोपाध्याय और तृणमूल के दीपक अधिकारी दोनों ही फिल्म अभिनेता हैं और फिल्म जगत में क्रमश: हिरण और देव के नाम से चर्चित हैं। चट्टोपाध्याय के वकील बिलवदल भट्टाचार्य ने कहा कि याचिका में कथित भ्रष्ट आचरण के आधार पर चुनाव प्रक्रिया को चुनौती दी गई है।

उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों में सीसीटीवी फुटेज, ईवीएम और डीवीआर सहित रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए आदेश देने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति पटनायक ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया।

अदालत ने दूसरी बेटी को जन्म देने पर पत्नी की हत्या करने के जुर्म में पति को सुनाई मौत की सजा

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर की एक अदालत ने एक व्यक्ति को दो साल पहले अपनी पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या करने और छह वर्षीय बेटी की गला रेतकर हत्या करने की कोशिश करने के अपराध में मौत की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोषी संजीत दास (46) ने नौ जून, 2022 को इस अपराध को अंजाम दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने भुवनेश्वर के घाटिकिया इलाके में स्थित घर पर अपनी पत्नी सरस्वती की 33 बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। निजी अस्पताल में हेड नर्स के तौर पर काम करने वाली सरस्वती ने हत्या से कुछ दिन पहले ही दूसरी बेटी को जन्म दिया था। दास ने अपनी पहली बेटी (6) का भी गला रेत दिया था, लेकिन वह बच गई। दास को घटना के अगले ही दिन गिरफ्तार कर लिया गया था और फिर अक्टूबर, 2022 में उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था।

भुवनेश्वर की द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बंदना कार की अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसला सुनाते हुए इस अपराध को दुर्लभतम श्रेणी में रखा और कहा, ऐसे में दोषी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए... इसलिए यह अदालत दोषी को मौत की सजा सुनाती है। अदालत ने कहा कि पीड़िता के दूसरी बेटी को जन्म देने के कारण दोषी ने अपनी पत्नी की हत्या की और यही कारण था कि उसने पहली बेटी की भी हत्या करने की कोशिश की।

अदालत ने कहा कि ऐसे दुर्लभतम अपराध के लिए मृत्युदंड देना अन्य लोगों को हतोत्साहित करेगा, जो इस तरह के जघन्य अपराध को अंजाम देने के बारे में सोचते हैं। अदालत ने दास को आजीवन कारावास की भी सजा सुनाई है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी, बशर्ते की दोषी की सजा में संशोधन न हो, उसकी सजा बदलकर हल्की न कर दी जाए या सजा की अवधि न घटा दी जाए या माफी न दी जाए।

अदालत ने छह साल की बच्ची को लगे आघात पर टिप्पणी करते हुए कहा, वह बच्ची, जिसे भारतीय कानून की व्यवस्था फिल्मों में भी ऐसी भयावहता देखने की अनुमति नहीं देती है, उसे अपनी आंखों के सामने यह सब होते हुए देखना पड़ा। अदालत ने कहा, गर्व से वंदे मातरम गाने वाली छह साल की छोटी बच्ची के पिता ने ही उसका गला रेतने की कोशिश की। वह बच्ची जो शायद कार्टून छोटा भीम और डोरेमोन देखने का आनंद लेती होगी, उसे अपने ही पिता द्वारा मां की जघन्य हत्या देखनी पड़ी। अदालत ने कहा, हम उस बच्ची की गहन पीड़ा को नजरअंदाज नहीं कर सकते। वह घर जो उसके लिए एक सुरक्षित आश्रय था, लेकिन अब अकल्पनीय भयावहता का दृश्य बन गया है, जिसने उसकी सुरक्षा और विश्वास की भावना को चकनाचूर कर दिया है।

न्यायालय ने अंधविश्वास, जादू-टोना उन्मूलन के लिए कदम उठाने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अंधविश्वास, जादू-टोना और इसी तरह की अन्य प्रथाओं के उन्मूलन के लिए केंद्र और राज्यों को उचित कदम उठाने के निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि अंधविश्वास को खत्म करने का उपाय शिक्षा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में संसद को हस्तक्षेप करना चाहिए। पीठ ने कहा, हम यह आदेश कैसे जारी कर सकते हैं कि वैज्ञानिक सोच विकसित करने और अंधविश्वास को खत्म करने के लिए कदम उठाए जाएं। संविधान निर्माताओं ने यह सब राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में शामिल किया था। पीठ द्वारा मामले पर सुनवाई से इनकार करने के बाद याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिका वापस ले ली।

ओडिशा की अदालत ने हत्याकाण्ड में 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

बेरहामपुर (ओडिशा)। ओडिशा के गजपति जिले की एक अदालत ने करीब 15 वर्ष पहले एक व्यक्ति की हत्या के मामले में 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) प्रदीप कुमार सामल ने बृहस्पतिवार को कुल 16 आरोपियों को 12 मार्च 2009 को होली के दिन पुरानी रंजिश के कारण सिबा नागाबांसा की परलाखेमुंडी के घासी साही स्थित उसके आवास पर बुरी तरह पिटाई करने के मामले में दोषी ठहराया। पिटाई से उसकी मौत हो गई थी। लोक अभियोजक ब्रुंदाबन नायक ने बताया कि दो आरोपियों की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि 14 अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। नायक ने बताया कि अदालत ने दोनों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। नायक ने बताया कि आरोपियों ने होली खेलने के बाद गहरी नींद में सो रहे सामल के घर में घुसकर उस पर हमला कर दिया था। छह दिन बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसी दिन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। नौ अगस्त 2010 को पुलिस ने आरोपपत्र दायर किया था और आरोपी जमानत पर थे।

जरांगे के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द

पुणे। पुणे की एक अदालत ने कथित धोखाधड़ी के एक मामले में आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) शुक्रवार को रद्द कर दिया। जरांगे 23 जुलाई को अदालत में पेश नहीं हुए थे जिसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) की अदालत ने 2013 के धोखाधड़ी के एक मामले में जरांगे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। आरक्षण कार्यकर्ता शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) के समक्ष पेश हुए, वहीं उनके वकील हर्षद निंबालकर ने एक अर्जी दाखिल करके गैर जमानती वारंट रद्द करने का अनुरोध किया। अदालत ने अर्जी स्वीकार कर ली और जारंगे के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट को रद्द कर दिया। जरांगे और दो अन्य के खिलाफ 2013 में भारतीय दंड संहिता की धारा 420(धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया था। (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया था। जरांगे और सह-आरोपी ने 2012 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था। यह व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज पर नाटकों का मंचन करता था और उन लोगों ने उसे जालना जिले में शंभुराजे के छह शो करने और उसे 30 लाख रुपए की पेशकश की थी। मामले के अनुसार 16 लाख रुपए का भुगतान तो कर दिया गया लेकिन बाकी पैसे को लेकर कुछ विवाद हुआ जिसके बाद शिकायत दर्ज की गई। इसके बाद अदालत ने पुलिस को मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

अदालत ने कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत को लेकर पुलिस, एमसीडी को फटकार लगाई

नई दिल्ली।दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत होने की घटना पर शुक्रवार को पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाई और कहा कि वह यह समझ नहीं पा रही है कि विद्यार्थी बाहर कैसे नहीं आ सके। पीठ ने सवाल किया कि एमसीडी अधिकारियों ने क्षेत्र में बरसाती नालों के ठीक ढंग से काम नहीं करने के बारे में आयुक्त को सूचित क्यों नहीं किया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक सामान्य बात हो गई है। अदालत ने पुलिस पर कटाक्ष करते हुए कहा, जिस तरह से आपने वाहन चालक को वहां कार चलाने के लिए गिरफ्तार किया, गनीमत है कि आपने बेसमेंट में घुसने वाले बारिश के पानी का चालान नहीं काटा।

ट्रांसजेंडर के रक्तदान पर रोक लगाने संबंधी निर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें ट्रांसजेंडर, समलैंगिक और यौनकर्मियों को रक्तदान करने से रोकने वाले दिशानिर्देशों को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद को नोटिस जारी किए। शीर्ष अदालत कार्यकर्ता शरीफ डी रंगनेकर द्वारा 2017 के दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिशा निर्देश में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों (एमएसएम) और महिला यौनकर्मियों को रक्तदाता बनने से बाहर रखा गया है। वर्ष 2017 के दिशानिर्देश एचआईवी और हेपेटाइटिस संक्रमण या ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इंफेक्शन (टीटीआई) के जोखिम के कारण इन्हें रक्तदाता बनने से स्थाई रूप से रोकते हैं।

एशियानेट न्यूज नेटवर्क के खिलाफ दिव्या स्पंदना के मानहानि के मामले को रद्द करने से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अभिनेत्री-राजनेता दिव्या स्पंदना द्वारा एशियानेट न्यूज नेटवर्क और पत्रकार विश्वेश्वर भट के खिलाफ दायर मानहानि का मामला रद्द करने से इनकार कर दिया। स्पंदना ने एशियानेट न्यूज और अन्य के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने सट्टेबाजी और स्पॉट फिक्सिंग कांड में कन्नड़ फिल्म अभिनेत्रियों की कथित संलिप्तता की खबर प्रसारित की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि समाचार प्रसारित होने के दौरान शिकायतकर्ता का नाम बार-बार लिया गया तथा उनके फोटो और वीडियो दिखाए गए।

स्पंदना द्वारा दायर शिकायत में विशेष रूप से कहा गया है कि समाचार को इस तरह से प्रसारित किया जा रहा था, जैसे शिकायतकर्ता स्वयं कथित क्रिकेट सट्टेबाजी या स्पॉट फिक्सिंग कांड में शामिल हो। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़

और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कार्यवाही रद्द करने से इनकार करने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

पीठ ने कहा, उनका (स्पंदना का) बार-बार बुलेटिन में उल्लेख किया गया है, हम आदेश को कैसे रद्द कर सकते हैं? हम इस पर विचार नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत एशियानेट न्यूज नेटवर्क और अन्य द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रही थी।

शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन: न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा से स्थिति को और खराब न करने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सहित अन्य मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से संपर्क करने के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित करने के वास्ते कुछ तटस्थ व्यक्तियों के नाम सुझाएं। न्यायालय ने कहा कि किसी को भी स्थिति को बिगाड़ना नहीं चाहिए। न्यायालय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को अपनी शिकायतें व्यक्त करने का अधिकार है और वह सभी पक्षों को शामिल करते हुए बातचीत की एक सहज शुरुआत चाहता है।

शीर्ष अदालत पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें राज्य सरकार को एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर बैरिकेड हटाने के लिए कहा गया था, जहां प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा, किसी को भी स्थिति को और बिगाड़ना नहीं चाहिए। उनकी (किसानों) भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं, लेकिन एक राज्य के रूप में... आप उन्हें समझाने की कोशिश करें कि जहां तक ट्रैक्टरों, जेसीबी मशीनों और अन्य कृषि उपकरणों का सवाल है, उन्हें उन जगहों पर ले जाएं जहां उनकी जरूरत है जैसे खेत या कृषि भूमि में।

पीठ ने कहा, हां, लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन्हें अपनी शिकायतें व्यक्त करने का अधिकार है। ए शिकायतें अपने स्थान पर रहकर भी व्यक्त की जा सकती हैं। न्यायालय ने 24 जुलाई को मामले की सुनवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों से संपर्क करने और उनकी मांगों का समाधान करने के लिए प्रतिष्ठित लोगों की एक स्वतंत्र समिति के गठन का प्रस्ताव रखा था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, हरियाणा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्होंने 24 जुलाई के अदालत के निर्देशानुसार इस पर काम शुरू कर दिया है।

पंजाब की ओर से पेश वकील ने चरणबद्ध तरीके से राजमार्ग खोलने का उल्लेख किया। पीठ ने कहा, आप अपने प्रस्ताव का आदान-प्रदान क्यों नहीं करते? हर बार दो राज्यों के बीच लड़ाई होना जरूरी नहीं है। मेहता ने दलील दी कि कोई राज्य यह नहीं कह सकता कि किसानों को देश की राजधानी में जाने दिया जाए। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी होने के बावजूद किसान उच्च न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हुए। पीठ ने कहा, हम सभी पक्षों के बीच बातचीत की प्रक्रिया के संदर्भ में एक बहुत ही सहज शुरुआत चाहते हैं। पीठ ने राज्यों से समिति में शामिल किए जा सकने वाले लोगों के कुछ नाम सुझाने को कहा।

पेज 1 का शेष

कोचिंग सेंटर...

चालक मनुज कथूरिया पर आरोप था कि वह 27 जुलाई को अपना वाहन लेकर जलमग्न सड़क से गुजरे थे जिससे पानी तीन मंजिला इमारत के गेट से टकराया और इससे गेट टूट गया जहां कोचिंग सेंटर स्थित था। आरोप था कि इससे इमारत के बेसमेंट में पानी भर गया जिसमें डूबने से तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई। अदालत ने छात्रों के डूबने की घटना को लेकर पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि वह यह समझ पाने में असमर्थ है कि छात्र बाहर कैसे नहीं आ सके। अदालत ने साथ ही यह भी जानना चाहा कि क्या दरवाजे अवरुद्ध थे या सीढ़ियां संकरी थीं। पीठ ने कहा कि प्रशासनिक तौर पर दिल्ली में कई प्राधिकारी हैं जो केवल जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे हैं और इसके अलावा कुछ कर नहीं रहे हैं। इसने कहा कि आम धारणा यह है कि नगर निगम के अधिकारी अक्षम हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली में भौतिक बुनियादी ढांचा करीब 75 साल पुराना है और यह न केवल अपर्याप्त है, बल्कि इसका रखरखाव भी ठीक से नहीं किया जाता। अदालत में मौजूद एमसीडी आयुक्त द्वारा यह बताए जाने पर कि इलाके में बरसाती नालों से पानी की निकासी ठीक ढंग से नहीं हो रही थी, पीठ ने सवाल किया कि अधिकारियों ने एमसीडी प्रमुख को इस बारे में पहले क्यों नहीं बताया। पीठ ने राजेंद्र नगर क्षेत्र में अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण को हटाने का भी आदेश दिया, जिसमें बरसाती नालों और सीवेज नालों पर किया गया अतिक्रमण भी शामिल है। इसने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक आम बात हो गई है। अदालत ने कहा कि दिल्ली की आबादी बढ़ने के साथ ही शहर को एक मजबूत व्यवस्था की जरूरत है और विभिन्न सब्सिडी योजनाओं के कारण राष्ट्रीय राजधानी में पलायन भी बढ़ रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय और भौतिक बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने का समय आ गया है। पीठ ने इस मुद्दे से निपटने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। इस बीच, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने राजेंद्र नगर में स्थित कोचिंग सेंटर में हुई मौतों के विरोध में अपना प्रदर्शन शुक्रवार को छठे दिन भी जारी रखा। वहीं, प्रदर्शन स्थल पर कई छात्र पढ़ाई करते देखे गए।सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे गौतम ने कहा, हम अपना विरोध जारी रखेंगे, लेकिन हमारे लिए पढ़ाई भी महत्वपूर्ण है। इसलिए विरोध स्थल पर बैठे लोग अपनी अध्ययन सामग्री लेकर आए हैं। इस बीच, कम से कम चार यूपीएससी कोचिंग संस्थानों- वाजीराम एंड रवि इंस्टिट्यूट, दृष्टि आईएएस, नेक्स्ट आईएएस और श्रीराम आईएएस ने बेसमेंट घटना में जान गंवाने वाले तीन विद्यार्थियों- श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की सहायता राशि देने की पेशकश की। इन तीनों छात्रों की 27 जुलाई को ओल्ड राजेंद्र नगर में राऊआईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने से मौत हो गई थी।

नीट-यूजी...

सोशल मीडिया या इंटरनेट का उपयोग करके व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था, या परिष्कृत इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके छात्रों को उत्तर बताए जा रहे थे। पता लगाना कठिन साबित हो सकता है।पीठ ने कहा, हजारीबाग और पटना में लीक से लाभान्वित होने वाले छात्रों की पहचान की जा सकती है। सीबीआई जांच से इस स्तर पर उन छात्रों की संख्या का पता चलता है जो हजारीबाग और पटना में कदाचार के लाभार्थी हैं। इससे हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यह है कदाचार या धोखाधड़ी के लाभार्थियों को ईमानदार छात्रों से अलग करना संभव है, इस मामले में, अदालत दोबारा परीक्षा का निर्देश नहीं दे सकती। कोर्ट ने कहा कि पेपर पटना और हज़ारीबाग़ में लीक हुआ था. एक केंद्र में, स्ट्रांग रूम का पिछला दरवाजा खोला गया था और अनधिकृत व्यक्तियों को प्रश्न पत्रों तक पहुंचने की अनुमति दी गई थी। यह इंगित करता है कि सुरक्षा में गंभीर चूक हुई है और सुरक्षा उपाय जो कड़े और प्रभावी हैं उन्हें एनटीए द्वारा लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, पता चला कि प्रश्नपत्र कभी-कभी ई-रिक्शा में ले जाए जाते थे और निजी कूरियर कंपनियों की सेवाओं का लाभ उठाया जाता था।पीठ ने कहा, चिंता का एक और मुद्दा यह है कि एनटीए परीक्षा के लिए पर्यवेक्षक बनने के लिए उन लोगों पर निर्भर करता है जिन पर वह प्रत्यक्ष निगरानी नहीं रखता है। ऐसे कई तरीके हैं जिन्हें पर्यवेक्षकों पर उचित निगरानी सुनिश्चित करने और अनुचित साधनों के उपयोग की संभावना को कम करने के लिए अपनाया जा सकता है। सभी मुद्दों से संकेत मिलता है कि कदाचार और धोखाधड़ी की संभावना को कम करने और प्रश्न पत्रों तक निजी व्यक्तियों की पहुंच को कम करने के लिए सुरक्षा को कड़ा किया जाना चाहिए।

नीट से पहले...

लिए नीट की शुरूआत एक आवश्यक सुधार था। मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान नीट लाए जाने से पहले चिकित्सा शिक्षा में भ्रष्टाचार व्याप्त था। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनईईटी से पहले, चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र गंभीर कदाचार से ग्रस्त था, जिसमें 8 करोड़ रुपये से 13 करोड़ रुपये तक की अत्यधिक रकम के लिए स्नातकोत्तर सीटों की बिक्री भी शामिल थी।नड्डा ने कहा, मेडिकल शिक्षा एक व्यवसाय का अड्डा बन गई थी। जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था और नीट ला रहा था तो पोस्ट ग्रेजुएशन की एक सीट 8 करोड़ रुपये में बेची गई थी और अगर आपको रेडियोलॉजी जैसे विषय का चयन करना था तो यह 12-13 करोड़ रुपये था।

आशा किरण...

नहीं सौंपा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अब तक 28 मानसिक रूप से बीमार कैदियों की मौत हो चुकी है। जुलाई में हुई कुल 14 मौतों में से 10 मौतें महीने के आखिरी हिस्से में हुईं, जिनमें एक 14 साल के लड़के की मौत भी शामिल है। शेल्टर होम की मेडिकल केयर यूनिट के मुताबिक, ज्यादातर मृतकों को सांस लेने में दिक्कत और दस्त की शिकायत थी।एलजी ने दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी शेल्टर होम की स्थिति पर एक व्यापक जांच का आदेश दिया और एक सप्ताह के भीतर जिम्मेदारी तय करने वाली रिपोर्ट पेश की।

दुश्मनों ने...

'पड़ोस के चार लोग - अंकित, गौरव, करण और आकाश - घर आए और मेरे बेटे को अपने साथ ले गए।' 18 जुलाई की शाम वे उसे गांव के बाहर खेत की ओर ले गए और उसकी पिटाई की; फिर उसके गले में रस्सी डालकर उसका गला घोंट दिया और उसे गड्ढे में मरने के लिए छोड़ दिया। फिर, एक चमत्कार हुआ। खून की गंध आने पर आवारा कुत्तों के झुंड ने मिट्टी खोदी। मेरा बेटा बेहोश था, और जैसे ही कुत्तों ने उसे खींचना शुरू किया, वह होश में आ गया। बाद में हम उसे अस्पताल ले गए जहां वह ठीक हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 18 जुलाई को इलाके में दो समूहों के बीच विवाद हुआ था और रूप ने एक व्यक्ति द्वारा अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई थी।

52 साल बाद

आगे था। दूसरे क्वार्टर में आस्ट्रेलियाई टीम ने आक्रामक तेवरों के साथ वापसी की और चौथे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया। इस पर गोवर्स ब्लैक के शॉट को श्रीजेश ने बड़ी चतुराई से बचाया। अगले ही पल एक और पेनल्टी कॉर्नर पर भी यही कहानी रही लेकिन शॉट शार्प लाचलान का था। आस्ट्रेलिया के लिए पहला गोल 25वें मिनट में क्रेग थॉमस ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। भारत को अगले मिनट पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत गोल नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर में भारत को दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत का शॉट बचा लिया गया। भारतीय टीम ने वीडियो रेफरल लिया जिसके बाद भारत को पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया और भारतीय कप्तान ने टूर्नामेंट का अपना छठा गोल करके भारत को 3 .। से बढत दिला दी। भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति ने अभिषेक की अगुवाई में हमले बोलने का सिलसिला जारी रखा और दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम अपने कमजोर पेनल्टी कॉर्नर से जूझती रही। आस्ट्रेलिया को 45वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर भी बेकार गया। आखिरी पंद्रह मिनट में आस्ट्रेलिया ने वापसी की भरसक कोशिशें की लेकिन भारत ने 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया। हरमनप्रीत इस पर हालांकि गोल नहीं कर सके। दो मिनट बार भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर अमित रोहिदास की फ्लिक को आस्ट्रेलियाई डिफेंडर ने बचा लिया। भारत के लिए इसी मिनट अभिषेक ने गोल कर दिया था लेकिन आस्ट्रेलिया के वीडियो रेफरल पर उसे अमान्य कर दिया गया। आस्ट्रेलिया को 55वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर गोवर्स ने गोल करके आखिरी पांच मिनट के खेल को रोमांचक बना दिया।भारतीय डिफेंस ने आखिरी पांच मिनट जबर्दस्त संयम का प्रदर्शन करते हुए आस्ट्रेलिया के नामचीन स्ट्राइकरों को कोई मौका नहीं दिया।

जवाबदेही से बचने को राहुल उठा रहे हैं काल्पनिक मुद्दे: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी की ओर से अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी का दावा करने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि वायनाड से सांसद के रूप में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे हैं। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि हो सकता है कि राहुल गांधी से कहा गया हो कि लोग उनकी जवाबदेही के बारे में सवाल पूछ रहे हैं, इसलिए उन्होंने एक नया विमर्श गढ़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि गांधी ने वायनाड से जुड़े सवालों से बचने के लिए एक काल्पनिक मुद्दा उठाया है। उन्होंने दावा किया कि लोग उनकी जवाबदेही के बारे में पूछ रहे हैं। विपक्ष के नेता के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के नेता ललन सिंह ने कहा कि गांधी ने कुछ ऐसा किया होगा तभी उन्हें लग रहा है कि उनके खिलाफ इस प्रकार की कार्वाई हो सकती है।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अगर किसी ने कोई गलत नहीं किया है तो उसे कुछ क्यों होगा? गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में वायनाड से चुने गए थे। साल 2024 के चुनाव में उन्होंने वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया और रायबरेली सीट बरकरार रखी।कांग्रेस ने घोषणा की है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। दोनों भाई-बहन फिलहाल वायनाड के दौरे पर हैं जहां वे प्रभावित परिवारों से मिल रहे हैं।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, जाहिर है कि 2 इन। को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट। चंद्रशेखर ने कहा कि आपदा में 300 से अधिक लोगों की मौत सिर्फ त्रासदी नहीं बल्कि एक अपराध है। उन्होंने कहा कि मरने वालों में ज्यादातर गरीब हैं।

मेरे खिलाफ ईडी की छापेमारी की तैयारी, खुले दिल से इंतजार कर रहा हूं: राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन मे चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है।उन्होने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगो का खुले दिल से इंतजार कर रहे है तथा उन्हे वह अपनी तरफ से चाय- बिस्कुट पेश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के इस दावे को लेकर कहा कि वायनाड से सांसद के रूप मे अपनी जवाबदेही से लोगो का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे है। राहुल गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावो मे वायनाड से चुने गए थे। उन्होने इस बार वायनाड के साथ ही रायबरेली से भी चुनाव लड़ा था और दोनो सीटों पर जीत दर्ज की थी। बाद मे उन्होने वायनाड सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने घोषणा की है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा वायनाड से उपचुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, जाहिर है कि 2 इन।

राहुल को जाति बताए बिना गणना कराने का फॉर्मूला बताना चाहिए : हिमंत

भाषा। जमशेदपुर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि अपनी जाति का खुलासा किए बिना जाति आधारित गणना कैसे संभव है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कहा कि यदि उनके पास इस संबंध में कोई फॉर्मूला है, तो वह लोगों को बताएं। झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी शर्मा ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में दावा किया कि राहुल गांधी देश में जाति आधारित गणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपनी जाति का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा, हम गांधी से यह जानना चाहेंगे कि अपनी जाति बताए बिना जाति आधारित गणना कराने का फार्मूला क्या है। शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि राहुल गांधी सदन में यह फार्मूला बताएं, फिर मुद्दों पर फैसला हो सकता है। उन्होंने कहा, बिहार सरकार ने जाति आधारित सर्वेक्षण कराया। यह पूरे देश में कराया जाएगा या नहीं, यह अलग बात है। लेकिन जाति बताए बिना यह कैसे संभव होगा? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जाति पूछ सकते हैं, लेकिन हम उनकी जाति के बारे में सवाल नहीं कर सकते। मंगलवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा नेता अनुराग ठाकुर द्वारा जाति को लेकर गांधी पर निशाना साधेजाने के बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बहस छिड़ गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने ठाकुर पर उनका अपमान करने का आरोप लगाया था।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत

पटना। बिहार के चार जिलों में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि राज्य की राजधानी पटना और औरंगाबाद में तीन-तीन मौतें हुईं, जबकि नवादा और सारण में एक-एक व्यक्ति की जान चली गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मौतों पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। कुमार ने लोगों से अपील की कि वे आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी परामर्श का पालन करें। राज्य के चार जिलों में बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में विषाक्त भोजन से दो बच्चों की मौत, 15 बीमार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले मे एक शादी समारोह में कथित तौर पर विषाक्त भोजन के कारण दो बच्चों की मौत हो गई और 15 अन्य बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल उधमपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजीव शर्मा ने कहा, बच्चो मे अत्यधिक उल्टी और दस्त के लक्षण थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉ. शर्मा ने कहा, वे गोरधी इलाके मे एक शादी समारोह में शामिल हुए थे जिससे विषाक्त भोजन होने का संकेत मिलता है। अस्पताल में 15 बच्चो को भर्ती कराया गया जिनमे से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हे जम्मू के जीएमसी अस्पताल में रेफर किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा, दुर्भाग्य से अस्पताल पहुंचने पर दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। समान लक्षण वाले और भी बच्चो को जम्मू के अस्पतालो मे स्थानांतरित किया जा रहा है, जबकि अन्य का उधमपुर के जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

डिजाइन यौर डेस्टिनी कार्यक्रम का आयोजन

गाजियाबाद। आध्यात्मिक मार्गदर्शक और कोच साक्षी श्री ने हाल ही में डिज़ाइन योर डेस्टिनी शीर्षक से एक परिवर्तनकारी वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं और व्यक्तियों को सभी आयु समूहों के माध्यम से ध्यान तकनीकों से सशक्त करना था। होटल मुकुट रीजेंसी में आयोजित इस वर्कशॉप ने ध्यान की गहरी प्रभावीति को बताया, जिससे जीवन की चुनौतियों को सामना करने और अपने अभिजात पोटेंशियल को अनलॉक करने में सहायक होता है।आज की तेज गति वाली दुनिया में, जहां तनाव और अनिश्चितता अक्सर प्रामुख्यता रखती हैं, साक्षी श्री ने आंतरिक परिवर्तन और सचेतता की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर किया।

सिम्पोलो विट्रिफाइड का यूपी में

ललितपुर। सिम्पोलो विट्रिफाइड, भारतीय सिरेमिक उद्योग में अग्रणी ब्रांड है, जिसे सबसे नवीन ब्रांड और बड़े प्रारूप वाले सिंटर्ड कॉम्पैक्ट सतहों और 16/20 मिमी मोटाई वाली आउटडोर टाइल्स, किचन प्लेटफॉर्म टाइल्स और कई तरह के अग्रणी अन्य उत्पादों के लिए जाना जाता है। सिम्पोलो विट्रिफाइड ने वी के ट्रेडर्स, एसडीपीएस स्कूल के पास, बड़ी नेहर पनारी रोड, रावतयाना, ललितपुर, उत्तर प्रदेश - 284403 में 5000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में अपनी विशेष टाइल्स और सेनेटरी वेयर गैलरी का उद्घाटन किया है। संजीव सिंह (जीएम-नॉर्थ 2) ने कहा, ललितपुर अपने परिष्कृत स्वाद और सौंदर्यशास्त्र के प्रति गहरी नजर के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) भरत अघारा भी मौजूद रहे।

ऑयलर ने किया विस्तार

नोएडा। इलेक्ट्रिक कॉमर्शियल वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ऑयलर मोटर्स ने स्मार्ट सोल्यूशंस के साथ साझेदारी में गौतमबुद्ध नगरए नोएडा के सेक्टर-63 में अपनी पहली डीलरशिप खोली है। पूरे देश में कंपनी की यह 21वीं डीलरशिप है और कमर्शियल ईवी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी अपनी रिटेल उपस्थिति का दायरा बढ़ा रही है। नए शोरूम में ऑयलर मोटर्स के प्रमुख थ्री व्हीलर कमर्शियल वाहन. हाईलोड ईवी को प्रदर्शित किया जाएगाए जिसे 30 फ़ीसदी ज्यादा आमदनी और मुनाफ़ा देने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। ऑयलर मोटर्स के फ़ाउंडर और सीईओ सौरव कुमार ने कहा कि हम नोएडा में पहली डीलरशिप खोलकर काफ़ी उत्साहित हैं। यहां हम उपभोक्ताओं का कारोबार बढ़ाने के लिए उनके लिए नए ईवी समाधान पेश कर रहे हैं। ऑयलर मोटर्स वित्त वर्ष 2025 के अंत तक कर्मिशयल ईवी मार्केट का 15 फ़ीसदी हिस्सा हासिल करने के अपने मिशन से तालमेल बनाकर काम कर रहा है।

मोदी सरकार केंद्र-राज्य समन्वय को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में काम कर रही: शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में काम कर रही है जिससे अधिक संख्या में लोगों तक सेवाएं और समाधान पहुंच सकें।केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी शुक्रवार को शुरू हुए राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन में की। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन और अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की।शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, आज राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के सम्मेलन में हिस्सा लिया। मोदी सरकार राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय को और भी अधिक सुलभ बनाने की दिशा में काम कर रही है ताकि सेवाओं और समाधानों के साथ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा जा सके। गृहमंत्री ने कहा कि यह मंच न केवल राज्यों के संवैधानिक प्रमुखों के लिए एक स्थान पर एकत्र होने का मौका देता बल्कि विचारों के आदान-प्रदान का मौका भी देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में राज्यपालों से आग्रह किया कि वे केन्द्र और राज्य के बीच एक प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस प्रकार से संवाद करें जिससे वंचितों को भी समावेशित किया जा सके। राष्ट्रपति मुर्मू ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने राज्यपालों को इस पर भी विचार करने की सलाह दी कि वे कैसे अपने-अपने राज्यों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में इस समन्वय को बढ़ावा दे सकते हैं।

क्विक न्यूज

वेणुगोपाल का नड्डा को पत्र: केरल के नीट-पीजी अभ्यर्थियों के लिए राज्य में परीक्षा केंद्र का आग्रह

नई दिल्ली। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा से आग्रह किया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-पीजी के लिए केरल के विद्यार्थियों के लिए उनके राज्य के भीतर या आस-पास के स्थानों में परीक्षा केंद्र सुनिश्चित किए जाएं। केरल के अलप्पुझा से सांसद ने नड्डा को पत्र लिखकर कहा कि केरल और अन्य जगहो के कई उम्मीदवारों के परीक्षा केंद्रों और तारीखों को लेकर परेशान करने वाले और अव्यावहारिक बदलाव किए गए है। उन्होंने कहा कि इसमें सुधार की जरूरत है। वेणुगोपाल ने कहा, नीट-पीजी परीक्षा कई बार स्थगित की जा चुकी है। हाल ही मे, परीक्षा को 11 अगस्त को पुनर्निर्धारित किया गया था। 19 जुलाई को, उम्मीदवारों को नए परीक्षा केंद्रों का चयन करने के लिए कहा गया था। परेशान करने वाली बात यह है कि केरल के उम्मीदवारों को राज्य के भीतर सीमित विकल्प और आंध्र प्रदेश जैसे दूर के स्थानों मे एक अनिवार्य चौथा विकल्प प्रदान किया गया। उन्होंने कहा, इस आश्वासन के बावजूद कि परीक्षा केंद्रों का विवरण 29 जुलाई को जारी किया जाएगा, उम्मीदवारों को 31 जुलाई को ईमेल प्राप्त हुए, जिसमें केवल शहर के नाम का संकेत दिया गया। वेणुगोपाल ने बताया कि परीक्षा केंद्र विवरण का खुलासा परीक्षा से ठीक तीन दिन पहले 8 अगस्त को किया जाना है। उन्होंने कहा, इस स्थिति के कारण केरल के लगभग 1,000 अभ्यर्थियों को आंध्र प्रदेश के तिरुपति और विशाखापत्तनम जैसे स्थानों में परीक्षा केंद्रों और कई अन्य लोगों को इसी तरह की परिस्थितियों मे छोड़ दिया गया है। परीक्षा की तारीख से सिर्फ 11 दिन पहले परीक्षा केंद्रों की घोषणा ने महत्वपूर्ण तार्किक चुनौतियां पैदा की है।

आयुष मंत्रालय नेचुरोपैथी का करेगा समग्र विकास : प्रतापराव जाधव'

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफइंडिया में सूर्या फ़ाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार प्रतापराव जाधव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह का उद्घाटन आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। समारोह में 200 से अधिक योग प्राकृतिक चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त राजू बिष्ट एवं भोलासिंहदोनों सांसद, कोस्तुभ कर्माकर वेद जी वॉइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन,डॉ. डी. एन. शर्मा व डॉ आर एस डबास दोनों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बिजय राज शिन्दे पूर्व विद्यायक बुलढाना महाराष्ट्रा, नन्द किशोर अग्रवाल अध्यक्ष व मामराज अग्रवाल, बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर दिल्ली तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा योग की अन्य संस्थओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुये। समारोह में विशिष्ठ अतिथि के रूप में दार्जिलिंग के सांसद श्री राजूबिष्ट एवं बुलन्दशहर के सांसद डॉ भोलासिंह ने उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि पद्मश्री जयप्रकाश पिछले तीन दशकों से प्राकृतिक चिकित्सा योग के समग्र विकास हेतु श्रेष्ठ व सराहनीय योगदान दे रहे है। हम भी संसद में प्राकृतिक चिकित्सा के विकास हेतु आवाज बुलंन्द करेगें। अभिनंदन समारोह के अध्यक्ष व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनंत बिरादार ने आयुष मंत्रालय व नेशनल आयुष मिशन द्वारा पिछले 8 वर्षों में नेचुरोपैथी के लिए किये गये रचनात्मक कार्यों हेतु आयुष मंत्री व आयुष सचिव का आभार प्रकट किया।

कस्तूरीरंगन रिपोर्ट खारिज करने पर वन मंत्री से बातचीत के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा: सिद्धरमैया

मेदिकेरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने पश्चिमी घाट पर कस्तूरीरंगन रिपोर्ट को खारिज करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस संबंध मे अंतिम निर्णय वन मंत्री ईश्वर खांडरे के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली पश्चिमी घाट समिति ने प्रस्ताव दिया है कि पश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल का 37 प्रतिशत भाग पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित किया जाए। सैंतीस प्रतिशत क्षेत्र लगभग 60,000 वर्ग किलोमीटर के बराबर है। साठ हजार वर्ग किलोमीटर में से लगभग 21,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र कर्नाटक मे है। रिपोर्ट में खनन, उत्खनन, लाल श्रेणी के उद्योगों और ताप विद्युत परियोजनाओं की स्थापना पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है। कोडगु जिले के जिला मुख्यालय मेदिकेरी में भूस्खलन और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरमैया ने कहा, कस्तूरी रंगन रिपोर्ट को खारिज करने का फैसला किया गया है। वन मंत्री के साथ आगे की चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होने कहा कि 20 जगहो पर भूस्खलन हुआ है, जबकि कई अन्य जगहो पर छोटे पैमाने पर भूस्खलन हुआ है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ लोग घायल हुए है। सिद्धरमैया ने कहा कि 67 मकान पूरी तरह से नष्ट हो गए है, और 176 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए है।

देश में चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात डब्ल्यूएचओ मानक से बेहतर: सरकार

नई दिल्ली। स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि देश मे चिकित्सक और जनसंख्या का अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानक से बेहतर है और भारत मे 836 लोगो पर एक चिकित्सक है। डब्ल्यूएचओ मानक के अनुसार 1000 लोगो पर एक चिकित्सक होना चाहिए। पटेल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर मे कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जुलाई, 2024 तक राज्य चिकित्सा परिषदों और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से 13,86,136 एलोपैथिक चिकित्सक पंजीकृत है। उन्होने कहा, पंजीकृत एलोपैथिक चिकित्सकों की 80 प्रतिशत उपलब्धता और लगभग 5.65 लाख आयुष डॉक्टरों की उपलब्धता मानते हुए, देश मे चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात लगभग 1:836 है, जो डब्ल्यूएचओ मानक 1:1000 से बेहतर है। उन्होने यह भी कहा कि देश मे 731 मेडिकल कॉलेज है, जिनमे अभी 1,12,112 एमबीबीएस सीट है। इसके अलावा 72,627 पीजी सीट है। चिकित्सा शिक्षा सुविधाओं को बढ़ाने और चिकित्सा मानकों को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमो मे जिला/रेफरल अस्पतालो को अपग्रेड करके नए मेडिकल कॉलेजो की स्थापना की खातिर केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) शामिल है, जिसके तहत 157 नए मेडिकल कॉलेजो को मंजूरी दी गई है और 109 पहले से ही काम कर रहे है।

नागरिकता के लिए मतदाता पहचान-पत्र को पर्याप्त प्रमाण बनाएं : तृणमूल सांसद

नई दिल्ली। राज्यसभा मे शुक्रवार को तृणमल कांग्रेस की एक सदस्य ने विधानसभा या संसदीय चुनावो मे मतदान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैध पहचान-पत्र को नागरिकता प्रदान करने के लिए पर्याप्त प्रमाण मानने की वकालत की और कहा कि पैतृक दस्तावेज नही दिखाने पर निरुद्ध शिविरो मे भेजे जाने जैसी शर्तें अमानवीय है। तृणमूल सदस्य ममता ठाकुर ने उच्च सदन मे शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया और कहा कि किसी को अपमानित करने वाली शर्तें लागू करना स्वीकार्य नही है। उन्होंने बांग्ला भाषा मे अपनी बात रखते हुए कहा,"जो मतदान करते है, जिनके पास कोई भी ऐसा वैध पहचान-पत्र है, जिसका इस्तेमाल हम मतदान के लिए और प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियो या राज्यो की सरकारो को चुनने के लिए करते है, उन्हे फिर से दस्तावेज दिखाने के लिए मजबूर करना या नागरिकता के लिए फिर से आवेदन करने के लिए मजबूर करना अपमानजनक है...। ममता ठाकुर नागरिकता प्रदान करने के लिए वैध प्रमाण के रूप मे मतदाता पहचान-पत्र के इस्तेमाल का जिक्र कर रही थी। उन्होने कहा,"नागरिकता प्रदान करने के नाम पर शर्तें जोड़ना, उन्हें पैतृक दस्तावेज पेश करने के लिए बाध्य करना और ऐसा नही करने पर नागरिकता नही देना और उन्हे निरुद्ध शिविरो मे भेजना बेहद अमानवीय है।

गिरफ्तारी के बारे में उद्धव का आरोप झूठा है: शिंदे

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को यहां कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का यह आरोप झूठा है कि उन्हें और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को गिरफ्तार किया जा सकता है। राज्य सरकार की लाड़की बहिन योजना का उद्घाटन करने के लिए सिल्लोड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ठाकरे इस मामले में निम्न स्तरीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। ठाकरे ने बुधवार को दावा किया था कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता एवं राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने हाल में कहा था कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और उनके बेटे को गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं। फडणवीस राज्य का गृह विभाग भी संभालते हैं। ठाकरे ने फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा था, सब कुछ सहन करने के बाद अब मैं दृढ़ निश्चय के साथ खड़ा हूं। या तो आप वहां होंगे या मैं। मुख्यमंत्री ने मराठी समाचार चैनल एबीपी माझा से बात करते हुए कहा, उद्धव और आदित्य ठाकरे की गिरफ्तारी का मुद्दा एक फर्जी कहानी है। ठाकरे निम्न स्तर की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वायनाड में भूस्खलन भयानक त्रासदी : राहुल

- इससे विशिष्ट तरीके से एवं तत्काल निपटने की आवश्यकता
- कांग्रेस पार्टी वायनाड में 100 से अधिक मकान बनाएगी

भाषा। वायनाड (केरल)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना को शुक्रवार को ऐसी भयानक त्रासदी बताया, जो राज्य के किसी भी क्षेत्र में अब तक नहीं देखी गई है। उन्होंने कहा कि इससे अलग तरीके से निपटे जाने और तत्काल प्रतिक्रिया की जरूरत है। कांग्रेस नेता गांधी ने कहा कि वह इस मामले को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के समक्ष भी उठाएंगे, क्योंकि यह एक अलग तरह की त्रासदी है और इससे अलग तरीके से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल ध्यान शव एवं संभावित जीवित बचे लोगों को ढूंढने और यह सुनिश्चित करने पर है कि विस्थापित लोग शिविरों में बेहतर स्थिति में रहें और उनका पुनर्वास हो। गांधी ने कहा कि पुनर्वास बहुत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस आपदा में जीवित बचे बहुत से लोगों ने उनसे कहा है कि वे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में वापस नहीं जाना चाहते।

कर्नाटक में पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग 275 पर यातायात बाधित

भाषा। मंगलुरु

कर्नाटक के मंगलुरु में पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन होने से यातायात बाधित हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुत्तूर बाईपास रोड को बंटवाल-मैसूरु रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग 275 के नाम से भी जाना जाता है।अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि पुत्तूर बाईपास रोड पर शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ, जिसके बाद मैसूरु और मंगलुरु जाने वाले वाहनों को पुत्तूर कस्बे से होकर गुजरना पड़ा रहा है।पुलिस के अनुसार, भूस्खलन होने के कारण वहां अभी तक किसी व्यक्ति या वाहन के फंसने की कोई सूचना नहीं है। भूस्खलन स्थल के दोनों तरफ अवरोधक लगा दिए गए हैं, जिससे पुत्तूर शहर से गुजरने वाले यातायात के मार्ग में बदलाव हुआ है। घटनास्थल पर कई श्रमिक और उत्खनन मशीन भेजकर सुबह आठ बजे मलबा हटाने का काम शुरू किया। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने तटीय तथा आंतरिक तटीय क्षेत्रों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है, जिससे प्रभावित हिस्सों में मलबा हटाने के काम में बाधा उत्पन्न हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की एक अन्य घटना सुबह 4:30 बजे पुत्तूर के बेलिपपाडी अंध्रिगेरी गांव में हुई जिससे दो घर तथा एक गौशाला क्षतिग्रस्त हो गई और शेड में बंधी चार गायों की मलबे में दबकर मौत हो गई।

तेलंगाना सरकार 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली देगी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार बुनियादी सुविधाओं में सुधार के उपायों के तहत लगभग 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करेगी।हाल ही में पदोन्नत हुए शिक्षकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीन बार चुनाव जीता क्योंकि उन्होंने सरकारी स्कूलों में सुधार किया।।९

झारखंड में भाजपा विधायकों का अनोखा विरोध-प्रदर्शन, विधानसभा के बाहर बालू का स्टॉल लगाया

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई ने शुक्रवार को विधानसभा के बाहर बालू का स्टॉल लगाकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह बालू की आसमान छूती कीमतों को नियंत्रित नहीं कर रही है। सौ रुपए से लेकर 1,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक की मूल्य सूची को दिखाते हुए भाजपा विधायक बालू का वजन करते और इसे अन्य पार्टी विधायकों को बेचते देखे गए। इन विधायकों को विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार अपराह्न दो बजे तक के लिए निलंबित कर दिया था। भाजपा विधायक शशि भूषण मेहता ने आरोप लगाया, झारखंड में बालू बहुत महंगा है क्योंकि इसे दूसरे राज्यों में ले जाया जा रहा है। पार्टी के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा कि वे झारखंड में आम आदमी के हालात दिखाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, अब बालू ट्रक या ट्रैक्टर से नहीं, बल्कि किलो में बेचा जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने इसे भाजपा की नौटंकी करार देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए बालू मुफ्त कर दिया है। सोरेन ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री ने राज्य के गरीब लोगों के लिए बालू को मुफ्त कर दिया है।

हिंद महासागर में अशांति पैदा करने वाले बदलाव की आशंका: जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर में अशांति पैदा करने वाले बदलाव होने की आशंका है और भारत को इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।एक विचारक संस्था (थिंक टैंक) के संवाद सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत के पड़ोस में जो प्रतिस्पर्धा देखी गई है, वह निश्चित रूप से हिंद महासागर में भी होगी।विदेश मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के बारे में बात की और कहा, इस बारे में विलाप करने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि भारत को प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है और वह वास्तव में यही करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर में प्रतिस्पर्धा के लिए उसी तरह तैयार है, जिस तरह वह बाकी पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हिंद महासागर में समुद्री मौजूदगी की नजर आ रही है, जो पहले नहीं थी। इसलिए यह एक विध्वंसकारी परिवर्तन के लिए तैयार है। मुझे लगता है कि हमें इसका पूर्वानुमान लगाने (और) हमें इसके लिए तैयारी करने की जरूरत है। चीन धीरे-धीरे हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जिसे पारंपरिक रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।जयशंकर ने सेंटर फॉर एयरपावर स्टडीज (सीएपीएस) में जसजीत सिंह स्मारक व्याख्यान देने के बाद एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री ने भारत की समुद्री पहल सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के पीछे के कारणों को भी समझाया, जिसे नौ साल पहले शुरू किया गया था।उन्होंने बताया कि भारत सागर की व्यापक नीतिगत रूपरेखा के अंतर्गत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग कर रहा है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने सफल सहयोगात्मक दृष्टिकोण के विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया और कहा कि इनका उद्देश्य पड़ोसियों को आर्थिक रूप से और अधिक करीब लाना है।

निर्यात प्रतिबंध नहीं हटाने से प्याज वाले क्षेत्र में हमें नुकसान हुआ : अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन को लोकसभा चुनाव में राज्य के प्याज की पैदावार वाले क्षेत्रों में नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि वहां के लोग प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध से नाराज थे। पवार ने नासिक जिले में एक जनसभा में कहा, यह आपका अधिकार है और मैं आपका अनादर नहीं करना चाहता। मैं आपको दोष नहीं दे रहा। प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने में हम पीछे रह गए। महायुति (भाजपा, शिवसेना और राकांपा का सत्तारूढ़ गठबंधन) पीछे रह गया और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता ने कहा, आपने (मतदाताओं ने) हमें नासिक क्षेत्र में, अहमदनगर, पुणे और सोलापुर क्षेत्रों में हराया।

नाइजीरिया में आर्थिक संकट के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 13 लोग मारे गए

● मानवाधिकार समूह का दावा

भाषा। अबुजा

नाइजीरिया में आर्थिक संकट के खिलाफ व्यापक पैमाने पर जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 13 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। एक मानवाधिकार समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विरोध-प्रदर्शन ने कई राज्यों में हिंसक रूप ले लिया है, जिसके चलते कई जगह कर्फ्यू घोषित किया गया है। अधिकारियों ने बम धमाके में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की और कहा कि देशभर में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के नाइजीरिया निदेशक ईसा सानुसी ने एक साक्षात्कार में कहा कि समूह ने चश्मदीदों, पीड़ितों के परिवारों और वकीलों द्वारा बताई गई मौतों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की है। इस बीच, नाइजीरिया की पुलिस ने कहा कि सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों की लूटपाट के चलते उत्तरी राज्यों - कानो और कटसीना में 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया और कर्फ्यू लगा दिया गया। उसने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारी बढ़ते आर्थिक संकट को दूर करने की मांग कर रहे हैं, जिसके चलते अफ्रीका के शीर्ष तेल उत्पादक देश के लोग सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार और कुशासन को समाप्त करने की मांग की। मीडिया में आए विरोध-प्रदर्शन के वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारियों को गोदामों में लूटपाट करते और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए देखा जा सकता है।

बढ़ते तनाव के बीच इजराइल में रह रहे भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह

भाषा। तेल अवीव

भारतीय दूतावास ने यहां शुक्रवार को इजराइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी कि वे सतर्क रहने के साथ स्थानीय प्रशासन की ओर से सुझाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। इजराइल के हमले में एक के बाद एक दो हमास नेताओं और हिजबुल्ला के एक कमांडर के मारे जाने के बाद पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनाव के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने यह परामर्श जारी किया। पिछले महीने हमास नेता इस्माइल हनिएह की ईरान में हत्या कर दी गई जबकि हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद जेफ गाजा में मारा गया। लेबनान में सक्रिय हिजबुल्ला का कमांडर फौद शुकूर बेरूत पर किए गए हवाई हमले में मारा गया। इजराइल को कई देशों और समूहों द्वारा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है और हनिएह की मौत से इलाके में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंचने की आशंका है। भारतीय दूतावास ने यहां जारी एक परामर्श में कहा, कृपया सावधानी बरतें, देश के भीतर आवश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इजराइली अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में है। दूतावास के सभी सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट करके अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ में जारी किए गए परामर्श में ईमेल पते के साथ टेलीफोन नंबर ͺ972-547520711 और ͺ972-543278392 जैसे संपर्क विवरण भी दिए गए हैं जिस पर 24 घंटे मदद उपलब्ध रहेगी। एयर इंडिया ने बृहस्पतिवार को अपनी दिल्ली-तेल अवीव उड़ानें आठ अगस्त तक रद्द कर दीं। इजराइली अधिकारियों के इस दावे के बावजूद कि उसका हवाई क्षेत्र बिल्कुल सुरक्षित है, लगभग 10 अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इजराइल में भारतीय मिशन की ओर से जारी परामर्श से पहले बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को परामर्श जारी करके भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा नहीं करने की सलाह दी थी, इसके अलावा उन्हें लेबनान छोड़ने की भी सलाह दी गई है।

फिलीपीन में एक इमारत में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत

मनीला,। फिलीपीन की राजधानी मनीला के भीड़भाड़ वाले चाइनाटाउन जिले में शुक्रवार को एक छोटी सी इमारत के एक हिस्से में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। आग पर काबू पाने के लिए लगभग 14 फायर ट्रक दो घंटे से अधिक समय तक संघर्ष करते रहे।आग दुनिया के सबसे पुराने चाइनाटाउन में से एक में पुरानी पांच मंजिला इमारत में लगी। यह राजधानी में नदी किनारे स्थित घनी आबादी वाला हिस्सा है। अग्नि जांचकर्ता रोडरिक एंड्रेस ने कहा कि आग भूतल पर एक रेस्तरां में लगी और मरने वालों में कई कर्मचारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मृतक दूसरी और तीसरी मंजिल पर पाए गए। किसी और के लापता होने की सूचना नहीं है।

लाहौर में इमरान खान की पार्टी के वरिष्ठ नेता की गोली मारकर हत्या

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के एक वरिष्ठ नेता की लाहौर में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह शुक्रवार की नमाज अदा करने के बाद एक मस्जिद से बाहर आ रहे थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। लाहौर पुलिस के प्रवक्ता ने कहा, डॉ. शाहिद सादिक खान शुक्रवार की नमाज अदा करने के बाद लाहौर के वालेंसिया टाउन स्थित एक मस्जिद से बाहर आ रहे थे कि तभी चार अज्ञात लोगों ने उन पर गोलियां बरसाईं और दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर भाग गए। उन्होंने कहा, उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। खान एक निजी अस्पताल के मालिक थे। प्रवक्ता ने कहा कि घटना की जांच के लिए लाहौर पुलिस के प्रमुख ने विशेष टीम का गठन किया है। पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने लाहौर पुलिस से हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा।

भारत दुनिया में चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना

ग्लोबल। भारत में चाय हर दूसरे शख्स की पहली पसंद होती है शायद इसी वजह से भारत दुनिया में चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत में चाय का बिजनेस बहुत ही ज्यादा चलन में है। देखा जाए तो देश भर में चाय की वजह से डायरेक्टइनडायरेक्ट रोजगार के कई अवसर प्रदान करता है। ऐसे ही मध्यप्रदेश के 3 युवाओं ने मिल कर अपना नया स्टार्टअप शुरू किया माटी जो कि चायपत्ती उत्पादन के साथ-साथ हर घर में माँ का प्यार और देश का स्वाद माटी पहुँचना चाहते है रामपुर में फैजान खान ने माटी चायपत्ती की डिस्ट्रीब्यूटरशिप के साथ उत्तर प्रदेश वासियों को कड़क चाय का अनुभव देने की शुरुआत की हैं जिनका मानना है . हमारे घर.परिवार में आज भी ऐसे कुछ लोग है जो किसी कारण से कैफ़ेया बाहर बैठ कर चाय का स्वाद नहीं ले पाते अब वे लोग माटी के द्वारा रामपुर में अपने घरों में भी पूरे परिवार के साथ जब चाहे तब माटी की चाय का आनंद उठा पाएंगे।

प्लेटिनम की मांग बढ़ी

दिल्ली। दुनिया भर में प्लेटिनम की मांग बढी है। बारिश के मौसम में आपका स्टाईल बनाएगा प्लेटिनम इवारा का कलेक्शन। प्लेटिनम इवारा की सुंदर ज्वेलरी, शुद्ध प्लेटिनम से बनी है, जिसमें बारिश के हर दिन के लिए एक विशेष आकर्षण के साथ बेहतरीन लुक और ग्लैमर है। यह कलेक्शन 95 प्रतिशत शुद्ध प्लेटिनम से बना हैए जो सादगी के साथ उत्कृष्टता प्रदर्शित करता है। इसकी प्राकृतिक सफेद चमक और बेहतरीन शिल्पकारी के कारण यह ज्वेलरी बारिश के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। चाहे नाजुक पेंडंट पहनना हो या खूबसूरत ब्रेसलेटए इसका हर डिज़ाईन कैज़्युअल आउटिंग और औपचारिक अवसरों दोनों के लिए उपयुक्त है।

रूस से बंदियों की अदला-बदली के बाद रिहा हुए तीन अमेरिकी स्वदेश पहुंचे

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका और रूस के बीच सोवियत इतिहास के बाद बृहस्पतिवार को हुई बंदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली के बाद रिहा तीन अमेरिकी मध्यरात्रि को स्वदेश लौटे, जहां राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनका स्वागत किया। बंदियों की अदला-बदली के अंतर्गत मॉस्को ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गेर्शकोविच और मिशिगन के कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी पॉल व्हेलन और व्लादिमीर कारा मुर्जा सहित असंतुष्टों को रिहा कर दिया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत एक-दूसरे के यहां जेलों में बंद लगभग दो दर्जन लोग मुक्त किए गए। गेर्शकोविच, व्हेलन और अलसु कुर्माशेवा (जो अमेरिका-रूस की दोहरी नागरिकता वाली पत्रकार हैं) बृहस्पतिवार मध्यरात्रि में स्वदेश पहुंचे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण किए जाने के कारण शीतयुद्ध के बाद वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंध सबसे निचले स्तर पर आ गए थे, लेकिन इसके बावजूद बंदियों की अदला-बदली के लिए गुप्त बैठकें होती रहीं। बाइडन ने वापस लौटे अमेरिकी नागरिकों के परिवारों के साथ व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान इसे एक रणनीतिक उपलब्धि करार दिया। उन्होंने कहा, इस तरह के समझौते के लिए कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। मेरे लिए अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है,चाहें वे देश में हो या विदेश में। यह समझौता पिछले दो वर्षों में रूस और अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली के लिए की गई बातचीत की श्रृंखला में नवीनतम है, लेकिन अन्य देशों से महत्वपूर्ण रियायतों की आवश्यकता वाला पहला सौदा है, जिसे राष्ट्रपति बाइडन ने अपने प्रशासन के अंतिम महीनों में एक कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में घोषित किया था। अमेरिका को अपने नागरिकों की रिहाई के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है।

रूसी खुफिया एजेंट को भी छोड़ा गया

तालिन (एस्टोनिया)। अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध के बाद कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली में रूस ने पहली बार स्वीकार किया कि पश्चिमी देशों में पकड़े गए कुछ रूसी नागरिक उसकी सुरक्षा सेवाओं से जुड़े थे। रिहा किए गए कैदियों के परिवारों ने इस आश्चर्यजनक रिहाई पर अपनी खुशी व्यक्त की। बृहस्पतिवार रात अमेरिकी प्रांत मैरीलैंड में पत्रकार इवान गेर्शकोविच और अलसू कुर्माशेवा तथा पूर्व मरीन पॉल व्हेलन का उनके परिवारों ने स्वागत किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इस पर खुशी जताई। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को के वानुकोवो हवाई अड्डे पर वापस आए प्रत्येक रूसी नागरिक को गले लगाया। ͨटने वाले आठ लोगों में वादिम क्रासीकोव भी शामिल था, जो एक रूसी हत्यारा था और 2019 में बर्लिन के एक पार्क में एक पूर्व चेचन लड़ाके की हत्या के लिए जर्मनी में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जर्मन न्यायाधीशों ने कहा था कि हत्या रूसी अधिकारियों के आदेश पर की गई थी। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि क्रासीकोव संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का अधिकारी है और पश्चिमी देशों को भी यह तथ्य बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि क्रासीकोव ने एक बार पुतिन के कुछ अंगरक्षकों के साथ एफएसबी की विशेष अल्फा इकाई में काम किया था।

अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का नशीला पदार्थ भी बरामद हुआ है। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। न्याय विभाग ने बताया कि आरोपियों की पहचान 28 वर्षीय सिमरनजीत सिंह और 19 वर्षीय गुसिमरत सिंह के रूप में हुई है और वे कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो के निवासी थे। उसने बताया कि भारतीय नागरिकों पर मादक पदार्थ की तस्करी करने का आरोप है। आरोपियों को 29 जुलाई को बोस्टन की एक अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें हिरासत में भेज दिया था। स्थानीय पुलिस ने एक ट्रैक्टर से 400 किलोग्राम से अधिक की कोकीन बरामद करने के बाद दोनों भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया था। कोकीन की कीमत लगभग 1.05 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी का दोषी पाए जाने पर अधिकतम 20 साल और कम से कम तीन साल की सजा का प्रावधान है। साथ ही दस लाख अमेरिकी डॉलर तक के जुर्माने का प्रावधान है।

अमेरिका को पन्नू की हत्या के प्रयास के मामले में भारत से जवाबदेही की उम्मीद

भाषा वाशिंगटन

अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि पिछले वर्ष अमेरिका की धरती पर उसके एक नागरिक की हत्या की कोशिश के मामले में भारत के एक सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में उनका देश भारत से जवाबदेही की उम्मीद करता है। विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। पिछले वर्ष नवंबर में अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया था। गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिकी और कनाडाई दोनों नागरिकताएं हैं। गुप्ता को पिछले वर्ष जून में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। पटेल ने कहा, हम पिछले वर्ष गर्मियों में अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के असफल प्रयास में भारत सरकार के एक कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, हम उच्च स्तर पर सीधे भारत सरकार के समक्ष अपनी चिंताओं को उठा रहे हैं। हालांकि पटेल ने उस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जिसमें कहा गया है कि कनाडाई अधिकारियों ने एक विवाह समारोह में सिख अलगाववादी को निशाना बनाने की योजना बना रहे पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

एआई के युग में दर्शनशास्त्र महत्वपूर्ण है

लंदन। नई वैज्ञानिक समझ और इंजीनियरिंग तकनीकें हमेशा प्रभावित और भयभीत करती रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आगे भी ऐसा होता रहेगा। ओपनएआई ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे इस दशक में मानवीय क्षमताओं को पार करने वाला एआई ͨसुपरइंटेलिजेंसै बन जाने का अनुमान है। यह तदनुसार एक नई टीम का निर्माण कर रहा है, और अपने कंप्यूटिंग संसाधनों का 20ञ यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कर रहा है कि ऐसे एआई सिस्टम का व्यवहार मानवीय मूल्यों के साथ संरेखित होगा। ऐसा लगता है कि वे नहीं चाहते कि दुष्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवता पर युद्ध छेड़ें, जैसा कि जेम्स कैमरून की 1984 की विज्ञान कथा थ्रिलर, द टर्मिनेटर (बदकिस्मती से,

अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर की टर्मिनेटर में 2029 से समय में वापस भेजा गया है) में हुआ था। ओपनएआई समस्या से निपटने में मदद के लिए शीर्ष मशीन-लर्निंग शोधकर्ताओं और इंजीनियरों को बुला रहा है।लेकिन क्या दार्शनिकों के पास योगदान करने के लिए कुछ हो सकता है? अधिक सामान्यत:, अब उभर रहे नए तकनीकी रूप से उन्नत युग में इस सदियों पुराने विषय से क्या उम्मीद की जा सकती है?इसका उत्तर देने के लिए, इस बात पर ज़ोर देना ज़रूरी है कि दर्शन अपनी शुरुआत से ही एआई में सहायक रहा है। पहली एआई सफलता की कहानियों में से एक 1956 का कंप्यूटर प्रोग्राम था, जिसे लॉजिक थियोरिस्ट कहा जाता था, जिसे एलन नेवेल और हर्बर्ट साइमन ने बनाया था। इसका काम प्रिंसिपिया मैथमेटिका के प्रस्तावों का उपयोग करके प्रमेयों को सिद्ध करना था, जो 1910 में दार्शनिक अल्फ्रेड नॉर्थ व्हाइटहेड और बर्ट्रेंड रसेल द्वारा तीन खंडों में लिखा गया काम था, जिसका लक्ष्य सभी गणित को एक तार्किक आधार पर फिर से बनाना था।वास्तव में, एआई में तर्क पर शुरुआती फोकस गणितज्ञों और दार्शनिकों द्वारा अपनाई गई मूलभूत बहसों के कारण था।

भारतीय नौसेना की पनडुब्बी औपचारिक दौरे पर कोलंबो पहुंची

कोलंबो। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी (आईएनएस) शाल्की दो दिवसीय औपचारिक दौरे पर शुक्रवार को कोलंबो बंदरगाह पर पहुंची। श्रीलंका नौसेना ने नौसेना परंपराओं के अनुसार यहां पहुंची पनडुब्बी का स्वागत किया। आईएनएस शाल्की 64.4 मीटर लंबी और 40 चालक दल सदस्य वाली पनडुब्बी है। इसकी कमान कमांडर राहुल पटनायक के पास है। कोलंबो में पनडुब्बी के रुकने के दौरान श्रीलंका नौसेना के कर्मियों के इसका दौरा कर परिचालन विशेषताओं पर जानकारी कार्यक्रम में हिस्सा लेने की उम्मीद है। इस दौरान आईएनएस शाल्की के कमांडिंग ऑफिसर ने शुक्रवार को पश्चिमी नौसेना कमान मुख्यालय में पश्चिमी नौसेना क्षेत्र के कमांडर रियर एडमिरल चिंताका कुमारसिंघे से मुलाकात की। इसके अलावा, पनडुब्बी के चालक दल के सदस्यों के देश के कुछ पर्यटन आकर्षण केंद्रों का भी भ्रमण करने की उम्मीद है। चार अगस्त को आधिकारिक यात्रा के समापन पर आईएनएस शाल्की द्वीपीय राष्ट्र से प्रस्थान करेगी। इससे पहले कोलंबो पहुंचने वाली आखिरी भारतीय पनडुब्बी आईएनएस करंज थी। वह तीन फरवरी को श्रीलंका की स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर पहुंची थी। पिछले वर्ष जून माह में आईएनएस वागीर कोलंबो बंदरगाह पर पहुंची थी।

मेटा ने इतिहास का सबसे बड़ा ओपन एआई मॉडल लॉन्च

इसका व्यापक हित में होना जरूर

सिडनी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में एक लड़ाई चल रही है। एक तरफ ऐसी कंपनियाँ हैं जो अपने उन्नत सॉफ़्टवेयर के पीछे डेटासेट और एल्गोरिदम को निजी और गोपनीय रखने में विश्वास करती हैं। दूसरी ओर ऐसी कंपनियाँ हैं जो जनता को यह देखने की अनुमति देने में विश्वास करती हैं कि उनके परिष्कृत एआई मॉडल के के पीछे आखिर क्या है।इसे खुले और बंद स्रोत एआई के बीच की लड़ाई के रूप में देखा जा सकता है।हाल के सप्ताहों में, फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने बड़े एआई मॉडल का एक नया संग्रह जारी करके ओपन-सोर्स एआई के लिए बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ी। इनमें लामा 3.1 405बी नाम का एक मॉडल शामिल है, जिसके बारे में मेटा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी, मार्क जुकरबर्ग कहते हैं, ͨपहला फ्रंटियर-स्तरीय ओपन सोर्स एआई मॉडल है।ऐसे किसी भी व्यक्ति के लिए जो ऐसे भविष्य की परवाह करता है जिसमें हर कोई एआई के लाभों तक पहुंच सके, यह अच्छी खबर है।क्लोज्ड-सोर्स एआई का खतरा - और ओपन-सोर्स एआई का वादाक्लोज्ड-सोर्स एआई उन मॉडलों, डेटासेट और एल्गोरिदम को संदर्भित करता है जो स्वामित्व वाले होते हैं और गोपनीय रखे जाते हैं। उदाहरणों में चैटजीपीटी, गूगल का जेमिनी और एंथ्रोपिक का क्लाउड शामिल हैं।हालाँकि कोई भी इन उत्पादों का उपयोग कर सकता है, लेकिन यह पता लगाने का कोई तरीका नहीं है कि एआई मॉडल या टूल बनाने के लिए किस डेटासेट और स्रोत कोड का उपयोग किया गया है।हालाँकि यह कंपनियों के लिए अपनी बौद्धिक संपदा और अपने मुनाफे की रक्षा करने का एक शानदार तरीका है, लेकिन इससे सार्वजनिक विश्वास और जवाबदेही को कम करने का जोखिम है। एआई प्रौद्योगिकी को बंद-स्रोत बनाने से भी नवाचार धीमा हो जाता है और कंपनी या अन्य उपयोगकर्ता अपनी एआई जरूरतों के लिए एक ही मंच पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जिस प्लेटफ़ॉर्म पर मॉडल का स्वामित्व है वह परिवर्तन, लाइसेंसिंग और अपडेट को नियंत्रित करता है।ऐसे कई नैतिक ढाँचे हैं जो एआई की निष्पक्षता, जवाबदेही, पारदर्शिता, गोपनीयता और मानवीय निरीक्षण में सुधार करना चाहते हैं।

हालाँकि, इन सिद्धांतों को अक्सर स्वामित्व प्रणालियों से जुड़ी पारदर्शिता और बाहरी जवाबदेही की अंतर्निहित कमी के कारण बंद-स्रोत एआई के साथ पूरी तरह से हासिल नहीं किया जाता है। चैटजीपीटी के मामले में, इसकी मूल कंपनी, ओपनएआई, जनता के लिए अपने नवीनतम एआई टूल का न तो डेटासेट और न ही कोड जारी करती है।

आई एनर्जी में नवाचार का प्रयोग जारी

ऊर्जा भंडारण के समाधानों में नवाचार में अग्रणी लिवगार्ड को अपने नवीनतम अभियान बनो किसी की एनर्जी को लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है जिसमें प्रतिष्ठित अभिनेता अक्षय कुमार को भी दर्शाया गया है। ब्रांड ने हाल ही में अपना शानदार उत्पाद, विज़न एचडीएक्स 1100आई इनवर्टर लॉन्च किया है जो पावर कट प्रेडिक्शनए चार्जिंग इंडिकेटर के साथ डिजिटल स्क्रीन डिस्प्ले,रनिंग लोड, बैकअप टाइम आदि जैसी उन्नत और स्मार्ट सुविधाओं के साथ आता है और इसे एक अत्याधुनिक उत्पाद बनाता है। दिल को छूने वाली यह लांचिंग परिवार के स्तंभ कर्ताश् होने के साथ आने वाली जिम्मेदारी की अद्भुत भावना को उजागर करती है और बताती है कि कैसे लिवगार्ड के स्मार्ट एआई चार्जिंग इनवर्टर लोगों को अपने प्रियजनों की सहायता करने और उनका उत्थान करने में सक्षम बनाते हैं। यह उत्पाद आपको अपना दिन अपने तरीके से चलाने में सहयता करेगा। टीवीसी पर टिप्पणी करते हुए लिवगार्ड एनर्जी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के एमडी और सीईओए गुरप्रीत भाटिया ने कहा कि हम अपने उपभोक्ताओं को समझते हैं और अपने प्रियजनोंकी प्रगति में उनकी भूमिका को स्वीकार करते हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे उत्पाद उन्हें और उनके परिवार को ऊर्जा के बारे में आज़ादी हासिल करने में मदद करेंए जिससे उनकी प्रगति को बढ़ावा मिलता है।

क्विक न्यूज

अपनी पहली विदेश यात्रा पर थाईलैंड जा सकते हैं नेपाल के नए प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू। नेपाल के नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए संभवत: थाईलैंड जा सकते हैं, जिससे पहले किसी पड़ोसी देश की यात्रा करने की परंपरा टूट जाएगी। पूर्व में, नेपाल के प्रधानमंत्रियों ने अधिकतर पहले भारत का दौरा किया था, हालांकि कुछ ने चीन की भी यात्रा की थी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ओली सितंबर के पहले सप्ताह में बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए थाईलैंड की यात्रा पर जाएंगे। ओली के एक सहयोगी ने बताया कि प्रधानमंत्री बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत सितंबर के पहले सप्ताह में थाईलैंड जाएंगे, हालांकि यात्रा के विवरण को अभी अंतिम रूप दिया जाना है। बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड सहित बिम्सटेक के सदस्य देशों के नेता शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए सितंबर के पहले सप्ताह में बैंकॉक में मिल रहे हैं।प्रधानमंत्री ओली संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए सितंबर के तीसरे सप्ताह में अमेरिका की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कहा, अभी तक हमें भारत यात्रा के लिए कोई आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है।

नेपाल: नवनियुक्त प्रधानमंत्री ओली ने तीन लोगों को राज्य मंत्री बनाया

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार करते हुए तीन लोगों को राज्य मंत्री बनाया। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री ओली की सिफारिश पर अरुण कुमार चौधरी, रूपा बीके और पूर्ण बहादुर तमांग को राज्य मंत्री नियुक्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, चौधरी को पर्यटन, संस्कृति और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, रूपा बीके को वन और पर्यावरण राज्य मंत्री और तमांग को ऊर्जा एवं सिंचाई राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है। रूपा बीके और तमांग नेपाली कांग्रेस से है जबकि चौधरी नागरिक उन्मुक्ति पार्टी का प्रतिनिधित्व करते है। प्रधानमंत्री ओली की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित 25 सदस्य हैं। पिछले महीने सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष 72 वर्षीय ओली चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए थे, जिन्होंने पुष्प कमल दाहाल प्रचंड का स्थान लिया।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में न्यायाधीशों के काफिले पर हमला, दो पुलिसकर्मी मारे गए

पेशावर। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में स्थित अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने शुक्रवार को ड्यूटी करके घर लौट रहे न्यायाधीशों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया जिससे उनकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सभी तीन न्यायाधीश सुरक्षित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों की ओर से घात लगाकर किए गए सशस्त्र हमले में न्यायाधीशों की रक्षा करते समय ड्यूटी के दौरान दो पुलिसकर्मी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान में टैंक जिले की अदालतों में ड्यूटी के बाद न्यायाधीशों का काफिला जब उनके घरों की ओर जा रहा था तो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सशस्त्र आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। टैंक-डीआई खान मार्ग पर पुलिस और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी जारी है। इस बीच प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने न्यायाधीशों के वाहनों पर हमले की निंदा करते हुए रिपोर्ट तलब की है। गंडापुर ने दो पुलिसकर्मियों की मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए न्यायाधीशों के लिए सुरक्षा घेरा मजबूत करने का भी आह्वान किया। नेशनल असेंबली में प्रस्तुत गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में वर्ष 2023 में I,514 आतंकवादी हमले हुए जिसमें 2,922 लोग मारे गए।

पाकिस्तान : कुर्म जिले में हिंसक झड़पों में शामिल जनजातियों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी कुर्म जिले में हिंसक झड़पों में शामिल जनजातियों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए है, जिसके बाद हिंसा रुक गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। लगभग एक सप्ताह से जारी हिंसक झड़पों में 50 लोगों की मौत हो गई और 225 से अधिक लोग घायल हुए है। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को जिरगा (स्थानीय पंचायत) नेताओं के हस्तक्षेप के बाद शांति समझौता किया गया। उपायुक्त जावेद उल्लाह महसूद ने कहा कि शांति समझौते के बाद अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्म जिले में झड़पें बंद हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि शांति समझौता कुर्म जिले में संघर्षरत शिया और सुन्नी गुटों के बीच दो अलग-अलग आयोजित जिरगा बैठकों में हुआ। दोनों पक्षों के प्रमुख लोगों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनों जनजातियां सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में सरकार के साथ सहयोग करने पर सहमत हुईं। समझौते के अनुसार, शांति समझौते का उल्लंघन करने वाले किसी भी पक्ष को 12 करोड़ रुपए तक का जुर्माना देना होगा।

अमेरिका-रूस कैदी अदला-बदली : पत्रकारों के भू-राजनीतिक सौदेबाजी में इस्तेमाल का जोखिम

सिडनी। एक अमेरिकी विमान में कैदियों की वापसी की तस्वीर, जिनके चेहरों पर लंबी मुस्कुराहट है, सब कुछ कहती हैः खुशी, राहत और एक अविश्वसनीय रूप से जटिल मिशन की सफलता। वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच, रेडियो फ्री यूरोप के पत्रकार अलसु कुर्माशेवा, पूर्व अमेरिकी मरीन पॉल व्हेलन और कई अन्य लोगों की रिहाई शीत युद्ध की समाप्ति के बाद सबसे बड़ी कैदी अदला-बदली है।कुल मिलाकर, सात अलग-अलग देशों के 26 लोगों को एक बेहद जटिल समझौते के तहत रिहा किया गया, जिस पर बातचीत करने में कई साल लग गए। उनमें रूस में कैद 16 लोग शामिल थेः तीन अमेरिकी, कई रूसी राजनीतिक कैदी, और एक 19 वर्षीय रूसी-जर्मन नागरिक जो रूसी सैन्य अड्डे की तस्वीरें लेने के कारण जेल में बंद था।बदले में, आठ रूसियों को भी रिहा कर दिया गया - उनमें से सबसे कुख्यात, वादिम क्रासिकोव, संघीय सुरक्षा सेवा में एक कर्नल था, जिसे 2019 में बर्लिन में एक पूर्व चेचन विद्रोही की हत्या करने पर जर्मनी में जेल में डाल दिया गया था।अन्यायपूर्ण तरीके से कैद किए गए लोगों के लिए स्वतंत्रता निर्विवाद रूप से अद्भुत खबर है, भले ही इसमें बहुत देर हो चुकी हो, और बाइडेन प्रशासन सौदे पर बातचीत के दौरान की गई मेहनत के लिए श्रेय का हकदार है।

फोरेंसिक विशेषज्ञ बताते हैं शव परीक्षण में क्या होता है

सिडनी। कभी-कभी यह स्पष्ट नहीं होता कि किसी व्यक्ति की मृत्यु कैसे और क्यों हुई। मृत्यु के बाद शरीर की विस्तृत जांच, जिसे शव परीक्षण या पोस्टमॉर्टम के रूप में जाना जाता है, इस प्रश्न का उत्तर खोजने में मदद कर सकती है। आपने टीवी क्राइम शो में जो देखा होगा, उसके बावजूद अधिकांश शव-परीक्षाएँ ज्यादा कांट-छांट किए बिना होती हैंअ अधिकतर अवलोकन प्रक्रिया के दौरान शरीर प्रायः अक्षुण्ण रहता है।हालाँकि, कभी-कभी अधिक विस्तृत जाँच की आवश्यकता होती है।शव परीक्षण में शामिल सभी लोगों द्वारा इस प्रक्रिया के प्रत्एक चरण में मृतक की गरिमा और सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है।सभी शवों का परीक्षण नहीं होता-यदि किसी की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से होती है, संदिग्ध परिस्थितियों का कोई सबूत नहीं है या कोई हालिया चिकित्सा इतिहास है, तो मृत्यु को डॉक्टर द्वारा प्रमाणित किया जाता है। फिर व्यक्ति को अंतिम संस्कार सेवा तक ले जाया जाता है।लेकिन जब मौत के बारे में सवाल बने रहते हैं, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, तकनीशियन और सहायक कर्मचारी आगे की जांच कर सकते है। कभी-कभी इसमें शव-परीक्षा शामिल होती है।

कई जख्मों पर मरहम लगा गई हॉकी की यह जीत

● पेरिस ओलंपिक

● मैदान पर आस्ट्रेलिया को हराकर खुशी से झूमा भारत

भाषा। पेरिस

भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में जब बेल्जियम और आस्ट्रेलिया के साथ पूल मिला तो इसे पूल ऑफ डैथ कहा गया। लाजमी भी था क्योंकि मौजूदा पीढ़ी ने तो कभी ओलंपिक में आठ बार की चैम्पियन भारत को आस्ट्रेलिया से जीतते देखा ही नहीं था। लेकिन पेरिस ओलंपिक के आखिरी पूल मैच में मिली 3 -2 से जीत ने पिछले 52 साल के इंतजार को ही खत्म नहीं किया बल्कि कई अहम मुकाबलों में शर्मनाक हार से मिले जख्मों पर भी मरहम लगा दिया। इसी आस्ट्रेलिया ने भारत को उसकी धरती पर 2010 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में 8-0 से हराया था तो दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों का दिल टूट गया था। बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जब आस्ट्रेलिया ने 7-0 से जीत दर्ज की तो दिल्ली की यादें ताजा हो गई। इससे पहले तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से पहले पूल मैच में भारत को आस्ट्रेलिया ने 7 -1 से हराया था। गोलकीपर पी आर श्रीजेश , कप्तान हरमनप्रीत सिंह , मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत 11 खिलाड़ी तोक्यो में उस टीम में थे और आज पेरिस में उन्होंने राहत की सांस ली होगी। ओलंपिक के इतिहास की बात करें तो भारत इस मैच से पहले 11 मैचों में सिर्फ तीन बार आस्ट्रेलिया को हरा सका था और सिडनी ओलंपिक 2000 में पूल मैच 2 . 2 से ड्रॉ खेला था। वहीं विश्व कप में भारत को आस्ट्रेलिया पर एकमात्र जीत 1978 में ब्यूनस आयर्स में मिली है। पांच सितंबर 1960 को रोम ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल मैच में 84वें मिनट में रघबीर सिंह भोला के गोल के दम पर भारत ने आस्ट्रेलिया को हराया था। फाइनल में भारतीय टीम पाकिस्तान से एक गोल से हार गई थी। इसके बाद 1964 में तोक्यो खेलों में प्रीतपाल सिंह के दो और मोहिंदर लाल के एक गोल की मदद से भारत ने सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को 3 .। से शिकस्त दी थी। इस बार फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता। वहीं 1972 के म्युनिख ओलंपिक में भारत ने पूल मैच में आस्ट्रेलिया को 3 . । से हराया और तीनों गोल मुखबैन सिंह ने दागे थे। भारत ने इन खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद से लगातार ओलंपिक में आस्ट्रेलियाई टीम का भारत पर दबदबा रहा। उसने 1968 मैक्सिको खेलों में भारत को सेमीफाइनल में, 1976 मांट्रियल खेलों में पूल चरण में, 1984 लॉस एंजिलिस , 1992 बार्सीलोना, 2004 एथेंस और 2021 तोक्यो खेलों में भारत को पूल चरण में हराया। इसके अलावा 1976 और 2000 ओलंपिक में मुकाबले ड्रॉ भी रहे। पेरिस ओलंपिक में भारत का आगे का सफर कैसा रहता है , यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन इस जीत को भारतीय हॉकी के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। विरोधी के रसूख से डरे बिना बेखौफ खेलने वाले युवा खिलाड़ियों को , अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे महान गोलकीपर को, मोर्चे से अगुवाई करने वाले कप्तान को और खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने वाले कोच को भी।

नौकायन की पुरुष एकल स्कल्स में भारत के बलराज पंवार 23वें स्थान पर

पेरिस। भारतीय नौकायन खिलाड़ी बलराज पंवार ने शुक्रवार को यहां फाइनल डी में पांचवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में अपने अभियान का अंत 23वें स्थान के साथ किया। हरियाणा के 25 साल के बलराज ने फाइनल डी में सात मिनट 2.37 सेकेंड का समय लिया जो मौजूदा खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह हालांकि पदक दौर नहीं था। पेरिस ओलंपिक की नौकायन स्पर्धा में भारत के एकमात्र प्रतिभागी बलराज क्वार्टर फाइनल रेस में पांचवें स्थान पर रहे थे। रविवार को रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहते हुए बलराज ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। शनिवार को पहले दौर की हीट में चौथे स्थान पर रहते हुए वह रेपेचेज में पहुंचे थे। फाइनल ए में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ियों को पदक मिलता है।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	13	7	7	27
अमेरिका	9	17	15	41
ब्रिटेन	9	8	8	25
फ्रांस	8	11	10	29
ऑस्ट्रेलिया	8	6	5	19
जापान	8	3	6	17
दक्षिण कोरिया	7	4	4	15
इटली	5	8	4	17
नीदरलैंड	4	2	2	8
कनाडा	3	2	4	9
भारत	0	0	3	3

अल्काराज

पेरिस ओलंपिक में आठवें दिन भारत का कार्यक्रम

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में आठवें दिन शनिवार को भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है। निशानेबाजी : महिला स्कीट क्वालीफिकेशन (पहला दिन) : रेइजा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान : दोपहर 12.30, महिला 25 मीटर पिस्टल (फाइनल) : मनु भाकर (दोपहर एक बजे), तीरंदाजी : महिला व्यक्तिगत,पेरिस, दो अगस्त (भाषा) पेरिस ओलंपिक में आठवें दिन शनिवार को भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है। निशानेबाजी : महिला स्कीट क्वालीफिकेशन (पहला दिन) : रेइजा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान : दोपहर 12.30, महिला 25 मीटर पिस्टल (फाइनल) : मनु भाकर (दोपहर एक बजे), तीरंदाजी : महिला व्यक्तिगत (118 एलिमिनेशन) : दीपिका कुमारी बनाम मिशेले क्रोपेन (जर्मनी) , , दोपहर। . 52 बजे , महिला व्यक्तिगत (118 एलिमिनेशन) : भजन कौर बनाम डियांडा चोइरूनिसा (इंडोनेशिया),दोपहर 2 . 05 बजे। , पाल नौकायन :महिला डिंगी (रेस पांच): नेत्रा कुमानन - दोपहर 5 . 55 बजे ,महिला डिंगी (रेस छह): नेत्रा कुमानन - शाम 7 . 03 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस पांच): विष्णु सरवनन - दोपहर 3 . 45 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस छह): विष्णु सरवनन - दोपहर 4 . 53 बजे , मुक्केबाजी : पुरुष वेल्टरवेट (क्वार्टर फाइनल) : निशांत देव बनाम मार्को वेरडे (मैक्सिको) : रात 12 . 18 बजे।

मेडले रेस के बाद तैराक तमारा पोटोस्का गिर पड़ी

नैनटेरे (फ्रांस)। तैराक तमारा पोटोस्का पेरिस ओलंपिक मे महिलाओं की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले की क्वालीफाइंग हीट के बाद शुक्रवार सुबह पूल के किनारे गिर गईं। उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद स्ट्रेचर पर वहां से ले जाया गया।स्लोवाकिया की पोटोस्का को चिकित्सा देखभाल के लिए ले जाते समय ऑक्सीजन मास्क पहने देखा गया। पूल के चिकित्सा कर्मियों ने कहा कि वह होश में थी।तरणताल से बाहर निकलते ही वह गिर पड़ी और उसी समय लगभग छह चिकित्सा सहायकों ने उसे घेर लिया, जिन्होंने लगभग एक मिनट के बाद उसे स्ट्रेचर पर लिटाया और पूल डेक से बाहर ले गए।

ओलंपिक में तीन माताओं ने नौकायन में पदक जीतकर बच्चों के साथ मनाया जश्न

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में तीन माताओ के लिए नौकायन स्पर्धा में पदक जीतने के बाद अपने बच्चो के साथ जश्न मनाना बेहद खास रहा। ब्रिटेन की अनुभवी हेलेन ग्लोवर और न्यूजीलैंड की लुसी स्पूर्स तथा ब्रुक फ्रांसिस बच्चे को जन्म देने के दो साल से भी कम समय के अंदर ओलंपिक पदक जीतने में सफल रही।स्पूर्स तथा फ्रांसिस की जोड़ी ने महिला युगल स्कल्स मे स्वर्ण पदक जीता, जबकि तीन बच्चो की मां ग्लोवर महिला फोर स्पर्धा मे रजत पदक हासिल करने मे सफल रही। स्पूर्स और फ्रांसिस के जीत दर्ज करने के तुरंत बाद दर्शक दीर्घा मे बैठे अपने बच्चो को गोद मे उठा लिए।फ्रांसिस ने कहा, मैने उन्हे स्टैंड मे देखा और उन्हे गले लगाने मे भी कामयाब रही। मुझे लगता है कि वे अपनी मां के वापस आने का इंतजार कर रहे थे।

अब तक कोई आतंकी खतरे का पता नहीं लगा, फ्रांस के मंत्री ने कहा

पेरिस। फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड दरमानिन ने शुक्रवार को कहा कि अधिकारियों ने ओलंपिक खेलो के पहले हफ्ते मे किसी भी आंतकी खतरे का पता नही लगाया है, हालांकि इस दौरान विभिन्न अपराधो के लिए सुरक्षा बलो ने लगभग 200 लोगो को गिरफ्तार किया है। दरमानिन ने पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के बारे मे पहला आधिकारिक आंकड़ा जारी किया।

मनु पूरी कर सकती है पदकों की तिकड़ी

● 25 मीटर महिला पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में, ईशा बाहर

भाषा। शेटराउ (फ्रांस)

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के लिए अभूतपूर्व तीसरे पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को यहां निशानेबाजी की 25 मीटर महिला पिस्टल स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया लेकिन ईशा सिंह प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। अनंतजीत सिंह नरूका पुरुष स्कीट क्वालीफिकेशन के पहले दिन खराब शुरुआत के बाद 30 निशानेबाजों के बीच 26वें स्थान पर हैं। मनु ने प्रिसिजन में 294 और रेपिड में 296 अंक के साथ कुल 590 अंक जुटाकर क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। मनु ने प्रिसिजन दौर में 10-10 निशानों की तीन सीरीज में क्रमशः 97, 98 और 99 अंक जुटाए। रेपिड दौर में उन्होंने तीन सीरीज में 100, 98 और 98 अंक हासिल किए। हंगरी की मेजर वेरोनिका ने 592 अंक के साथ ओलंपिक के क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ईशा प्रिसिजन में 291 और रेपिड में 290 अंक के साथ कुल 581 अंक जुटाकर 18वें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना सकीं।

उन्होंने प्रिसिजन की पहली दो सीरीज में 95 और 96 अंक जुटाने के बाद 100 अंक के साथ जोरदार वापसी की लेकिन रेपिड दौर में 97, 96 और 97 अंक ही जुटा सकीं। इस स्पर्धा का फाइनल शनिवार तीन अगस्त को खेला जाएगा। क्वालीफिकेशन के प्रिसिजन दौर के बाद मनु और ईशा क्रमशः तीसरे और 10वें स्थान पर थे। प्रिसिजन दौर में शीर्ष दो स्थान पर रहीं वेरोनिका और फ्रांस की कैमिली जेद्रेजेवस्की ने भी मनु के समान 294 अंक जुटाए लेकिन दोनों ने एक्स (लक्ष्य का केंद्र) पर अधिक निशाने लगाकर पहले दो स्थान पर कब्जा जमाया। मनु ने एक्स पर सात निशाने साधे जबकि वेरोनिका और कैमिली ने क्रमशः 15 और 13 बार ऐसा किया। मनु ने पेरिस खेलों में व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग में भी कांस्य पदक जीता। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।दूसरी तरफ पुरुष स्कीट क्वालीफिकेशन के पहले दिन 25-25 निशानों की तीन सीरीज में अनंतजीत 23, 22 और 23 अंक के साथ कुल 68 अंक ही जुटा सके।अनंतजीत ने पहली सीरीज में दो निशाने चूके। वह दूसरी सीरीज में तीन निशाने चूक गए जबकि तीसरी सीरीज में एक बार फिर वह दो निशाने चूके जिससे काफी पिछड़ गए।

जूडोका तूलिका मान पहले दौर में हार के साथ बाहर

पेरिस। भारतीय जूडो खिलाड़ी तूलिका मान पेरिस ओलंपिक की महिलाओं की 78 किग्रा से अधिक स्पर्धा के पहले दौर में शुक्रवार को यहां लंदन ओलंपिक की चैंपियन क्यूबा की इडेलिस ओर्टिज के खिलाफ शिकस्त के साथ बाहर हो गईं। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता दिल्ली की 22 साल की तूलिका को क्यूबा की खिलाड़ी के खिलाफ इप्पोन से 0-10 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। क्यूबा की खिलाड़ी के नाम चार ओलंपिक पदक है जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। ओर्टिज के खिलाफ तूलिका सिर्फ 28 सेकेंड की मुकाबले में टिक सकी।तूलिका की हार के साथ जूडो में भारत का अभियान खत्म हो गया क्योंकि वह पेरिस खेलो मे इस प्रतियोगिता मे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी थी। इप्पोन दांव मे जुडो खिलाड़ी अपने विरोधी को मैट पर काफी ताकत और गति से उसकी पीठ के बल गिराता है। इप्पोन तब दिया गया है जब कोई खिलाड़ी विरोधी को 20 सेकेंड तक अपनी गिरफ्त मे रखता है या फिर विरोधी खिलाड़ी हार मान लेता है।

उमस से परेशान भारतीय खिलाड़ियों के लिए खेल मंत्रालय ने लगवाए 40 एसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में गर्मी और उमस से परेशान भारतीय खिलाड़ियों को राहत देने के लिए खेल मंत्रालय ने खेलगांव में उनके कमरों में 40 पोर्टेबल एसी लगवाए हैं। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि पेरिस में भारतीय दूतावास और भारतीय ओलंपिक संघ से बातचीत के बाद खेलगांव में लगवाए गए। खिलाड़ियों के कमरे में एसी फिट भी हो चुके हैं। एक सूत्र ने बताया , ओलंपिक खेलगांव में गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों की परेशानी को देखते हुए खेल मंत्रालय ने वहां भारतीय खिलाड़ियों के लिए 40 एसी लगवाने का फैसला किया है। पेरिस और शेटराउ में तापमान बहुत अधिक है। शेटराउ में निशानेबाजी के दौरान कल भारत के लिए 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले को पसीने में भीगा हुआ देखा जा सकता था। ऐसी रिपोर्ट हैं कि पेरिस में तापमान 40 डिग्री के पार भी गया है। खेल शुरू होने से पहले ही कई देशों ने पेरिस के मौसम को देखते हुए खेलगांव को पर्यावरण अनुकूल रखने के लिए एसी नहीं लगवाने के आयोजकों के फैसले पर चिंता जताई थी। अमेरिका समेत कई देशों ने पोर्टेबल एसी खरीदकर लगवाए हैं।

धीरज-अंकिता के तीर कांस्य से चूके

भाषा। पेरिस

भारत के धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत पेरिस ओलंपिक में मिश्रित युगल तीरंदाजी में शुक्रवार को पदक से चूक गए जिन्हें कांस्य के पदक मुकाबले में अमेरिका की कैसी कॉफहोल्ड और ब्रैडी एलिसन की जोड़ी ने 6 . 2 से हराया। धीरज और अंकिता की पांचवीं वरीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के बावजूद किम वूजिन और लिम सिहियोन की दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीय जोड़ी से 2-6 से हारने से कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंची थी। अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसमें उन्होंने पहले दो सेट गंवा दिए।

भारतीय तीरंदाजों ने तीसरा सेट जीतकर वापसी की उम्मीद जगाई लेकिन कैसी और ब्रैडी की जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और 38-37, 37-35, 34-38, 37-35 से कांस्य पदक जीत लिया। इससे पहले धीरज और अंकिता को दक्षिण कोरियाई जोड़ी से 38-36, 35-38, 36-38, 38-39 से हार झेलनी पड़ी।धीरज और अंकिता ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 38-36 से जीता। लिम ने आठ और 10 अंक के साथ शुरुआत की जबकि किम ने दोनों बार नौ अंक जुटाए। धीरज ने अपने दोनों निशाने 10 अंक पर लगाकर जीत सुनिश्चित की। भारतीय जोड़ी ने दूसरा सेट 35-38 से गंवाया।

भारत-श्रीलंका का पहला वनडे टाई

● दोनो टीमों ने बनाए 230 रन

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को यहां पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच टाई रहा। इससे पहले भारत की सटीक गेंदबाजी के सामने श्रीलंका का शीर्ष क्रम चरमरा गया लेकिन सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (56 रन) और निचले क्रम में दुनिथ वेलालागे (नाबाद 67 रन) के संयमित अर्धशतकों की मदद से उसने शुक्रवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आठ विकेट पर 230 रन बनाए। निसांका ने 75 गेंद में नौ चौके से 56 रन बनाए जबकि वेलालागे ने 65 गेंद में सात चौके और दो छक्के जड़कर 67 रन बनाए। भारत के लिए अक्षर पटेल (33 रन देकर दो विकेट) और अर्शदीप सिंह ने दो दो जबकि कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे ने एक एक विकेट झटका। श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका ने टर्न ले रही पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उसकी शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने अविष्का फर्नांडो का विकेट गंवा दिया जिन्हें मोहम्मद सिराज ने पवेलियन भेजा। फिर निसांका और कुसल मेंडिस (14 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 39 जोड़कर वापसी की कोशिश की। टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की तरह श्रीलंका ने अपने विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिए। भारतीय गेंदबाजों का प्रयास भी अच्छा रहा जिन्होंने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खराब शॉट खेलने पर मजबूर किया।

स्कोरबोर्ड

श्रीलंका : निसांका पगबाधा बो वाशिंगटन सुंदर 56,फर्नांडो का अर्शदीप बो सिराज 01,मेंडिस पगबाधा बो दुबे 14,समरविक्रमा का गिल बो पटेल 08, असालंका का रोहित बो कुलदीप 14, लियानागे का रोहित बो पटेल 20, वेलालागे नाबाद 67,हसारंगा का पटेल बो अर्शदीप 24, धनंजय का सुंदर बो अर्शदीप 17,सिराज नाबाद 01,अतिरिक्त : 08,**कुल** : 50 ओवर मे आठ विकेट पर 230 रन,**विकेट पतन** :1-7, 2-46-, 3-60, 4-91, 5-101, 6-142, 7-178, 8-224 **गेंदबाजी** : सिराज 8-2-36-1,अर्शदीप 8-0-47-2,पटेल 10-0-33-2, दुबे 4-0-19-1,यादव 10-0-33-1,सुंदर 7-1-38-1,गिल1-0-14-0

भारत : रोहित पगबाधा बो वेलालागे 58, गिल का मेंडिस बो वेलालागे 16,कोहली पगबाधा बो हसारंगा 24,सुंदर पगबाधा बो धनंजय 05,अय्यर बो असिथा फर्नांडो 23, राहुल का वेलालागे बो हसारंगा 31,पटेल का मेंडिस बो असालंका 33,दुबे पगबाधा बो असालंका 25,यादव बो हसारंगा 02, सिराज नाबाद 05,अर्शदीप पगबाधा बो असालंका 00,**अतिरिक्त** : 08,**कुल** : 47.5 ओवर मे 230 रन पर सभी आउट ,**विकेट पतन** :1-75, 2-80-, 3-87, 4-130, 5-132, 6-189, 7-197, 8-211, 9-230,**गेंदबाजी** : फर्नांडो 6-1-34-1,शिराज 4-0-25-0, वेलालागे 9-1-39-2,धनंजय 10-0-40-1,हसारंगा 10-0-58-3, असालंका 8.5-0-30-3

17 पदक के साथ यूपी वुशू टीम रही तीसरे स्थान पर

लखनऊ। 23वी राष्ट्रीय वुशू में प्रदेश ने 3 स्वर्ण,4 रजत और 10 कांस्य समेत कुल 17 पदक हासिल किया। इसी के साथ प्रदेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया । स्वर्ण पदक- तनिष नाग, गौतम, प्रांशु, गौतम अनिरुद्ध चौधरी, रजत पदक-गरिमा,मेघा,,अनुष्टा गौतम, कांस्य पदक- खुश,फुरंद ,कृष, प्रकाश सेठ,अंश सहाय, प्रशांत ने सफलता प्राप्त की। मनिष कक्कड़ ने विजेताओं को बधाई दी।

पैरामाउंट क्लब की जीत में चमके कामरान

लखनऊ। दीपक त्रिपाठी 54के अर्धशतक और मोहम्मद कामरान सिद्दीकी 4 विकेट की उपयोगी गेंदबाजी से पैरामाउंट क्लब ने पांचवीं श्रीपाल सिंह स्मारक टी20 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में लाइफ केयर क्लब को 27 रन से हराया। पार्थ रिपब्लिक ग्राउंड पर पैरामाउंट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 158 रन का स्कोर बनाया। दीपक त्रिपाठी 54 रन जड़ा। जवाब में लाइफ केयर क्लब निर्धारित ओवर में 9 विकेट पर 131 रन ही बना सका। अतुल सिंह नाबाद 42, हरिओम शर्मा व राहुल यादव 27-27 और ओम प्रकाश कश्यप 23 ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। पैरामाउंट क्लब से कामरान सिद्दीकी ने 19 रन देकर चार विकेट चटकाए। महिपाल सिंह को 3 जबकि प्रदीप तिवारी को एक विकेट मिला। कामरान सिद्दीकी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

बप्पा मेमोरियल सेवन ए. साईड कॉलेज फुटबॉल 11 से

लखनऊ। बप्पा श्री नारायण मेमोरियल सेवन ए. साईड कॉलेज फुटबॉल तियोगिता 2024 19 वर्षीय बालक वर्ग का आयोजन 1 अगस्त 2024 को बप्पा जी की जयंती के अवसर पर गत वर्षों के भातिं इस वर्ष भी बीएसएनवी इंटर कॉलेज चारबाग के खेल मैंदान पर किया जायेगा। पांच दिन होने वाले नाँक आउट प्रतियोगिता में 19 वर्षीय बालक वर्ग की कॉलेज व स्कूल की टीम प्रतिभाग करेंगीं। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक कॉलेज व स्कूल अधिक जानकारी हेतु आलोक भारद्वाज 9125389142 व् धर्मेन्द्र कुमार 9919008005 के फ़ेन नम्बर पर संपर्क कर सकते है ।

क्विक न्यूज

कार्लोस अल्काराज पेरिस ओलंपिक पुरुष टेनिस एकल फाइनल में पहुंचे

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-1, 6-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक की पुरुष टेनिस एकल स्पर्धा के फाइनल मे प्रवेश किया। इससे वह ओलंपिक की टेनिस स्पर्धा का एकल स्वर्ण पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने से महज एक जीत दूर है। अब उनका सामना सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच और इटली के लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिलाओं का एकल फाइनल शनिवार को होगा जिसमें चीन की झेंग किनवेन का सामना डोना वेक्चि से होगा।

मैं खेल जारी रखूंगी, थोड़े समय के ब्रेक के बाद: सिंधू

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने शुक्रवार को कहा कि वह ओलंपिक खेलों से प्री क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद संक्षिप्त ब्रेक लेंगी क्योंकि वह अपने करियर की सबसे कड़ी हार मे से एक से उबर रही है लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा किया।रियो ओलंपिक 2016 में रजत और तोक्यो ओलंपिक 2020 मे कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी ही बिंग जियाओ से सीधे गेम मे हारने के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई। सिंधू ने एक्स पर पोस्ट किया, अपने भविष्य के बारे में मैं स्पष्ट होना चाहती हूं: मैं खेलना जारी रखूंगी, हालांकि थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मै आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूं और जिस खेल से मै बहुत प्यार करती हूं, उसे खेलने में ज्यादा आनंद ढूंढूंगी। उन्होंने लिखा, यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार मे से एक है। इसे स्वीकार करने मे समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मुझे पता है कि मै इसे स्वीकार कर लूंगी।

टी20 से अगर आक्रामक टेस्ट क्रिकेटर निकलेंगे तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी: सहवाग

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि टी20 क्रिकेट से अगर आक्रामक टेस्ट खिलाड़ी उभरता है तो उन्हें कोई शिकायत नही होगी क्योंकि ऐसे बल्लेबाज दर्शकों को स्टेडियम खीचने में सफल होंगे। भारत के सबसे सफल टेस्ट सलामी बल्लेबाजो मे शामिल सहवाग को दिल्ली प्रीमियर लीग के शुरुआती सत्र का ब्रांड दूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि आप खेल के छोटे प्रारूप की तरफ आकर्षित होने का दोष युवाओ पर नही मढ़ सकते क्योंकि यह वित्तीय तौर व्यावहारिकता भी प्रदान करता है। सहवाग ने लीग से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा, इंग्लैड जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है, पांच रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहा है। हमारे खेलने के दिनो मे ऑस्ट्रेलिया लगभग चार रन प्रति ओवर की दर से रन बनाता था। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि यदि आप आक्रमण कर सकते है तो आप अपनी टीम को टेस्ट मैच जीतने के अधिक मौके देते है। सहवाग से जब पूछा गया कि क्या जरूरत से ज्यादा टी20 लीग के आयोजन से युवा लाल गेंद प्रारूप से दूर हो रहे है तो उन्होंने कहा, देखिए, मेरा बड़ा बेटा 17 साल का है और उसने दिल्ली अंडर 16 के लिए तीन दिवसीय क्रिकेट खेला है, लेकिन ऐसे बहुत से लड़के हैं जो उस मौके का इंतजार कर रहे होंगे। जब हम 18 साल के थे तो आईपीएल नही था। लेकिन, अब, एक युवा आईपीएल खेलने के बारे मे सोच सकता है, और डीपीएल आपको वह मौका प्रदान करेगा।

दिल्ली कैपिटल्स के मालिक हैम्पशर काउंटी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सहमत

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप ने इंग्लिश काउंटी टीम हैम्पशायर के साथ 120 मिलियन पाउंड (लगभग 1278 करोड़ रुपए) मे बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के समझौते पर सहमति व्यक्त की है।हैम्पशायर ऐसे मे किसी विदेशी इकाई के स्वामित्व वाली पहली काउंटी टीम बन जाएगी। इससे जीएमआर समूह के पास इस टीम के 51 प्रतिशत शेयरो पर नियंत्रण होगा। द टेलीग्राफ ने अपनी रिपोर्ट मे बताया, समझा जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स के मालिको ने आईपीएल के अपने प्रतिद्वंद्वी लखनऊ सुपरजायंट्स की बोली को पछाड़ दिया। जीएमआर समूह के पास इसके साथ ही यूटिलिटा बाउल (हैम्पशायर मे क्रिकेट स्टेडियम), हिल्टन होटल और उसी स्थान पर एक गोल्फ कोर्स का भी नियंत्रण होगा।दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक होने के अलावा जीएमआर समूह के पास दुबई कैपिटल्स (आईएलटी20, यूएई) का स्वामित्व और मेजर लीग क्रिकेट (अमेरिका) की फ्रेंचाइजी सिएटल ऑर्कास मे भी हिस्सेदारी है।

फ्रिट्ज और पॉल की अमेरिकी जोड़ी से ओलंपिक युगल में हार के बाद एंडी मरे ने लिया संन्यास

पेरिस। ओलंपिक के पुरुष युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल मे हार के साथ ही ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे का शानदार पेशेवर करियर खत्म हो गया। वह इस खेल को अलविदा कहने के लिए जब कोर्ट पर उतरे तो उनकी आंखे नम थी। इस 37 साल के खिलाड़ी ने पहले ही कहा था कि 2024 ग्रीष्मकालीन खेल उनके लिए आखिरी पेशेवर मुकाबला होगा। उन्हे और उनके साथी डैन इवांस को गुरुवार रात कोर्ट सुजैन लेंगले मे टेलर फ्रिट्ज और टॉमी पॉल की अमेरिका की जोड़ी ने 6-2, 6-4 से हराया। ओलंपिक टेनिस एकल स्पर्धा दो बार के इकलौते स्वर्ण पदक ने कहा, मुझे पता था कि यह पल आने वाला है। यह अगर आज नही हुआ होता तो कुछ दिनों के बाद होने वाला था। मै इसके लिए तैयार था। जाहिर है, मै भावुक हूं क्योंकि यह आखिरी बार था जब मैने किसी प्रतिस्पर्धी मैच को खेला। मै वास्तव मे अभी खुश हूं।

मैं इस पीढी के लिए धनराज पिल्लै हूं , कहा श्रीजेश ने

पेरिस। अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे भारत के स्टार गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के आखिरी पूल मैच में आस्ट्रेलिया पर मिली जीत के बाद कहा कि वह मौजूदा टीम के युवा खिलाड़ियो के लिए धनराज पिल्लै है। छत्तीस वर्ष के श्रीजेश ने आस्ट्रेलिया पर ओलंपिक मे 52 साल बाद मिली जीत मे सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए कई गोल बचाए। श्रीजेश ने मैच के बाद कहा , मुझे इसके बारे मे पता नही था। आज पूरी टीम अच्छा खेली। डिफेंस सेंटर फॉरवर्ड से शुरू हो जाता है और मै आखिर में आता हूं। आज सभी अच्छा खेले। उन्होंने कहा , मै इस टीम मे चौथी पीढी के साथ खेल रहा हूं। कुछ तो पैदा भी नही हुए थे जब मैने हॉकी खेलना शुरू किया। कुछ साल पहले लोग धनराज पिल्लै के लिए जीतना चाहते थे और अब मेरे लिए। मै इस पीढी के लिए धनराज पिल्लै हूं। मुझे और क्या चाहिए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।